सेंसेक्स ~ 83,432.89
निफ्टी ~ 25,461.00
सोना ~ 98,730
चांदी ~ 1,10,000
डॉलर ~ 85.49

बालाघाट एक्सप्रेस

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
शनिवार 05 जुलाई 2025
आषाढ़ शुक्ल 08 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 280
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

आसाराम की जमानत बढ़ाई गई

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले में 86 साल के आसाराम की जमानत एक और महीने के लिए बढ़ा दी है। वे दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा जोधपुर जेल में काट रहे हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 31 मार्च तक मेडिकल आधार पर अंतरिम जमानत दी थी। निर्देश दिया था कि आगे की राहत के लिए, गुजरात हाईकोर्ट में याचिका लगा सकता है। इसके बाद से उनकी जमानत दो बार बढ़ चुकी है। तब से वे बाहर हैं। उनकी जमानत 7 जुलाई को खत्म हो रही थी। इससे पहले वे गुजरात हाईकोर्ट पहुंच गए, जहां उनकी जमानत फिर से 7 अगस्त तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह आसाराम की जमानत का आखिरी एक्सटेंशन होगा।

अभिनेता से राजनेता बने विजय ने बीजेपी से गठबंधन पर किया इंकार

चेन्नई। अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने उन्हें 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए अपना मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया। टीवीके की बैठक में विजय ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी। अभिनेता ने कहा कि उनके और उनकी पार्टी के विचार बीजेपी से मेल नहीं खाते। विजय ने बीजेपी से हाथ मिलाने की संभावना को खारिज कर कहा, भगवा पार्टी अन्य जगहों पर जहर के बीज बो सकती है, लेकिन तमिलनाडु में ऐसा नहीं कर सकती है। उन्होंने जोर दिया कि आप अन्ना और पेरियार का विरोध या अपमान करके तमिलनाडु में जीत नहीं सकते। उन्होंने कहा कि टीवीके, डीएमके या एआईएडीएमके जैसी नहीं है जो बीजेपी से हाथ मिला ले और उनकी पार्टी हमेशा डीएमके और बीजेपी दोनों का विरोध करेगी।

कैबिनेट ने रोजगार प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना को दी मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने एक महत्वाकांक्षी योजना ईएलआई (रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना) को मंजूरी दी है। इस योजना का उद्देश्य सभी क्षेत्रों में रोजगार सृजन, रोजगार क्षमता में वृद्धि और सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करना है। विशेष रूप से यह योजना विनिर्माण क्षेत्र और पहली बार नौकरी करने वाले युवाओं पर केंद्रित है। इसके तहत पहली बार काम करने वालों को एक महीने के वेतन (अधिकतम ?15,000) की राशि दो किस्तों में दी जाएगी। साथ ही, नियोक्ताओं को अतिरिक्त रोजगार देने पर प्रति कर्मचारी ?3,000 प्रति माह तक की सहायता दो वर्षों तक दी जाएगी।

सांसद तिवाड़ी की पार्टी होगी सूची से बाहर! 6 साल से नहीं लड़ा कोई चुनाव

जयपुर। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी की भारत वाहिनी पार्टी को चुनाव आयोग सूची से बाहर करने जा रहा है। आयोग के नजर में पार्टी ने पिछले 6 साल में कोई चुनाव नहीं लड़ा है। साल 2018 में घनश्याम तिवाड़ी ने नई पार्टी भारत वाहिनी पार्टी का गठन किया था। हाल ही में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने घनश्याम तिवाड़ी की पार्टी समेत कुल 9 पार्टियों को नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट का ओबीसी आरक्षण पर सरकार से सवाल

13% होल्ड पदों पर नियुक्तियों में क्या दिक्कत है

दिल्ली/भोपाल। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27 फीसदी आरक्षण लागू करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई, लेकिन मामले में कोई राहत नहीं मिली। कोर्ट ने मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव से एफिडेफिट मांगा है कि जो 13 फीसदी पद होल्ड हैं उन पर नियुक्तियों में क्या दिक्कत है। सरकार ने साल 2019 में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण देने के लिए, एक्ट पास किया गया था, लेकिन अमल में नहीं आ पाया।

कोर्ट नंबर 12 में जस्टिस पीएस नरसिम्हा एवं जस्टिस आर महादेवन की बेंच में सुनवाई की। यह केस सीरियल नंबर-35 पर लगा था। कोर्ट में एक बार फिर से मप्र में ओबीसी की आबादी 51 फीसदी होने की दलील दी गई, लेकिन 27 फीसदी आरक्षण लागू करने का आदेश देने पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई राहत नहीं दी। यह सामने आया कि मामले में मप्र हाईकोर्ट से ट्रांसफर होकर करीब 70 याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में पहुंची हैं, उन्हीं पर आगे सुनवाई होगी। तत्काल आरक्षण देने संबंधी इस याचिका में अभी कोई राहत नहीं मिली है।

पुराने आदेश का हवाला देकर बच रही सरकार

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने एक बार फिर कहा कि एक्ट पास होने के बाद भी उम्मीदवारों को पांच साल से 27 फीसदी आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा रहा है। सरकार 19 मार्च 2019 के हाईकोर्ट के एक पुराने अंतरिम आदेश का हवाला देकर आरक्षण से बच रही है। जबकि एक्ट पर कोई रोक नहीं है। इसे लागू किया जाए। इसके पहले 25 जून की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट जस्टिस ने अधिवक्ता से ही पूछा था कि इंदिरा साहनी केस क्या है? इसमें आरक्षण की सीमा 50 फीसदी तय की हुई है। इस पर अधिवक्ता ने कहा था कि मप्र में ओबीसी की आबादी 51 फीसदी है, लेकिन नौकरियों में केवल 13.66 फीसदी आरक्षण है। इसलिए, सरकार ने 27 फीसदी का एक्ट पास किया और इस पर कोई स्टे नहीं है। केवल विधिक सलाह के बाद एक नोटिफिकेशन से इस आरक्षण को देने से रोक दिया गया। सरकार ने 87-13 फीसदी का फार्मूला लगा दिया। चार-पांच साल से यह 13 फीसदी आरक्षण रुका हुआ है।

27 फीसदी आरक्षण लागू करने की मांग

ओबीसी महासभा के कोर कमेटी मेंबर एडवोकेट धर्मेंद्र कुशवाह ने बताया कि कोर्ट ने नोटिस जारी कर सरकार से जवाब मांगा है कि 27 फीसदी आरक्षण क्यों नहीं दे रहे हो। सुनवाई करीब 10 मिनट तक चली है। सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल अपीयर हुए थे। उन्होंने 27 फीसदी आरक्षण को जारी करने का विरोध किया है। हमारी तरफ से यह मांग की गई थी कि अंतिम सुनवाई तक अंतरिम रूप से 27 फीसदी लागू कर दिया जाए, जिससे 13 फीसदी अनहोल्ड को खत्म किया जा सके। उस पर भी सॉलिसिटर जनरल ने विरोध किया है। इस पर हमने जल्दी सुनवाई के लिए तारीख मांगी थी जिस पर भी सॉलिसिटर जनरल ने मना किया है।

राजस्थान हाईकोर्ट ने को सुनाया...कोई भी आरोपी आपके आने का इंतज़ार नहीं करेगा

राजस्थान हाईकोर्ट ने लापता नाबालिगों के मामलों में राजस्थान पुलिस के मौजूदा तरीकों पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है, और विशेष रूप से पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव शर्मा से आधुनिकीकरण का आग्रह किया है। कोर्ट ने पुरानी तकनीकों के इस्तेमाल, अंतर-राज्यीय समन्वय में कमी और डीएनए रिकॉर्ड तथा एआई जैसी आधुनिक तकनीकों के अभाव पर चिंता जाहिर की है। कोर्ट ने इस बात पर ज़ोर दिया कि पुलिस अभी भी पुराने तरीकों पर काम कर रही है। उनका मानना है कि पुलिस का यह बहाना कि मोबाइल बंद होने की वजह से वे नाबालिगों को ट्रेस नहीं कर पा रहे हैं, अब मान्य नहीं है। कोर्ट ने पुलिस को मोबाइल ट्रैकिंग से इतर भी नई तकनीकों पर काम करने का आग्रह किया है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की मंजूरी के बाद 9 हाइकोर्ट को मिलेंगे 15 नए जज

नई दिल्ली। दिल्ली पटना सहित देश के 9 उच्च न्यायालयों को 15 नए जज मिल जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की मंजूरी के बाद यह रास्ता साफ हो गया है। जिन न्यायिक अधिकारियों के नाम पर मुहर लगी है उनमें वीरेंद्र अग्रवाल, मंदीप पन्नू, प्रमोद गोयल, शालिनी सिंह नागपाल, अमरिंदर सिंह ग्रेवाल, सुभाष मेहला, सूर्य प्रताप सिंह, रूपिंदरजीत चहल, आराधना साहनी, यशवीर सिंह राठौर हैं।

तेलंगाना हाईकोर्ट के जज के रूप में चार अधिवक्ताओं के नामों को भी मंजूरी दी गई है।कॉलेजियम ने तेलंगाना हाईकोर्ट के जिन अधिवक्ताओं के नाम पर मुहर लगाई है उनमें गौसे मीरा मोहिउद्दीन, चलपति राव सुड्डाला, वक्ति रामकृष्ण रेड्डी और गादी प्रवीण कुमार शामिल हैं। आपको बता दें कि कॉलेजियम में न्यायमूर्ति सूर्यकांत और विक्रम नाथ भी शामिल हैं। उन्होंने राजस्थान हाईकोर्ट के जज के रूप में एक न्यायिक अधिकारी और एक अधिवक्ता के नामों को मंजूरी दी है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने 1 और 2 जुलाई को हुई अपनी बैठक में दिल्ली हाईकोर्ट में तीन न्यायिक अधिकारियों और पटना हाईकोर्ट के दो अधिवक्ताओं को जज के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके अलावा कॉलेजियम ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के जज के रूप में 10 न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 2 जुलाई, 2025 को आयोजित अपनी बैठक में अधिवक्ता तुहिन कुमार गेडेला को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के जज के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। एक अन्य निर्णय में कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति बिस्वदीप भट्टाचार्जी, अतिरिक्त जज को मेघालय हाईकोर्ट के स्थायी जज के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की। इसके अलावा दो न्यायिक अधिकारियों प्रांजल दास और संजीव कुमार शर्मा और दो अधिवक्ताओं, अंजन मोनी कलिता और राजेश मजूमदार को गुवाहाटी हाईकोर्ट के जज के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 1 जुलाई, 2025 को हुई अपनी बैठक में पांच अधिवक्ताओं को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जज के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। ये अधिवक्ता पुष्पेंद्र यादव, आनंद सिंह बहरावत, अजय कुमार निरंकारी, जय कुमार पिल्लई और हिमांशु जोशी हैं। इसके अलावा पांच न्यायिक अधिकारियों राजेश कुमार गुप्ता, आलोक अवस्थी, रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन, भगवती प्रसाद शर्मा और प्रदीप मित्तल को भी हाईकोर्ट के जज के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

मप्र के 27 से अधिक जिलों में बारिश...मंडला में सड़क बही

9 घंटे में जबलपुर में 72 मिमी पानी गिरा, गैस सिलेंडर से भरा ट्रक नदी में बहा

भोपाल। मप्र में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। प्रदेश में शुक्रवार को 27 से अधिक जिलों में बारिश हुई। 9 घंटे में जबलपुर में 72 मिमी यानी, करीब 3 इंच पानी गिर गया। मंडला के मनेरी में एक सड़क बह गई। हाईवे पर पेड़ गिरने से बालाघाट से आ रही बारात भी वहां पर फंस गई। मंडला में भारी बारिश से नेशनल हाईवे-30 पर लैंड स्लाइड के कारण जबलपुर-मंडला मार्ग बंद हो गया है। यहां नर्मदा नदी का जलस्तर वॉर्निंग लेवल पर पहुंच गया है। जिले के कारिया गांव में पानी ज्यादा भरने से एसडीईआरएफ लोगों तक नहीं पहुंच पा रही है।

जबलपुर से करीब 30 किलोमीटर दूर ग्राम सलैया में गैस सिलेंडर से भरा एक ट्रक डूब गया। ड्राइवर को मना करने के बावजूद वह पानी में से ट्रक निकाल रहा था। लेकिन तेज बहाव में ट्रक बहने लगा। चालक और उसका साथी नदी में कूद गए। देखते ही देखते ट्रक बह गया। डिंडौरी में भारी बारिश के चलते कलेक्टर नेहा माराव्या ने 5 जुलाई को कलेक्टर ने जिले के सभी हाईस्कूल तक की छुट्टी घोषित कर दी है। जिले की सिवनी नदी का पानी पुल पर आने से जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे बंद हो गया है। नर्मदा नदी में मंदिर डूब गया।

बारिश से बिगड़े हालात

मप्र के कई जिलों में बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। डिंडौरी जिला अस्पताल परिसर में पानी भर गया। जेसीबी की मदद से पानी निकाला गया। गुना में लगातार भारी बारिश से कई इलाकों में तीन फीट तक पानी भर गया है। टीकमगढ़ में कई इलाकों में जलभराव हो गया है। मंडला में लगातार बारिश से नदी-नाले उफान पर है। नदी-नालों और पुल-पुलियों के पास पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। भारी बारिश के चलते एक सड़क भी बह गई। ग्वालियर में हो रही बरसात के चलते तिघरा डैम का जलस्तर भी बढ़ रहा है। यहां कई लोग ये नजारा देखने परिवार और दोस्तों के साथ पहुंच रहे हैं।

मंदिर पर गिरी बिजली

शिवपुरी जिले के करैरा कस्बे में शुक्रवार दोपहर एक बजे से बारिश होने लगी। दोपहर करीब साढ़े 4 बजे प्राचीन बगीचा सरकार के राम मंदिर के ऊपर आकाशीय बिजली गिर गई। जिससे शिखर तीन जगह से क्षतिग्रस्त हो गया। शिखर के टुकड़े भी परिसर में फैल गए। बता दें जिस वक्त आकाशीय बिजली गिरी उस समय मंदिर में 100 से ज्यादा लोग मौजूद थे। बालाघाट में लामटा मार्ग पर एक पेड़ सड़क के बीचोंबीच गिर गया। यहां सुबह 10 बजे से रास्ता बंद है। प्रशासन रास्ता खुलवाने का प्रयास कर रहा है।

रविशंकर महाराज रावतपुरा सरकार पर सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

रायपुर। सीबीआई ने रावतपुरा सरकार मेडिकल कॉलेज के अध्यक्ष रवि शंकर महाराज के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। कॉलेज की सीटें बढ़ाने और मान्यता के लिए रिश्वत देने के आरोप में यह मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश सहित सात राज्यों के 36 डॉक्टरों को भी आरोपी बनाया गया है। रिश्वतखोरी के इस सिंडिकेट में तीन दर्जन लोगों की भूमिका सनलिप्त पाई गई है। सीबीआई 6 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। न्यायालय से रिमांड लेकर उनसे पूछताछ कर रही है। संत रवि शंकर महाराज को रावतपुरा सरकार के नाम से जाना जाता है। बुंदेलखंड के प्रसिद्ध संत हैं। उनके भक्त देश भर के कई राज्यों में फैले हुए हैं। रावतपुरा सरकार लोक कल्याण ट्रस्ट के अंतर्गत, दर्जनों संस्थाएं संचालित की जा रही हैं। सीबीआई को जांच के दौरान कई दस्तावेजी सबूत प्राप्त हुए हैं। डिजिटल साक्ष्य भी सीबीआई ने एकत्रित किए हैं। रावतपुरा सरकार की सीधी भूमिका होने के कारण उनके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है 30 जून को नया रायपुर स्थित रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर पर सीबीआई की टीम पहुंची थी। सीबीआई ने जिन लोगों को आरोपी बनाया है। उनमें रवि शंकर महाराज अध्यक्ष, अतुल तिवारी निदेशक, डॉ अतुल कुंडू, लक्ष्मी नारायण चंद्राकर, संजय शुक्ला, इंस्पेक्शन टीम के सदस्य डॉक्टर मंजप्पा, डॉक्टर चित्रा,डॉक्टर सतीश, डॉक्टर रजनी रेड्डी, और डॉक्टर अशोक शैलके,डॉक्टर जीतूलाल मीणा, नेशनल हेल्थ अथॉरिटी के संयुक्त संचालक पीयूष मलयाण नेशनल ऑफिसर स्वास्थ्य मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी पूनम मीना, धर्मवीर, अनूप जायसवाल, राहुल श्रीवास्तव, चंदन कुमार,दीपक कुमार, मनीषा कुमारी, मयूर रावत रजिस्टार गीतांजलि यूनिवर्सिटी उदयपुर तथा रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च रायपुर को आरोपी बनाया गया है। देश में इस तरह की यह पहली कार्रवाई है। जिसमें स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी और डॉक्टर भी आरोपी बनाए गए हैं।

मुंबई उपभोक्ता फोरम ने दुकानदार और बिस्किट कंपनी को लगाई फटकार

लार्वा मिलने पर 1 लाख 75 हजार रुपए का जुर्माना

मुंबई। बिस्किट के टिन में लार्वा मिलने से एक नामचीन बिस्किट कंपनी और दुकानदार को भारी नुकसान हुआ है। इस मामले में शिकायतकर्ता के पक्ष में फैसला सुनाते हुए मुंबई उपभोक्ता फोरम ने बिस्किट कंपनी और विक्रेता को शिकायतकर्ता को 1.5 लाख रुपए मुआवजा और केस खर्च के तौर पर 25 हजार रुपए देने का निर्देश दिया है।

* क्या है मामला ?

2019 में शिकायतकर्ता महिला ने चर्चगेट इलाके से एक बिस्किट का टिन खरीदा था। उसमें रखे बिस्किट खाने के बाद उसे उल्टी होने लगी। इस घटना के बाद उसने बिस्किट के टिन की जांच महानगरपालिका की प्रयोगशाला में कराई। इस दौरान बिस्किट में लार्वा होने की बात सामने आई। महिला ने फरवरी 2019 में संबंधित बिस्किट कंपनी और संबंधित दुकानदार को कानूनी नोटिस भेजकर जवाब मांगा। लेकिन बिस्किट कंपनी और दुकानदार द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिए जाने पर महिला ने उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया।

* कंपनी और विक्रेता ने आरोपों से किया इनकार

उपभोक्ता फोरम की सुनवाई में मशहूर बिस्किट कंपनी और दुकानदार ने सभी आरोपों से इनकार किया। बिस्किट कंपनी ने दावा किया, हम अपने सभी उत्पादों के निर्माण में सुरक्षा के अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करते हैं। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में बिस्किट का कवर या उत्पाद संख्या नहीं दी है। इसके अलावा हमें ऐसी कोई अन्य शिकायत नहीं मिली है। इसलिए इस आरोप में कोई सच्चाई नहीं है। दुकानदार ने भी दावा किया, मैं कंपनी का केवल सीलबंद उत्पाद ही बेचता हूं।

किसी की विचारधारा पसंद नहीं आने पर उसे नक्सली कहने का चलन बढ़ा

-शरद पवार ने शिवसेना की एमएलसी मनीषा की टिप्पणी का दिया जवाब

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा है कि अगर किसी का काम या विचारधारा पसंद नहीं आए तो उसे नक्सल करार देने का चलन बढ़ गया है। पवार ने शिवसेना की विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) मनीषा कायंदे की टिप्पणी पर यह बात कही। बता दें मनीषा कायंदे ने बुधवार को विधान परिषद में दावा किया था कि अर्बन नक्सलियों ने वारी वार्षिक तीर्थयात्रा) में घुसपैठ की है और वे वारकरियों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

पवार ने कहा कि मुझे इस बारे में पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन जिन दो संगठनों के नाम मीडिया के जरिए सामने आए हैं, उनमें से एक है लोकायत। मैंने लोकायत का काम देखा है। पवार ने कहा कि इस संगठन का दृष्टिकोण आधुनिक है और पिछले कई सालों से रूढ़िवादिता के खिलाफ काम कर रहा है। वे नक्सली नहीं हैं। अगर किसी का काम या विचारधारा स्वीकार नहीं है तो उसे नक्सली करार देने का चलन बढ़ रहा है।

एनसीपी प्रमुख पवार ने कहा कि पुणे में एल्गार परिषद और कोरेगांव भीमा में जाति हिंसा के बाद माओवादियों के साथ संबंध रखने के आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया था। उन्होंने दावा किया कि यहां भी यही हो सकता है आज, राज्य सरकार उन विचारधाराओं के लिए लोगों को नक्सली करार दे रही है, जो उसे स्वीकार नहीं।

पवार ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी, शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) द्वारा 5 जुलाई यानी शनिवार को आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम में हिस्सा लेगी जिसमें तीन नीति के मुद्दे पर जीत का जश्न मनाया जाएगा।

शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित करने से हाईकोर्ट का इंकार, हिंदू पक्ष को झटका

अब 2 अगस्त, 2025 को अगली सुनवाई होगी

प्रयागराज। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद के मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। हिंदू पक्ष की अर्जी को हाईकोर्ट ने खारिज किया है। कोर्ट ने मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित करने की मांग वाली याचिका नामंजूर कर दी है। कोर्ट के फैसले को हिंदू पक्ष के लिए एक झटके के तौर पर देखा जा रहा है।

बता दें कि जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा की सिंगल बेंच मामले की सुनवाई कर रही थी। फिलहाल, उनकी ओर से सुनवाई की अगली तारीख दी गई है। अब 2 अगस्त, 2025 को अगली सुनवाई होगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि मौजूद तथ्यों और याचिका के आधार पर मथुरा की शाही ईदगाह को फिलहाल विवादित ढांचा घोषित नहीं कर सकते हैं। जबकि, हिंदू पक्ष की ओर से दावा किया गया था कि ईदगाह का निर्माण श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर स्थित अति प्राचीन मंदिर को तोड़कर हुआ था। फिलहाल, सबकी निगाहें अगली सुनवाई पर टिकी हैं।

मामले में हिंदू पक्ष के वकील महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि हाईकोर्ट में 5 मार्च 2025 को मथुरा स्थित शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित करने की मांग करते हुए याचिका दायर की गई थी। इस पर

23 मई को कोर्ट में बहस पूरी हो गई थी और कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था, जो शुक्रवार को सुनाया गया।

हिंदू पक्षकार के मुताबिक, हमारे द्वारा हाई कोर्ट के समक्ष कहा था कि वहां पहले मंदिर था। वहां पर मस्जिद होने का कोई साक्ष्य आज तक शाही ईदगाह मस्जिद पक्ष कोर्ट में पेश नहीं कर सका है। इसके बाद इस मस्जिद क्यों कहा जाए, विवादित ढांचा घोषित करें। जैसे कोर्ट ने अयोध्या मामले में अपना निर्णय देने से पहले बाबरी मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित किया था, ठीक उसी तरह शाही ईदगाह मस्जिद को भी विवादित ढांचा घोषित करना चाहिए।

गौरतलब है कि पूरा विवाद मथुरा के कटरा केशव देव क्षेत्र की 13.37 एकड़ जमीन पर है, जिसमें मंदिर और मस्जिद दोनों बनी हैं। जानकारी के मुताबिक, कुल जमीन में 11 एकड़ जमीन पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि है, जबकि बाकी जमीन पर ईदगाह होने का दावा है। हिंदू पक्ष पूरी जमीन को श्रीकृष्ण जन्मभूमि बताता है, जबकि मुस्लिम पक्ष इससे इंकार करता है। हिंदू पक्ष के अनुसार, 1670 में औरंगजेब ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर बने मंदिर को तोड़कर शाही ईदगाह मस्जिद बनवाई थी। वहीं, मुस्लिम पक्ष इस दावे को खारिज करता रहा है।

ईडी केस पर कोर्ट में सोनिया गांधी की ओर से बोले अभिषेक मनु सिंघवी

एजीएल को कर्जमुक्त करने के लिए उठाया गया कदम

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने शुक्रवार को अदालत में दलील दी कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का यह मामला वास्तव में बेहद अजीब और अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा, यह मामला सिर्फ अजीब नहीं, बल्कि बहुत ही अनोखा है। यह कथित मनी लॉन्ड्रिंग का मामला है, लेकिन इसमें न कोई संपत्ति है, न संपत्ति का उपयोग या प्रदर्शन।

मामले की सुनवाई के दौरान सिंघवी ने कहा, हर कंपनी को कानून के तहत अपनी देनदारी हटाने की अनुमति होती है। हमने भी वही किया। हमने एजीएल का कर्ज यंग इंडियन को ट्रांसफर किया ताकि एजीएल कर्जमुक्त हो जाए। उन्होंने बताया कि यंग इंडियन एक गैर-लाभकारी कंपनी है। इसका मतलब यह है कि कंपनी लाभ, बोनस, वेतन या लाभांश नहीं बांट सकती। अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि ईडी ने वर्षों तक इस मामले में कुछ नहीं किया और अचानक एक निजी शिकायत के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी।

भारी बारिश से नदी नाले उफान पर

बालाघाट से नैनपुर मार्ग हुआ बंद, बाढ़ के पानी मे फसा ट्रक, पादरीगंज के समीप दंडई नाला(भीमा नाला,) का मामला, काला पानी मार्ग पर पेड़ हुआ धराशाही, तो तीन गढ़ी के नदी नाले में आई बाढ़, प्रशासन अलर्ट, किए जा रहे सुरक्षा के इंतेजाम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। पिछले कुछ दिनों ने बालाघाट सहित अन्य पड़ोसी जिलों में रोजाना भारी बारिश देखी जा रही है। जहां लगातार हो रही बारिश के चलते जिले के कुछ नदी नाले उफान पर है। तो वही अत्यधिक मात्रा में पानी जमा होने के चलते वहां बाढ़ आ गई है। जिसके कारण जगह जगह से आवागमन बाधित हो चुका है। इसी भारी बारिश के चलते एक ओर जहां लामता से परसवाड़ा मार्ग के बीच आने वाले काला पानी मार्ग किनारे एक विशालकाय पेड़ सड़क पर गिर जाने से लामता से परसवाड़ा और परसवाड़ा से लामता मार्ग का आवागमन पूरी तरह से बंद हो चुका है। तो वही इन दोनों ही मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारे देखी जा रही हैं। तो उधर भारी बारिश के चलते बालाघाट से नैनपुर मार्ग भी बंद हो चुका है। जहां पादरीगंज के समीप दंडई नाला(भीमा नाला) भारी बारिश के चलते उफान पर है। जहां नाले में बाढ़ आ जाने के कारण बालाघाट से नैनपुर का संपर्क टूट चुका है तो वही भीमा नाले की इसी बाढ़ में पादरीगंज से नैनपुर की ओर जा रहा एक ट्रक फस गया। हालांकि बाढ़ में फंसे इस ट्रक को दोपहर तक निकाल लिया गया। जिसके चलते किसी प्रकार का जान माल का नुकसान होने की कोई खबर नही हैं। उधर तीन गढ़ी से सकडी मार्ग स्थित नदी नाले में भी बाढ़ आ जाने से उक्त मार्ग का भी आवागमन पूर्ण रूप से बाधित हो चुका है। जिस पर स्थानीय प्रशासन द्वारा कोटवारों को तैनात कर राहत एवं सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे हैं। कुल मिलाकर कहा जाए तो लगातार हो रही यह बारिश अब लोगों के लिए आफत बनती नजर आ रही है।

नदी नालों में बाढ़ आने से बसो का संचालन हुआ बंद

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते 1 जून से 4 जुलाई तक जिले में 206 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है, जो गत वर्ष से 47 मिलीमीटर ज्यादा है। जिसके चलते जिले के नदी-नाले उफान पर है, जिसका असर यातायात पर भी दिखाई दे रहा है।बात अगर नेशनल हाईवे 543 की करे तो यहां, बालाघाट से नैनपुर को जोड़ने वाले मार्ग में पड़ने वाले दंडई नाला(भीमा नाला) उफान पर होने से यह मार्ग बंद हो गया है। जिससे बालाघाट से नैनपुर का सड़क संपर्क पूरी तरह से टूट गया है। वहीं बालाघाट से नैनपुर के बीच चलने वाली बसे, चांगोटोला तक ही जा रही है। इसके अलावा वैनगंगा नदी में जलस्तर बढ़ने से परसवाड़ा क्षेत्र के तीनगढ़ी से सकरी के बीच बहने वाली, इस नदी पर बने पुल में पानी ज्यादा होने से, इस मार्ग पर भी आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया है। जिसे देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जहां स्थानीय पुलिस और कोटवारों की मदद से राहत एवं सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे हैं

हमने बसों का संचालन बंद कर दिया है- श्याम कौशल

नदी नालों में आई बाढ़ से बिगड़े हालातो को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान जिला बस आपरेटर एसोसिएशन सचिव एंव बस संचालक श्याम कौशल ने बताया कि बालाघाट-नैनपुर मार्ग और बालाघाट से केवलारी मार्ग पर उगली से बालाघाट के बीच संगम नदी में तेज बहाव के कारण पुल से पानी बह रहा है, जिसके कारण, इन मार्गो पर अभी बसों का संचालन बंद कर दिया गया है। नदी नालों में बाढ़ होने की स्थिति में उक्त जगह से बसों का संचालन करने में कोई हादसा हो सकता है, इसलिए बसों का आवागमन रोक दिया गया है।अब जब तक हालात सामान्य नहीं होते तब तक इन जगहों से बसे नहीं चलाई जाएंगी।

ग्राम कोटवारों की ली जा रही मदद- एसडीएम

वही इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बालाघाट अनुविभागीय अधिकारी गोपाल सोनी ने बताया कि बालाघाट-नैनपुर मार्ग में दंडई नाला(भीमा नाला) उफान में होने के कारण मार्ग बंद हो गया है। साथ ही तीनगढ़ी से सकरी पुल पर वैनगंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से पुल से पानी बहने की स्थिति में मार्ग को अभी आवागमन के लिए बंद कर दिया गया है। दोनो ही जगहो पर, बहते पानी से आवागमन ना हो, इसे देखते हुए ग्राम कोटवार को मौके में भेजा गया है।प्रशासन हालातो पे नजर बनाए हुए है।

सिवनी जिले में हुई झमाझम बारिश के बाद बालाघाट वैनगंगा नदी का बढ़ा जलस्तर, रेंगाटोला से बालाघाट मार्ग हुआ बंद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़) ।बालाघाट सहित सिवनी जिले में हुई झमाझम बारिश के बाद बालाघाट वैनगंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। वैनगंगा नदी के जलस्तर बढ़ने से बालाघाट से रेंगाटोला मार्ग भी बंद हो गया है। देर शाम इस बढ़े जलस्तर को देखने के लिये वैनगंगा नदी के बड़े पुल पर आम जनों की भीड़ दिखाई दी , सभी यहां वैनगंगा नदी के बढ़े जलस्तर को देख रहे थे और इस पूरे मंजर को अपने मोबाइल में कैद कर रहे थे। आपको बता दे की सिवनी जिले में हुई छमाछम बारिश के बाद बालाघाट वैनगंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। अभी बीते दिनों मौसम विभाग द्वारा भी भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया था। जिसमें बालाघाट में

भी रुक-रुक कर रिमझिम बारिश हुई, लेकिन बताया जा रहा है कि सिवनी सहित आसपास के क्षेत्र में झमाझम बारिश हुई ।इसके बाद वहां के नदी, नाले उफान पर आ गए और उन सभी का पानी से बालाघाट वैनगंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। बढ़े हुए जलस्तर को देखने 4 जुलाई की देर शाम वैनगंगा नदी के बड़े पुल पर आम जन का जमावड़ा लग गया और सभी इस वैनगंगा नदी के जलस्तर को देखने आने लगे और सभी ने इस पूरे बढ़े हुए जलस्तर को अपने मोबाइल में कैद किया। वही बताया यह भी जा रहा है कि वैनगंगा नदी के जलस्तर बढ़ने से आसपास के निचले क्षेत्रों में भी नदी नाले, ऊफान पर आ गए हैं और जिला मुख्यालय से जुड़ने वाले क्षेत्र के संपर्क अब धीरे-धीरे बढे जलस्तर के कारण टूटने लगा है। जिसमें देर शाम बालाघाट से रेंगाटोला मार्ग का भी संपर्क टूट गया हैं ।

गर्रा में खड़ा ट्रक चोरी मामले की जांच मे जुटी कोतवाली पुलिस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम गर्रा से एक 14 चका ट्रक चोरी हो गया जिसकी कीमत 20 लाख रुपए बताई गई है। कोतवाली पुलिस ने रियाज अली पिता नजफ अली 58 वर्ष वार्ड नंबर 10 रजा नगर बालाघाट निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध चोरी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रियाज अली वार्ड नंबर 10 रजा नगर बालाघाट निवासी सीआरपीएफ से सेवानिवृत्त कर्मचारी है। जिन्होंने सेवानिवृत्ति में मिले रूपयो से अपने बेटे फराज अली के नाम से टाटा कंपनी का 14 चका ट्रक एम एच 35 ए जे 0297 खरीदे थे। 30 जून की शाम 7:00 बजे ड्राइवर तौसीफ खान और कंडक्टर ने इस ट्रक को गर्रा में खड़ा कर दिए थे और लाक करके घर चले गए थे। 1 जुलाई को सुबह 10:00 बजे ड्राइवर तौसीफ खान कंडक्टर एवं रियाज अली का बेटा मिराज अली माल भरने के लिए जहां ट्रक खड़ा किए थे वहा पर पहुंचे देखे, वहा पर ट्रक नहीं था। आसपास रहने वाले लोगों एवं दुकानदारों से पता किये,लेकिन किसी ने कोई जानकारी नहीं दी। ट्रक की तलाश पतासाजी किये।गर्रा चौक एवं पुलिस चौकी गर्रा के सामने लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज चेक किये, लेकिन ट्रक कहीं दिखाई नहीं दिया। कोई अज्ञात व्यक्ति ट्रक को चोरी कर ले गया ।जिसकी रिपोर्ट रियाज अली द्वारा कोतवाली बालाघाट में की गई थी। कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर इस ट्रक की तलाश शुरू की है। चोरी गये ट्रक की कीमत 20लाख रुपए बताई गई है।

लामता पुलिस की कार्यवाही : चोर गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

गोदाम से चोरी और मकान से चोरी करने का किया गया था प्रयास, गोदाम से चोरी की गई 70हजार रुपये की धान और चोरी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। लामता पुलिस ने क्षेत्र में सक्रिय चोर गिरोह को गिरफ्तार कर, इस गिरोह से लामता स्थित धान के गोदाम से चोरी की गई 70हजार रुपये की धान और इस चोरी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त की है।सभी सभी चोर लामता एवं आसपास के रहने वाले है। इन चोरों के विरुद्ध लामता के वार्ड नंबर 5 स्थित एक मकान का दरवाजा तोड़कर चोरी करने का प्रयास करने का भी अपराध दर्ज है। इस चोर गिरोह के पांच सदस्यों से अन्य चोरी के मामलों में पूछताछ की जा रही है लामता पुलिस के मुताबिक 1 जुलाई की रात्रि 2 बजे वार्ड नंबर 5 लामता स्थित एक मकान का दरवाजा तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया गया था। रीता पति गुलाब चंदेले 45 वर्ष वार्ड नंबर 5 ग्राम लामता निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 331(4),62 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया था। इसी प्रकार एक 1एवं 2 जुलाई की दरमियानी लामता स्थित एक गोदाम में रखी 70 हजार रुपये की धान चोरी हो गई थी। प्रभु दयाल पिता मन्नू लाल असाटी 80 वर्ष वार्ड नंबर 8 लामता निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 331(4), 305 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में टीम का गठन किया गया और जांच पड़ताल शुरू की गई थी। इस दौरान उक्त चोर गिरोह को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई तब उन्होंने गोदाम से धान चोरी करना स्वीकार किया जिनकी

निशानदेही पर गोदाम से चोरी की गई धान जप्त की गई। जिसकी कीमत 70हजार रुपए बताई गई है और इस चोरी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जप्त की गई है। वहीं वार्ड नंबर 5 लामता स्थित मकान का दरवाजा तोड़कर चोरी करने का प्रयास इसी गिरोह द्वारा किया गया था। जिन्होंने पूछताछ में कबूल किये। इस मामले में भी चोर गिरोह के 5 सदस्य जिनमे शिवप्रसाद उर्फ शिवा पिता मानिक राम सोनवाने 25 वर्ष वार्ड नंबर 16 लामता, चंद्रभान उर्फ चंदू पिता गुलाब धुपे 18 वर्ष वार्ड नंबर 16 लामता, राहुल पिता सुखदेव पन्द्रे 20 वर्ष वार्ड नंबर 15 घुसीटोला ग्राम भोंडवा थाना लामता, राहुलि पिता श्यामलाल चिचाम 21 वर्ष वार्ड नंबर 15 लामता और सुमित पिता मानिक राम उइके 18 वर्ष वार्ड नंबर 6 लामता निवासी को गिरफ्तार किया गया है। इन चोरों से अन्य आपराधिक प्रकरणों में चोरी गए माल के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस चोर गिरोह को गिरफ्तार करने में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में उप निरीक्षक नागेंद्र पटेल, सहायक उप निरीक्षक बखतसिंह परते, आरक्षक वीरेंद्र लोधी, आरक्षक राहुल गुर्जर, आरक्षक भानु देव शर्मा, आरक्षक देवेंद्र पन्द्राम, आरक्षक हरिहर द्विवेदी, आरक्षक सियाराम उइके, आरक्षक केशव साहू, और आरक्षक दिनेश जंघेला की सराहनीय भूमिका रही।

कार्यालय ग्राम पंचायत मदनपुर जनपद पंचायत वारासिवनी

क्रं/८५/ग्रा.पं./क्यू/२०२५-२६ मदनपुर दिनांक-४/७/२०२५

संक्षिप्त निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है म.प्र.पंचायत १९९३ की धारा ९५ की उपधारा ३ के तहत सामग्री तथा माल क्रय नियम में प्रदत्त में वर्ष २०२५-२६ में विधायक निधि, सांसद निधि,सभामंच, डीपीआर रोड़, ग्रेवल सड़क,सीसी नाली, पुलिया निर्माण, मनरेगा, स्वच्छ भारत अभियान, १५ वॉ वित्त सहित अन्य योजनाओं के मिटटी, मुरूमीकरण कार्य के लिये सीमेंट, गिटटी २० एम एम, ४० एमएम, लोहा ८,१०,१२,१६ एमएम, रेत, ईंट,वाईबेटर मिक्सर मशीन, सेंट्रिंग, थर्माकोल, पन्नी, मुरूम, ढुलाई आदि खरीदी व किरायें पर लेने के लिये निविदा / कोटेशन दिनांक १० जूलाई २०२५ तक मुहरबंद लिफाफे में कार्यालय समय में कार्यालय ग्राम पंचायत मदनपुर में आमंत्रित किये जाते है। अधिक जानकारी के लिये कार्यालय समय में कार्यालय ग्राम पंचायत मदनपुर से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। प्रदायकर्ता ठेकेदार का पंजीयन होना आवश्यक है। सामग्री प्राक्कलन में दर्ज मात्रा एवं कार्य में लगने वाली सामग्री के आधार पर क्रय एवं परिवहन होगा।

विनीत:: श्रीमती प्रीति सुनिल झिल्पे सरपंच, ओमकार पारधी सचिव, मनोज गजवीर रोजगार सहायक एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत मदनपुर जनपद पंचायत वारासिवनी

संजय धुर्वे को बनाए गए म.प्र. आदिवासी विकास परिषद बालाघाट छात्र प्रभाग के अध्यक्ष

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। विधायक उमंग सिंघार, नेता प्रतिपक्ष- म.प्र. विधान सभा, पूर्व केबिनेट मंत्री (म.प्र. शासन) व प्रदेश अध्यक्ष- म.प्र. आदिवासी विकास परिषद के निर्देश पर अधिवक्ता नीरज वारिवा प्रदेश अध्यक्ष (छात्र प्रभाग) म.प्र. आदिवासी विकास परिषद ने बालाघाट जिले की छात्र

प्रभाग की कमान संजय धुर्वे को सौपते हुए उन्हें जिलाध्यक्ष बनाया है।संजय धुर्वे के जिलाध्यक्ष बनने पर बालाघाट जिले के छात्रों एवं सामाजिक व राजनीतिक लोगो ने उनके कुशल कार्यो की सराहना करते हुए उज्वल भविष्य की कामनाएं की है।बताया गया की संजय धुर्वे बहुत ही ओजस्वी, कुशल नेतृत्व के धनी है तथा उनका व्यक्तित्व मिलनसार है उन्होंने अपने स्कूल से लेकर कॉलेज तक शिक्षा में भी अव्वल रहे व वर्तमान में शिक्षा सलाहकार भी है।संजय धुर्वे को जिलाध्यक्ष का पद मिलने पर बिरसा ब्रिगेड बालाघाट के जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र इनवाती, म.प्र. आदिवासी विकास परिषद के जिलाध्यक्ष दिनेश धुर्वे, मोहन मरकाम (जीएसयू राष्ट्रीय संचालक),मनीष राहंगडाले(एनईवाययू जिलाध्यक्ष बालाघाट), कुलदीप कुमरे,ललित उइके, सतीश नगपुरे, नरेंद्र भलावी, सुषमा अर्मो, निधी टेकाम, भगत पन्द्रे, नंदकिशोर वलाड़ी, पुष्पेंद्र कटरे, राजेश तुरकर, अनिता पन्द्रे, रोशनी धुर्वे, अजित भवतेकर, विजय बोरकर व अन्य साथियों व छात्र-छात्राओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी है।

राष्ट्रीय शिक्षक मंच मप्र के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बने बिंझाड़े

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)।राष्ट्रीय शिक्षक मंच मध्य प्रदेश के अध्यक्ष गोपाल लाल सुथार ने संगठन का विस्तार करते हुए बीआरसी कार्यालय कटंगी शिक्षक एवं संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष अर्जुन बिंझाड़े को कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। जिनका नियुक्ति पत्र भी जारी कर दिया गया है। बताया गया कि आगामी आदेश तक अर्जुन बिंझाड़े राष्ट्रीय शिक्षक मंच मध्य प्रदेश के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष का भार संभालेंगे। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल लाल सुथार ने नियुक्ति पत्र जारी करते हुए पत्रमें उल्लेखित किया कि राष्ट्रीय शिक्षक मंच भारत प्रदेश शाखा मध्यप्रदेश का विकेंद्रीकृत विस्तार करते हुए, राष्ट्रीय नेतृत्व कि सहमति से प्रदेश कोर कमेटी द्वारा बीआरसी कार्यालय कटंगी शिक्षक एवं राष्ट्रीय शिक्षक मंच मध्य प्रदेश के उपाध्यक्ष अर्जुन बिंझाड़े को राष्ट्रीय शिक्षक मंच मध्य प्रदेश का कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया जाता है।आशा है बिंझाड़े मंच संविधान के तहत अपने पदीय दायित्व का पूर्ण निष्ठा एवं पारदर्शिता पूर्वक निर्वहन करते हुए राष्ट्र भाव के साथ शीर्ष नेतृत्व कि सहमति से मंच के राज्यव्यापी विकेंद्रीकरण एवं सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभाते हुए शिक्षक संवर्ग हितार्थ सदैव प्रयासरत रहेंगे। श्री बिंझाड़े को संगठन का कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर उनके सहपाठी शिक्षकों ,संगठन से जुड़े शिक्षक शिक्षिकाओं सहित राष्ट्रीय शिक्षक मंच मध्यप्रदेश द्वारा उनके उज्वल भविष्यार्थ की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाईयां प्रेषित की है।

गोंदिया से खाटू श्याम भक्तों ने निकाली पैदल यात्रा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। गोंदिया से खाटू श्याम के भक्तों ने एक यात्रा निकाली है। जो पैदल यात्रा करते हुए राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर जाएंगे । 4 जुलाई को बालाघाट पहुंची यह यात्रा, बालाघाट में खाटू श्याम भक्तों ने इस यात्रा का स्वागत किया ,यह यात्रा बालाघाट से

वारासिवनी ,लालबर्रा होते हुए सिवनी पहुंचेगी ,इसके बाद यह राजस्थान के रास्ते खाटू श्याम पहुंचेगी , जिसमें गोंदिया से लगभग 9 से 10 भक्तों ने आमजन के कल्याण के लिए इस यात्रा को निकाले हैं और विश्व शांति ही इस यात्रा का उद्देश्य है।

आवश्यकता है

होटल में अनुभवी कर्मचारियों की वेतन 4 अंकों में

-संपर्क करें-

होटल सिटी प्राईड बैंक ऑफ महाराष्ट्र के बाजु में मेन रोड बालाघाट

मो. 9827116521

मकान अर्जेंट बेचना है

वार्ड न. 15 डॉक्टर शिवपवार के पास गौली मोहल्ला बालाघाट में स्थित लगभग 20 X 86 में निर्मित दो मंजिला मकान अर्जेंट बेचना है।

- संपर्क -

9425157268

9407888854

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

जनपद पंचायत सभापति भुवनेश्वर रजक पर एफआईआर दर्ज

सचिव संगठन की शिकायत पर भरवेली पुलिस ने की कार्यवाही, सभापति भुवनेश्वर रजक ने एसपी कार्यालय में सौपा ज्ञापन, लगाए गए आरोपो को बताया झूठा व बे-बुनियाद, कहां पहले मामले की जांच करें, फिर करें कार्यवाही, भरवेली पुलिस की कार्यवाही पर भी जताई नाराजगी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। ग्राम पंचायत सचिव संगठन ने जनपद पंचायत सभापति भुवनेश्वर रजक पर ग्राम कोचेवाड़ा सचिव चैनलाल वाड़ीवा के साथ गाली गलौज कर अभद्र व्यवहार किए जाने और बिना काम के ही 1 लाख 15 हजार रु का फर्जी बिल लगवाने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया था।जहां फर्जी बिल न लगाने पर सचिव के साथ गाली-गलौज करने,जाती सूचक शब्दो का प्रयोग करने पर उन्होंने सभापति भुवनेश्वर रजक के खिलाफ थाना भरवेली ,एसपी कार्यालय, जनपद और जिला पंचायत में मामले की शिकायत करके सभापति भुवनेश्वर रजक के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की थी।जिस पर वैधानिक कार्यवाही के लिए सचिव संगठन ने प्रशासन को 03 दिनों की मोहलत दी थी।जिन्होंने 03दिनों के भीतर सभापति पर कोई वैधानिक कार्यवाही न होने पर पंचायत के कार्य बंद कर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी थी। सचिव संगठन से मिली इस शिकायत के आधार पर भरवेली पुलिस ने जनपद पंचायत निर्माण शाखा सभापति भुवनेश्वर रजक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। वही भरवेली पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।उधर इसी मामले को लेकर जनपद पंचायत निर्माण शाखा सभापति भुवनेश्वर रजक ने सरपँच सहित अन्य साथियों के साथ शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है। जहां सौपे गए ज्ञापन में उन्होंने उनपर लगाए गए सभी आरोपो को झूठा व बे-बुनियाद बताते हुए इसे राजनीतिक साजिश करार दिया है। तो वहीं उन्होंने बिना जांच के ही मामला दर्ज करने पर भरवेली पुलिस की कार्य प्रणाली पर भी एतराज जताते हुए पहले मामले की निष्पक्ष जांच करने, जांच में गलती पाए जाने पर ही कार्यवाही किए जाने की बात कही है।जिन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यदि

जांच में दोषी पाए जाते हैं तो फिर वे किसी भी प्रकार की कार्यवाही के लिए तैयार हैं।

सभी आरोप झूठे व बेबुनियाद है

जनपद पंचायत सभापति भुवनेश्वर रजक ने बताया कि ग्राम पंचायत मौरिया की सरपंच श्यामकला इंदुलकर ने पंचायत सचिव पर बिलिंग में अनियमितता की शिकायत की थी। सरपंच के अनुरोध पर जनपद सदस्य के रूप में शिकायत को लेकर दूरभाष पर चर्चा की थी।सचिव ने ही उन्हें बातचीत के लिए बुलाया था। जहां सचिव के द्वारा कराए गए कार्यों के बिलों को लेकर चर्चा हुई। इसी दौरान सचिव ने विवादित प्रतिक्रिया दी और भुगतान से इनकार कर दिया। इस पूरी प्रक्रिया में उन्होंने किसी प्रकार की जातिगत टिप्पणी नहीं की, न ही किसी तरह का गलत व्यवहार किया।

मुझे राजनीतिक षड्यंत्र के तहत फसाया जा रहा है

रजक का आरोप है कि पंचायत सचिव द्वारा अपने ऊपर लग रही अनियमितताओं की जांच से बचने और ध्यान भटकाने के लिए झूठा मामला दर्ज कराया गया है, जिसमें जाति के मुद्दे को हथियार बनाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस द्वारा बिना किसी प्राथमिक जांच के एफआईआर दर्ज करना न्यायसंगत नहीं है। इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और केवल तथ्यों के आधार पर ही कानूनी कार्यवाही की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी जनप्रतिनिधि के खिलाफ झूठे और राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित मामलों में जल्दबाजी में कार्रवाई न हो। शिकायत करने के तुरंत बाद बिना जांच पड़ताल के ही पुलिस ने मुझ पर मामला दर्ज कर लिया है पहले मामले की जांच करना था यदि सत्य पाया जाता तो फिर एफ.आइ.आर दर्ज करना था लेकिन ऐसा नहीं किया गया। ऐसा लगता है कि मुझे राजनीतिक षड्यंत्र के तहत फसाया जा रहा है जिसकी निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए।

पेट्रोल पंपो का निरीक्षण कर देखी जा रही वस्तुस्थिति

प्रशासनिक अधिकारियों ने किया काली पुतली चौक स्थित पेट्रोल पंप का निरीक्षण, गुणवत्ता, माप और सुविधाओं की हुई जांच

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। जिला रतलाम में हुई घटना के बाद खाद्य मंत्री द्वारा जारी किए गए आदेशों पर अमल करते हुए प्रशासनिक आमले की कार्यवाही शुक्रवार को भी जारी रही। जहां प्रशासनिक अमले ने नगर के काली पुतली चौक स्थित पेट्रोल पंप पर पहुंचकर पेट्रोल डीजल की

गुणवत्ता और ग्राहकों को मिलने वाली सुविधाओं की जांच पड़ताल की। तो वही पेट्रोल पंप संचालन को लेकर आवश्यक सुझाव भी दिए। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने ईंधन की गुणवत्ता, मात्रा, माप यंत्रों की सटीकता सहित ग्राहकों को दी जाने वाली सुविधाओं की भी गहनता से जांच की।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पेट्रोल-डीजल के सैंपल लिए और मशीनों की कैलिब्रेशन (माप सटीकता) की जांच की। पंप पर माप में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो, इसके लिए डिस्पेंसिंग यूनिट की तकनीकी जांच की गई। टीम ने यह भी सुनिश्चित किया कि पंप पर ग्राहकों को तय मात्रा में ही ईंधन दिया जा रहा है या नहीं।

ग्राहकों को दी जा रही सुविधाओं की भी समीक्षा

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ग्राहकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया, जिसमे उन्होंने पीने के पानी की व्यवस्था,स्वच्छ शौचालय की उपलब्धता, वेटिंग एरिया की स्थिति, डिजिटल भुगतान सुविधा, ग्राहक शिकायत रजिस्टर की उपलब्धता, हवा भरने की व्यवस्था, मेडिकल किट आदि की जानकारी एकत्र की।बताया गया कि कई बिंदुओं पर सुविधाएं सीमित पाई गईं, जिस पर टीम ने पंप संचालक को आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए।

कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

जांच टीम ने स्पष्ट किया कि यदि माप या गुणवत्ता में गड़बड़ी पाई जाती है, या ग्राहक सुविधाओं में लापरवाही होती है, तो संबंधित पंप के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पेट्रोल और डीजल के लिए गए सैंपलों को प्रयोगशाला भेजा गया है, जिनकी रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आगे भी पेट्रोल पंपों पर औचक निरीक्षण जारी रहेंगे ताकि उपभोक्ताओं को तय मानकों के अनुसार सेवा मिलती रहे। वहीं उन्होंने अन्य पेट्रोल पंपों पर भी यह जांच जारी रहने की बात कही है।

अज्ञात कारणों के चलते हॉलटिंग पर खड़ी बस में लगी भीषण आग

आगजनी से बस जलकर खाक, परसवाड़ा के चनई ग्राम का मामला, कोई शार्ट सर्किट तो कोई, विघुत तार टूटना बता रहा वजह

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। परसवाड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम चनई में बीती रात उस वक्त हड़कंप मच गया।जब अज्ञात कारणों के चलते हाल्टिंग पर खड़ी एक यात्री बस में भीषण आग लग गई।जहा इस आग से हॉलटिंग पर खड़ी बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। बताया जा रहा है कि यह आग इतनी भीषण थी की स्थानीय लोग उस आग पर काबू नही पा सके और देखते ही देखते बस से धुंआ निकालने लगा और कुछ देर में ही पूरी बस में आग लग गई।इस भीषण आग से बस जलकर खाक हो गई। गनीमत यह रही कि बालाघाट से परसवाड़ा मार्ग पर संचालित होने वाली इस यात्री बस में घटना के वक्त कोई भी कर्मचारी या यात्री सवार नहीं था। जहां बस हॉलटिंग कर बस चालक अपने घर चला गया था। जो सुबह बस लेकर बालाघाट नंबर पर आने वाला था। इससे पहले ही रात्रि करीब 11 बजे के आसपास हाल्टिंग में खड़ी बस से विस्फोट कीआवाज आई। जिससे निकली चिंगारी से बस में भीषण आग लग गई और बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई।उधर रात्रि में हुई इस आगजनी घटना की बस चालक व मालक द्वारा सूचना परसवाड़ा पुलिस को दी गई।जहां आगजनी की सूचना मिलते ही शुक्रवार सुबहा मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर मामले को जांच में लिया है।हालांकि बस में यह आग कैसे लगी फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है और

लोग इस आगजनी को लेकर अलग-अलग तर्क दे रहे हैं। कोई बस के ऊपर से गुजरने वाले विद्युत तार के टूटकर गिरने से बस में आग लगना बता रहा है। तो कोई बस में हुए शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात कह रहा है। बरहाल पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

बैटरी में जोरदार विस्फोट की बात कह रहे ग्रामीण

बताया जा रहा है की महाकाल बस सर्विस की एक सवारी बस रात्रि में बालाघाट से अपने गन्तव्य ग्राम चनई पहुँची थी।उस बस को सड़क के किनारे खड़ी कर ड्राइवर, कंडक्टर आराम करने अपने घर चले गए थे। जिसके बाद तकरीबन 11 बजे रात्रि में अचानक बस धू धू कर जलने लगी। ग्रामीणों के अनुसार बस में आग लगने के बाद बैटरी में जोरदार विस्फोट हुआ था। जिसकी आवाज सुनने के बाद लोग दौड़े, इससे पहले की लोगं कुछ समझ पाते, या फिर कुछ कर पाते तब तक पूरी बस आग का गोला बन चुकी थी। गनीमत रही कि बस में कोई कर्मचारी सोया नही था, अन्यथा बस संचालक को भारी जान माल का नुकसान उठाना पड़ सकता था।

विघुत तार टूटकर बस में गिरने की भी कही जा रही बात

अपने गंतव्य पर पहुचकर हॉलटिंग पर खड़ी बस में किस कारण आग लगी है।फिलहाल यह स्पष्ठ नही हो पाया है।ग्रामीणों के अनुसार जिस जगह पर बस खड़ी थी उसी जगह पर बिजली का तार टूटा हुआ पाया गया है। कयास लगाए जा रहे कि बिजली तार बस पर आकर गिरा होंगा। जिसकी चिंगारी के कारण बस में आग लग गई होगी। किन्तु इस मामले पर बिजली विभाग का कहना है कि गांव के अंदर एल टी कनेक्शन है, जिससे बस में आग लग पाना सम्भव नही है, चूंकि बस के चारों टायर सेफ हैं। अगर बिजली के तारों से आग फैलती तो बस के टायर फट गए होते, वैसे भी एल टी लाइन में इस तरह से आगजनी सम्भव नही है।

फिलहाल आगजनी का कारण अज्ञात

अपने गंतव्य पर पहुँच कर खड़ी निजी ट्रेवल्स की बस अचानक धधक उठी।बताया कि स्थानीय लोगो द्वारा धू धू कर जलती यात्री बस को बुझाने का प्रयास किया गया लेकिन तब तक वह आग का गोला बन चुकी थी।जिसके चलते बस में लगी आग पर काबू नही पाया जा सका। उधर कुछ लोग विद्युत तार टूटने से बस में आग लगने की बात कह रहे हैं। तो कुछ लोग बस में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से आग लगने की बात कह रहे हैं। फिलहाल आगजनी का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। उधर बिजली विभाग का कहना है कि आगजनी का कारण कुछ और हो सकता है। बहरहाल आग बिजली के तारों से फैली या फिर और भी कोई कारण है, स्पष्ट नही हो पाया है। जिसकी जांच परसवाड़ा पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है।

करोड़ों रुपए की संपत्ति और व्यवसाय छोड़कर गणेश इंटरप्राइजेज के मालिक शशांक पटले ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पौनी में संचालित गणेश इंटरप्राइजेज के मालिक शशांक पटले 26 वर्ष ने करोड़ों रुपए की संपत्ति और व्यवसाय को छोड़कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 3 जुलाई की रात्रि 8ः00 बजे शशांक पटले को उसके कमरे के अंदर पंखे में फांसी पर लटके हुये उसकी नानी कमल चौहान ने देखी। शशांक पटले के निधन होने की खबर फैलते ही इस क्षेत्र में सनसनी फैल गई और लोंगो का हुजूम उनके घर मे लग गया। सूचना मिलते ही मलाजखंड पुलिस ने ग्राम पौनी पहुंचकर मौके की कार्रवाई की। 4 जुलाई को मलाजखंड पुलिस ने शशांक पटले का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये। इस युवक ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। मलाजखंड पुलिस द्वारा इस मामले को गम्भीरता से लेकर जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पोनी निवासी शशांक पतले 26 वर्ष अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था जिसकी एक बहन है उसकी शादी हो चुकी है। शशांक पटले के पिता गणेश पटले की 3 वर्ष पहले सड़क दुर्घटना में निधन हो चुका है। शशांक पटले अपनी मां के साथ में ही रहता था। जिनका ग्राम पौनी में ही गणेश इंटरप्राइजेज के नाम से हार्डवेयर की होलसेल दुकान है। इसके अलावा बिरसा में पेट्रोल पंप के अलावा अन्य जगह भी पेट्रोल पम्प थे। कान्हा हेरिटेज के लाज, कान्हा शहनाई मैरिज लान के अलावा शशांक पटले ठेकेदारी भी करते थे। जिसके पास में जेसीबी पोकलैंड डंपर सहित अन्य वाहन भी थे। बताया गया कि 2 जुलाई को शशांक पटले की मां राजस्थान खाटू श्याम जी के दर्शन करने चली गई थी। घर में शशांक पटले और उसकी नानी कमला चौहान ही थे। बताया गया है कि 3 जुलाई को सुबह 10ः30 बजे से 3ः00 बजे तक शशांक पटले अपने गणेश इंटरप्राइजेज हार्डवेयर की दुकान के ऑफिस में थे। इसके बाद शशांक पटले खाना खाने दुकान से लगे घर चले गये थे। बताया गया है कि वेद प्रकाश राहंगडाले ग्राम भालेवाडा लामता निवासी 9 वर्ष से गणेश इंटरप्राइजेज में अकाउंटेंट का काम करते हैं और वे शशांक पटले के घर के पीछे शशांक पटले के ही किराए के मकान में रहते हैं। रात्रि 8ः00 बजे शशांक पटले को उसकी नानी कमला चौहान ने बैडरूम के अंदर पंखे में फांसी पर लटके हुए देखी और उसने वेद प्रकाश राहंगडाले को जाकर बताई। प्रकाश राहंगडाले ने शशांक पटले को उसके बेडरूम में जाकर देखा। शशांक पटले बैडरूम के पंखा में गमछा का फंदा बनाकर फांसी पर लटका हुआ था और उसकी मौत हो चुकी थी। जिसकी रिपोर्ट वेद प्रकाश राहंगडाले ने मलाजखंड पुलिस थाना में की थी। शशांक पटले के द्वारा आत्महत्या करने की खबर मिलते ही इस क्षेत्र में सनसनी फैल गई और लोगों का हुजूम उनके घर में लग गया। सूचना मिलते ही मलाजखंड थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह यादव सहित अन्य पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की और शशांक पटले का शव फांसी से नीचे उतरवा कर सुरक्षित रखवा दिए। 4 जुलाई को शशांक पटले का शव उसकी मां के आने के पश्चात पंचनामा कार्यवाही कर पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिया गया है। शशांक पटले ने करोड रुपए की संपत्ति और व्यवसाय छोड़कर किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। मलाजखंड पुलिस द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। मलाजखंड पुलिस ने शशांक पटले का मोबाइल जप्त कर लिया है। जिससे कुछ खुलासा होने की संभावना है।

मर्ग कायम कर जांच की जा रही है-थाना प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह यादव

मलाजखंड थाना प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह यादव ने पद्मेश न्यूज़ को दूरभाष पर बताये की शशांक पटले ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की स्पष्ट नहीं हो पाया है। मर्ग जांच की जा रही। मर्ग जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगे कार्यवाही की जाएगी।

अंडरपास की मरम्मत करने बालाघाट एसडीएम ने लिखा रेलवे

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। बीते दिनों से हो रही वर्षा के कारण सरेखा रेलवे क्रॉसिंग पर बनाया गया नवनिर्मित अंदर पास जोड़ो और ऊपरी सतह से रिसने लगा था, जिससे यहां से आवागमन करने वाले लोगों को इससे परेशानी हो रही थी, साथ ही कुछ गड्ढे भी अंडरपास के मार्ग पर बन गए थे , जिसको लेकर आम जन ने नाराजगी जाहिर की थी, जिसके बाद जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की एक टीम ने अंडरपास का निरीक्षण किया था जिसके बाद अब बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी द्वारा रेलवे विभाग को इसे मरम्मत करने के लिए एक पत्र लिखा है। आपको बता दे कि सरेखा ओवरब्रिज के निर्माण के दौरान आवागमन को डायवर्ट करने, एक साल देरी से रेलवे विभाग ने अंडरपास ब्रिज का निर्माण तो किया लेकिन, अंडरपास ब्रिज के निर्माण की पोल, पहली ही बारिश में खुल गई। अंडरपास ब्रिज में जगह-जगह बन आए गड्ढो के अलावा भीतरी सतह से बारिश का पानी रिस रहा है, जिसके चलते अंडरपास ब्रिज में पानी जमा होने से लोगों को आवागमन में

परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है। आमजन के आवागमन की दृष्टि से बनाए गए इस अंडरपास ब्रिज से बरसात के पानी से हो रहे रिसाव के कारण, जहां लोगों को अंडरपास ब्रिज में पानी भर जाने से दिक्कते हो रही है, वहीं अंडरपास ब्रिज की मजबूती पर भी सवाल खड़े हो गए है। जिसकी लगातार आ रही खबरो के बाद, प्रशासन ने मामले में संज्ञान लिया है। एसडीएम ने मंडल रेल प्रबंधक को पत्र लिखकर लोकहित में नवनिर्मित सरेखा अंडरब्रिज की तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश जारी किए जाने की बात कही है।

रेल प्रबंधक को पत्र लिखा गया हैं - गोपाल सोनी

एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि सरेखा कोसमी के लेवल क्रासिंग क्रमांक 36 पर आमजन के आवागमन के लिए निर्मित किए गए नवीन रेलवे अंडरब्रिज का निरीक्षण के दौरान अंडरपास ब्रिज के नीचे ज्वाईंट और उपरी सतह से लगातार पानी गिर रहा है। जिससे ब्रिज की वाल पर छोटे-छोटे गड्ढे हो गए है। साथ ही अंडरपास ब्रिज के भीतरी सतह से पानी के लगातार रिसने से वाहनों और आम नागरिकों के आवागमन में अत्यधिक परेशानियां हो रही है। जिससे भविष्य में कोई गंभीर दुर्घटना होने की संभावना है। जिसे देखते हुए, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक को पत्र लिखकर नवीन रेलवे अंडरपास ब्रिज का सुधार कार्य करवाए जाने कहा गया है।

मधुवंतराव धुर्वे परसवाड़ा एस डीएम बनाये गए

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। कलेक्टर मृणाल मीणा ने प्रशासनिक कार्य व्यवस्था की दृष्टि से संयुक्त कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व परसवाड़ा पदस्थ किया है। अनुविभागीय अधिकारी परसवाड़ा के पद पर पदस्थ रहे डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कुमार कौरव को कलेक्ट्रेट

अपहरण की घटना निकली झूठी

नाबालिक ने स्वयं ही रच दी अपहरण की कहानी, पुलिस जांच में हुआ स्पष्ट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। 15 वर्षीय नाबालिक के परिजनों ने 3 जुलाई को कोतवाली थाने में आकर अपने नाबालिक बेटे के अपहरण को लेकर शिकायत की थी। जिसके बाद कोतवाली पुलिस द्वारा नाबालिक के अपहरण की घटना को जांच में लेकर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घटना का पता किया , तो पाया की नाबालिक अंडरपास के रास्ते गया ही नहीं था। वह बालाघाट रेलवे स्टेशन से ट्रेन के माध्यम से गोंदिया पहुंच गया था। परिवार के डर से अपहरण की घटना रच दी थी। जिसके बाद पुलिस ने इस पूरे मामले को अब खोल दिया है। जिसमें कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत ने इस घटना को बच्चों द्वारा मनगढ़ंत रूप से रच कर बताना बताया है। आपको बता दे की 3 जुलाई को जिला मुख्यालय से लगे नवेगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कटंगी निवासी दीपक चौधरी द्वारा पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया था कि उनका 15 वर्षीय नाबालिक का सरेखा अंडरपास के निचे से अपहरण हो गया था । जिसे महाराष्ट्र राज्य के भंडारा के पास कुछ लोगों के हस्तक्षेप के बाद नाबालिक गोंदिया रेलवे स्टेशन पहुंचा था । जिसे एक रेलवे टीटी की मदद से उन्होंने देर रात घर लाया था । उसके बाद उन्होंने इस पूरी घटना की शिकायत कोतवाली पुलिस में की थी। जिसमें कोतवाली पुलिस द्वारा शिकायत मिलते ही मामले को जांच में लिया गया था ,लगभग 15 से 20 सीसीटीवी कैमरे को खंगालने के बाद पता चला कि 15 वर्षीय नाबालिक सरेखा अंडरपास के रास्ते गया ही नहीं था , वह बालाघाट रेलवे स्टेशन के रास्ते ट्रेन के माध्यम से गोंदिया गया था। इसके बाद उन्होंने अपने परिजनों को फोन करवाया और अपहरण की घटना बालक ने ही रची थी। नाबालिक का किसी ने अपहरण नहीं किया था। जिसमें अब नाबालिक के परिजन भी बता रहे हैं कि उसका स्वास्थ्य ठीक नहीं होने के कारण वह सही नहीं बता रहा है।

अपहरण जैसी कोई घटना नहीं हुई है - विजय राजपूत

इस पूरे विषय पर कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत द्वारा दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया गया कि 15 वर्षीय नाबालिक का शायद स्वास्थ्य ठीक नहीं है । इसी कारण उसके द्वारा बालाघाट रेलवे स्टेशन के रास्ते वह गोंदिया पहुंच गया और वहां से उन्होंने अपने परिजनों को अपने द्वारा अपहरण की घटना रच कर बताई । किंतु जब पुलिस द्वारा मामले की जांच की गई और 15 से 20 सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए तो पता लगा की नाबालिक अंडरपास के रास्ते गया ही नहीं था । 500 रूपये उठाने के साथ जो अपहरण की घटना बताई जा रही थी ,वह सभी मिथ्या पाई गई है । नाबालिक के अपहरण जैसी कोई घटना नहीं हुई है। पुलिस जांच और सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से यह स्पष्ट हो चुका है ।

डीएपी एवं 20-20-0-13 खाद नही मिलने से किसान परेशान, सोसायटी व गोदाम का लगा रहे चक्कर

रोपाई कार्य शुरू, किसानों ने डीएपी एवं अन्य खाद उपलब्ध करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। खरीफ फसल के लिए सेवा सहकारी समितियों एवं खाद गोदामों से किसानों को डीएपी, यूरिया, सुपर फास्फेट व अन्य खाद वितरण करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। साथ ही किसान अपने-अपने क्षेत्र की समितियों से खाद लेकर जा रहे है परन्तु नगर मुख्यालय में स्थित वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति सहित अन्य समितियों व लालबर्रा मुख्यालय स्थित खाद गोदाम एवं मानपुर मार्केटिंग सोसायटी में डीएपी, 20-20-0-13 खाद नही होने के कारण किसानों को खाद के लिए परेशान होना पड़ रहा है। साथ ही अपना काम-धंधा छोड़कर किसान वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति एवं गोदाम का चक्कर लगा रहे है। इसी तरह क्षेत्र की अन्य सेवा सहकारी समितियों में भी डीएपी सहित अन्य खाद की कमी बनी हुई है। जबकि वर्तमान समय में कुछ किसानों ने रोपाई कार्य प्रारंभ कर दिये है जिसमें खाद डालना जरूरी है। अगर डीएपी, 20-20-0-13 खाद नही डालेगें तो फसल उत्पादन कम होगा जिससे उन्हे आर्थिक परेशानियों से जुझना पड़ सकता है। साथ ही समय पर खाद नही मिलने से किसान परेशान है और शासन-प्रशासन से जल्द सेवा सहकारी समितियों एवं गोदाम में डीएपी, 20-20-0-13 सहित अन्य खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करवाकर किसानों को जल्द वितरण करवाने की मांग की है।

खाद नही मिलने से किसान परेशान, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि बालाघाट जिला सहित लालबर्रा क्षेत्र की आधे से अधिक आबादी कृषि पर ही निर्भर है एवं किसान के परिवार का भरण पोषण कृषि के माध्यम से ही संभव होता है। साथ ही क्षेत्र में सबसे अधिक धान की फसल लगाई जाती है और इस फसल में डालने के लिए खाद की अति आवश्यकता पड़ती है। लेकिन लालबर्रा विकासखण्ड में स्थित सेवा सहकारी समितियों एवं गोदाम में डीएपी, 20-20-0-13 सहित अन्य खाद उपलब्ध नही होने से किसानों को समय पर खाद नही मिल पा रहा है जिससे किसान खासा परेशान है। वहीं गत दिवस हुई बारिश के बाद से क्षेत्र के किसानों ने रोपाई कार्य प्रारंभ कर दिये है। जिसमें छिंडकाव करने के लिए डीएपी सहित अन्य खाद की आवश्यकता है लेकिन खाद नही होने के कारण किसान खाद के लिए सेवा सहकारी समिति व गोदामों का चक्कर लगा रहे है। जबकि सरकार के द्वारा किसानों की आय दुगुनी करने एवं खाद समय पर उपलब्ध करवाने की बात कही जाती है लेकिन लालबर्रा क्षेत्र के किसानों को जिस खाद की वर्तमान में आवश्यकता है वह उपलब्ध नही करवा पा रही है। जिससे किसान परेशान है और क्षेत्र के किसानों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। जबकि लंबे समय से किसानों के द्वारा सेवा सहकारी समिति एवं लालबर्रा मुख्यालय में स्थित गोदाम में डीएपी, 20-20-0-13 सहित अन्य खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करवाने की मांग कर रहे है ताकि सभी किसानों को उनकी मांग के अनुरूप खाद मिल सके। लेकिन आगे से खाद नही आने के कारण समिति भी किसानों को खाद वितरित नही कर पा रही है। वहीं किसान काम-धंधा छोड़कर रोजाना सेवा सहकारी समितियों व गोदामों का चक्कर लगा रहे है खाद के लिए लेकिन खाद नही मिल पा रहा है जिससे किसानों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

खाद नही मिलने से किसान परेशान है - सुनिल

किसान सुनील ठौकर ने बताया कि खरीफ फसल की रोपाई कार्य किसानों के द्वारा प्रारंभ कर दिया गया है जिसमें डीएपी एवं अन्य खाद डालना अत्यंत जरूरी है लेकिन सेवा सहकारी समितियों में खाद नही मिलने के कारण किसान परेशान है। ऐसी स्थिति में बाजार से महंगे दामों में खाद खरीद रहे है। श्री ठौकर ने बताया कि सरकार के द्वारा बहुत ही जोर-शोर के साथ प्रचार-प्रसार किया जाता है कि सरकार किसानों के हित में काम कर रही है, किसानों को उन्नत बीज, उर्वरक सभी चीज समय पर उपलब्ध करवा रही है। जिससे किसान की आय दुगनी हो सके परंतु जमीनी स्तर पर यह कुछ भी दिखाई नहीं देता है। वही वर्तमान में किसान खाद के लिए परेशान हो रहे है इसलिए हमारी मांग है कि सेवा सहकारी समितियों में खाद जल्द उपलब्ध करवाये प्रशासन।

सरकार किसान हितैषी नही है - सिलेकर

डीपी सिलेकर ने बताया कि वर्षा ऋतु प्रारंभ हो चुकी है और किसान रोपाई कार्य प्रारंभ कर चुके है परंतु सरकार के द्वारा किसानों के लिए समिति के माध्यम से ना ही बीज उपलब्ध करवाया गया है। ना ही समय पर खाद दिया जा रहा है जिससे किसानों के सामने विकट समस्या खड़ी हो गई है, खाद के लिए किसान सोसायटियों व खाद गोदाम का चक्कर लगा रहे है। जबकि वर्तमान में डीएपी, 20-20-0-13 खाद की आवश्यकता है। श्री सिलेकर ने बताया कि सरकार हमेशा कहती है कि किसान हित में काम कर रहे है। लेकिन सरकार किसान हितैषी नहीं है, समय पर खाद नही मिल पा रहा है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि किसानों की समस्या का जल्द समाधान करें।

सोसायटी में जल्द खाद उपलब्ध करवाये प्रशासन - किशोर

जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने बताया कि हमारा देश एक कृषि प्रधान देश है और इस देश की 80 प्रतिशत से भी अधिक आबादी कृषि पर निर्भर है और मैं किसान का बेटा होने के साथ ही एक कृषक भी हूँ। लेकिन वर्तमान में किसानों को डीएपी, 20-20-0-13, यूरिया सहित अन्य खाद की अत्यंत आवश्यकता है। लेकिन खाद नही मिलने से किसान परेशान है। इस समस्या से पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन जी को अवगत करवाया गया था, जिनके द्वारा दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से इस संबंध में चर्चा की गई है। जिससे ऐसा लग रहा है कि जल्द जिले में डीएपी एवं अन्य खाद की कमी बनी है वह दूर हो जायेगी। श्री पालीवाल ने बताया कि यदि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध नहीं होगा तो उनकी फसल प्रभावित होगी। प्रति हेक्टेयर उत्पादन कम होगा इसलिए प्रशासन से मांग हैकि सोसायटियों में डीएपी सहित अन्य खाद जल्द उपलब्ध करवाये।

इनका कहना है

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली 9 सेवा सहकारी समितियों में डीएपी, 20-20-0-13 सहित अन्य खाद खत्म हो चुके है और प्रशासन को डिमांड भेज दिये है लेकिन अब तक खाद उपलब्ध नही हुआ है। साथ ही किसान रोजाना खाद के लिए आते है लेकिन खाद नही होने के कारण वितरण नही कर पा रहे है, शासन-प्रशासन से मांग है कि डिमांड के अनुसार जल्द खाद उपलब्ध करवाये।

एमपी ठाकरे
प्रबंधक
सेवा सहकारी समिति नेवरगांव ला.।

विकासखण्ड स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल में सहकारिता विभाग के निर्देशानुसार 4 जुलाई को ''सहकारिता से समाज आत्मनिर्भर बनेगा'' शीर्षक पर विकासखण्ड स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह विकासखण्ड स्तरीय निबंध प्रतियोगिता सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस सहकारिता से समाज आत्मनिर्भर बनेगा शीर्षक पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में विकासखण्ड स्थित स्कूलों के 30 छात्र-छात्राएं शामिल हुए और निबंध लिखे। वहीं इस निबंध प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य है कि सहकारिता के माध्यम से स्वलंबी बनकर आत्मनिर्भर कैसे बन सकते है। साथ ही इस विकासखण्ड स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय बिरसोला की छात्रा कु. जोया/फिरोज खान ने प्रथम, कु. सलोनी/नंदलाल खरोले ने द्वितीय एवं सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के छात्र लोकेश /अरूण मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जिन्हे प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सांदीपनी स्कूल लालबर्रा प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे ने बताया कि मध्यप्रदेश सहकारिता विभाग की ओर से निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और इस निबंध प्रतियोगिता का शीर्षक सहकारिता से आत्मनिर्भर समाज की ओर था। जिसमें विकासखण्ड के छात्र-छात्राएं शामिल हुए और निबंध लिखे है। साथ ही यह भी बताया कि निबंध प्रतियोगिता का उद्देश्य था कि सहकारिता की भावना से हम किस तरह से एक दूसरे के प्रति सहयोगी सिध्द होकर समाज को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

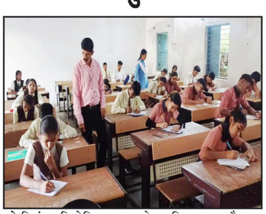

कस्तूरचंद गजबे का शोकाकुल माहौल में किया गया अंतिम संस्कार

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी स्थित सेवा सहकारी समिति में पदस्थ चौकीदार कस्तूरचंद गजभिये का 3 जुलाई को हद्‌यगति रूक जाने से दुःखद निधन हो गया था। जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय मोक्षधाम में दोपहर में शोकाकुल माहौल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेवा सहकारी समिति घोटी के चौकीदार कस्तूरचंद गजभिये की अचानक तबियत खराब होने एवं गुरूवार को प्रातः 7 बजे हदयगति रूक जाने से दुःखद निधन हो गया। जिसकी खबर लगते ही चित-परिचित एवं परिजनों में शोक की लहर व्याप्त हो गई थी। स्व. गजबे सरल, स्वभाव व मृदुभाषी के धनी थे, अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये है। जिसका अंतिम संस्कार घोटी स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से कामना की है।

सांदीपनी स्कूल में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सम्मान समारोह कार्यक्रम का हुआ लाईव प्रसारण

विद्यालय में कक्षा 12 वीं में प्रथम श्रेणी में आने वाले 51 छात्र-छात्राओं को मिली लैपटॉप के लिए राशि

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा 4 जुलाई को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि हस्तांतरित की गई। इसी कड़ी में भोपाल में आयोजित प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सम्मान-समारोह कार्यक्रम का लाईव प्रसारण (ऑनलाईन) दिखाने की व्यवस्था विकासखण्ड स्तर पर लालबर्रा मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल में 4 जुलाई को किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षा समिति सभापति किशोर पालीवाल के मुख्य आतिथ्य, स्कूल प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ कांग्रेसी मनोहर अग्रवाल, पनबिहरी सरपंच वीरेन्द्र बनवाले, बीईओं वायआर गजभिये, विकासखण्ड स्थित शासकीय/अशासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के प्राचार्यों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर लालबर्रा विकासखण्ड में स्थित शासकीय/अशासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल में जिन छात्र-छात्राओं ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण हुए ऐसे 51 छात्र-छात्राओं का सम्मान भी किया गया। वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा एक क्लिक कर कक्षा 12 वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण हुए सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों के खाते में लैपटॉप की राशि हस्तांतरित की गई। वहीं सभी विद्यार्थी उक्त राशि से लैपटॉप खरीद कर अपनी आगे की पढ़ाई सुचारू रूप से कर सकेंगे और इस लैपटॉप के माध्यम से उन्हें पढ़ाई में सहयोग मिलेगा जिससे वे अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ा सकते है। इस तरह से लालबर्रा विकासखण्ड में स्थित शासकीय/अशासकीय विद्यालय के कक्षा 12 वीं में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए 51 प्रतिभावान विद्यार्थियों को लेपटॉप के लिए शासन के द्वारा राशि प्रदान की गई है। वहीं उपस्थित अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अनेकों योजनाएं संचालित कर रही है और आज कक्षा 12 वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं को लैपटॉप खरीदने के लिए उनके खाते में राशि हस्तांतरित की गई है। जिससे छात्र-छात्राओं को आगे की पढ़ाई करने में मदद मिलेगी। साथ ही अन्य योजनाओं का भी लाभ दिया जा रहा है इसलिए छात्र-छात्राएं लक्ष्य बनाकर पढ़ाई कर अपने माता-पिता एवं स्कूल का नाम रौशन करें। इस अवसर पर छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

उपचार करवाकर व्हीलचेयर पर घर लौटी विधायक अनुभा मुंजारे

गोंदिया पहुंचकर कांग्रेसियों ने श्रीमती मुंजारे का किया स्वागत

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे उपचार करवाकर 4 जुलाई को बालाघाट अपने घर लौट आई हैं। विधायक अनुभा मुंजारे के भोपाल से बालाघाट आने की जानकारी लगने पर बड़ी संख्या में कांग्रेसी और स्थानीय जनप्रतिनिधि व शुभचिंतकगण गोंदिया रेल्वे स्टेशन पहुंचें। जहां पर उन्होने विधायक का भव्य स्वागत किया और उनके शीघ्र स्वस्थ्य लाभ की कामना की। कांग्रेसियों की ओर से मिले इस अभूतपूर्व स्नेह के लिए विधायक अनुभा मुंजारे ने सभी के प्रति आभार जताया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले दिनों विधायक अनुभा मुंजारे अपने क्षेत्र के जनसंपर्क दौरा के अंतर्गत लालबर्रा के सोनेवानी गई हुई थी। जिस दौरान वह असंतुलित हो गई थी और उनके दांया पैर में फ्रेक्चर आया था। बालाघाट में उपचार करवाने के पश्चात चिकित्सक की ओर से आराम करने की सलाह दी गई थी। जिसके चलते वह भोपाल गहन उपचार के लिये चले गई थी। विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के पैर में फ्रेक्चर होने से पहले क'चा प्लास्टर बांधा गया था और अब पक्का प्लास्टर चढ़ाया गया हैं। भोपाल में कुछ दिनों के बेड रेस्ट करने के पश्चात विधायक श्रीमती मुंजारे 4 जुलाई को भोपाल से ट्रेन का सफर करते हुए गोंदिया पहुंची जिसके बाद बालाघाट अपने निवास व कार्यालय पहुंची। विधायक श्रीमती मुंजारे के उपचार पश्चात घर आने की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता व पदाधिकारी गोंदिया रेलवे स्टेशन पहुंचें थे। जहां पर उन्होने विधायक के चलने में असमर्थता को देखते हुये व्हीलचेयर भी उपलब्ध की थी। विधायक श्रीमती मुंजारे के गोंदिया रेलवे स्टेशन पर पहुंचते ही कांग्रेसियों ने ढोल ढमाके के साथ स्वागत किया और उनके कुशलक्षेम जानने का प्रयास कर शुभकामनायें प्रेषित की गई। कांग्रेसियों के ओर से मिले इस अभूतपूर्व सानिध्य व सहयोग के लिए विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा सभी के प्रति आभार जताया गया है। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि वह अपने क्षेत्र के लोगों से ज्यादा दिनों तक बाहर नहीं रह सकती। उन्हे भले ही पैर में चोट आई हैं लेकिन क्षेत्र के लोग उनकी पहली प्राथमिकता में हैं। क्षेत्र की समस्याओं की ओर ध्यान दिया जाना व उनके निराकरण का प्रयास करना उनके दायितत्व में शामिल हैं। क्षेत्रवासियों के सुख दुख में रहना चाहती थी इसलिये वह भोपाल से बालाघाट लौट आई हैं। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि सेहत को लेकर उन्हें तमाम लोगों ने कुशलक्षेम जानकर शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना की हैं। यह मेरे लिये बड़ी पूंजी हैं कि इतने सारे लोग मेरे शुभचिंतक हैं। विधायक श्रीमती मुंजारे ने कहा कि ईश्वर से कामना हैं कि वह जल्द पूर्व की तरह लोगों के बीच रहना चाहेगी और शीघ्र ही पूरी तरह से स्वस्थ्य होगी। आमजनों के लिये वह सदैव उपलब्ध हैं और आगे भी रहेगी। विधायक के गोंदिया पहुंचकर स्वागत करने वालों में महाविद्यालय विधायक प्रतिनिधि बालकृष्ण बिसेन, दुर्गा पगरवार, शैलेश केकती, नितिन सांखला, जिला महिला कांग्रेस श्रीमती लक्ष्मी वाघाडे, संदेश सैयाम, शानू रॉय, रंजना चौहान, शिला नागपुरे, भूमेश्वरी तिवड़े, नगर पालिका नेताप्रतिपक्ष योगराज कारों लिल्हारे, नगर पालिका परिषद पूर्व उपाध्यक्ष अनिल सोनी, पन्ना शर्मा, शफकत खान, छबिराम नागेश्वर, रामभाऊ पंचेश्वर, शनि वाधवानी, प्रतीक धुवारे, अंकित अग्रवाल, शिव नागपुरे आखिल भारतीय लोधी समाज अध्यक्ष गोंदिया नगर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं उनके समर्थक मौजूद रहे।

केवाटोला में नवनिर्मित हनुमान मंदिर में दो दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम हुआ प्रारंभ

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत कंजई के अंतर्गत आने वाले ग्राम केवाटोला के नवनिर्मित हनुमान मंदिर में 4 जुलाई से दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है। जिसमें प्रथम दिन मंदिर प्रांगण से भगवान हनुमान जी की प्रतिमा की शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा ग्राम के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची। इस दौरान ग्राम के युवा, महिलाएं व पुरूष शामिल हुए और शोभायात्रा में रामभक्त हनुमान जी के जयघोष करते हुए भक्ति गीतों पर नृत्य करते दिखाई दिये। जिसके बाद दोपहर 1.30 बजे से मंदिर में पूजन अभिषेक किया गया एवं 5 जुलाई को सुबह से भगवान हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर प्राण प्रतिष्ठा किया जायेगा तत्पश्चात हवन-पूजन कार्यक्रम प्रारंभ होगा। जिसके बाद आरती कर महाप्रसादी का वितरण कर दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह कार्यक्रम का समापन किया जायेगा। चर्चा में हनुमान मंदिर समिति केवाटोला के पदाधिकारियों ने बताया कि सभी ग्रामीणजनों के सहयोग से ग्राम में भगवान हनुमान जी की मंदिर का निर्माण करवाया गया है और 4 जुलाई से इस नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम प्रारंभ हुआ है। जिसमें प्रथम दिन शोभायात्रा, अभिषेक सहित विविध अनुष्ठान संपन्न करवाये गये एवं 5 जुलाई को विधि-विधान से पुजा अर्चना कर प्राण प्रतिष्ठा, हवन-पूजन कार्यक्रम संपन्न होने के बाद महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजन पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करें।

वारासिवनी से मेंढ़की मार्ग किनारे कीचड़ का लगा अंबार राहगीर परेशान

मार्ग के साइड सोल्डर में अनियमितता का ग्रामीणों ने लगाया आरोप

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी से मेंढ़की मार्ग किनारे कीचड़ का अंबार लगा हुआ है। जहां पर आवागमन कर रहे लोगों को अनेकों प्रकार की समस्याओं का प्रतिदिन सामना करना पड़ रहा है। वहीं दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है जबकि मार्ग में यातायात का काफी दबाव बढ़ गया है। ऐसे में सड़क किनारे दोनों तरफ छोटे बड़े गड्ढे हो गए हैं जिसमें पानी भरने और रैंप जैसी स्थिति भारी वाहनों से निर्मित हो गई है। वाहनों की आवाजाही में पैदल या मोटरसाइकिल से चल रहे लोगों को दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसको लेकर लंबे समय से ग्रामीणों सहित राहगीरों के द्वारा मार्ग के साइड शोल्डर को बेहतर बनाने की मांग की जा रही है। किंतु जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा उक्त समस्या पर कोई ध्यान नही देने के कारण स्थिति यथावत बनी हुई है। जिसको लेकर हर किसी में आक्रोश व्याप्त है जिनके द्वारा अति शीघ्र समस्या का समाधान करने की मांग की जा रही है।

वर्तमान में मार्ग पर यातायात का बहुत ज्यादा दबाव बढ़ गया है

प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी से मेंढ़की मार्ग आगे सीधा डोंगरमाली होते हुए महाराष्ट्र को जोड़ता है। जहां से वर्तमान में यातायात का बहुत ज्यादा दबाव मार्ग पर बढ़ गया है जबकि यह मार्ग मात्र १० फीट चौड़ा है। जिसके दोनों तरफसाइड सोल्डर में निर्माण के दौरान मुरुम डाली गई थी जिसको व्यवस्थित नहीं किया गया। जिसके कारण पिछली बारिश में भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा था और इस बारिश में भी साइड शोल्डर में छोटे बड़े गड्ढे निर्मित हो गए हैं। तो वहीं भारी वाहन के आवागमन के कारण रैंप निर्मित हो गया है। जहां पर बारिश का पानी भरा हुआ है तो वहीं कुछ स्थानों पर दलदल जैसी स्थिति हो गई है। ऐसे में आवागमन कर रहे लोगों को काफी समस्या हो रही है। क्योंकि दो वाहन क्रॉस नहीं हो पाते हैं जब कोई बड़ा भारी वाहन आता है तो मोटर साइकिल वाले को साइड शोल्डर पर उतरना पड़ता है। वर्तमान में साइड शोल्डर की स्थिति मोटरसाइकिल या साइकिल उतारने जैसी नहीं है फिर भी लोगों के द्वारा वाहनों को नीचे उतरने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ऐसे में उनके वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं तो वहीं रोड़ किनारे खड़े लोगों के ऊपर कीचड़ उछलने से उनके कपड़े भी खराब हो रहे हैं। जहां पर आवागमन करने में लोगों को अब डर लगने लगा है जबकि यह मार्ग सीधा महाराष्ट्र को जोड़ता है जिसके लिए हर कोई उक्त मार्ग का उपयोग कर रहा है। ऐसे में ट्रक ,ट्रैक्टर ,डंपर जैसे समस्त प्रकार के भारी वाहन यहीं से आना जाना कर रहे हैं । तो वहीं मार्ग पर स्थित ग्राम के ग्रामीण मुख्यालय के लिए इस मार्ग का उपयोग कर रहे हैं। जहां पल भर में क्या हो जाए इसकी संभावना भी किसी के द्वारा नहीं की जा रही है। ऐसे में हर किसी के द्वारा

साइड़ शोल्डर को व्यवस्थित करने की मांग विभाग से की जा रही है। ताकि सुरक्षित रूप से लोग आवागमन कर सके वही संभावित दुर्घटना की संभावना भी खत्म हो सके।

मार्ग की स्थिति बहुत दयनीय हो गई है रोड़ पर चलना मुश्किल हो गया है-सुभाष पारधी

राहगीर सुभाष पारधी ने बताया कि यह वारासिवनी से डोंगरमाली मार्ग है इसकी स्थिति बहुत दयनीय हो गई है रोड़ पर छोटे वाहनों का चलना मुश्किल हो गया है। साइड में गड्ढे हो गए हैं २ वर्ष से साइड शोल्डर को नहीं भरा गया है

अभी पानी आने पर बहुत खराब स्थिति हो गई है। इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बहुत है ,वर्तमान स्थिति के कारण एक से दो व्यक्ति रोजाना गिरते हैं। जिसका कारण है की साइड सोल्डर में मुरूम डालना था तो इन्होंने मिट्टी डाल दिया था अब वह पूरी मिट्टी रोड़ तक फैल रही है। किनारो में दलदल की स्थिति बनी हुई है गाड़ी हम नीचे नहीं उतार सकते हैं ऐसी स्थिति मेंढ़की तक बनी हुई है। यदि इसके साइड शोल्डर भर दिए जाते तो आना जाना अच्छा होगा किंतु विभाग के द्वारा आज तक कोई ध्यान नहीं दिया गया है।

मार्ग किनारे कीचड़ से एक्सीडेंट बहुत हो रहे है-सुखलाल ठाकरे

राहगीर सुखलाल ठाकरे ने बताया कि यह मार्ग पर बारिश में वाहन आने जाने में कई प्रकार की दिक्कत है । साइड से जाते हैं तो कपड़े खराब हो जाते हैं कीचड़ उड़ता है या गिर जाते हैं ऐसी अनेकों

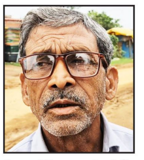

समस्या मार्ग में उत्पन्न हो गई है। जबकि यह रोड़ अच्छा बनाया गया है तो साइड शोल्डर की भी अच्छी व्यवस्था करना था परंतु उस पर ध्यान नहीं दिया गया जिससे एक्सीडेंट बहुत हो रहे हैं। अभी पूरा मार्ग किनारे कीचड़ पड़ा हुआ है जबकि गांव के अंदर मुरमाई जमीन है तो वहां पर भी कीचड़ हो गया है। वारासिवनी से मेंढ़की और उसके आगे तक बहुत खराब स्थिति है । इसकी रिपेयरिंग होनी चाहिए ताकि हर कोई सुरक्षित आना जाना करें। क्योंकि कब क्या हो जाए यह कोई भी इस मार्ग पर बाता नहीं सकता है।

मार्ग पर चलने वाले हर व्यक्ति इस समस्या से परिचित है जिम्मेदारों की आंखें बंद पड़ी है-रमेश ठाकरे

ग्रामीण रमेश ठाकरे ने बताया कि बेनी, सतौना ,महाराष्ट्र से यह मार्ग जोड़ दिया गया है सभी प्रकार के वाहन धड़ल्ले से इस मार्ग पर दौड़ रहे हैं। रोड़ में दिक्कत नहीं है उसके किनारो में बहुत ज्यादा दिक्कत है हमारे गांव के बहुत सारे बच्चे और दूसरे गांव के भी बच्चे स्कूल में पढ़ाई करने के लिए आना जाना इसी मार्ग से करते हैं। अभी जो पानी आने से कीचड़ हो गया है इसमें स्कूली

बच्चे सबसे ज्यादा परेशान हो रहे हैं। क्योंकि उनके कपड़े खराब होते हैं कभी गिर जाता है तो उसे वापस घर में जाकर रहना होता है। दलदल वाली स्थितियां कुछ स्थानों पर बनी हुई है जिससे खतरा बना है। मार्ग पर चलने वाले हर व्यक्ति इस समस्या से परिचित है पर जिम्मेदारों की आंखें बंद नजर आ रही है।

सांदीपनि विद्यालय में लैपटॉप वितरण कार्यक्रम आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी के प्राचार्य हुमराज पटले ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य

आतिथ्य में प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना अंतर्गत विद्यार्थियों को लैपटॉप हेतु राशि का प्रदाय योजना २०२५ का आयोजन ४ जुलाई २०२५ को कुशाभाउ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिन्टो हाल) भोपाल में आयोजित किया गया। जिसका सजीव प्रसारण (ऑनलाईन) दिखाने की व्यवस्था विकासखण्ड स्तरीय सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में की गई। इस सजीव प्रसारण कार्यक्रम में विधायक विवेक पटेल की विशेष उपस्थिति में आयोजित किया गया। विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों के २९८ लैपटॉप लाभन्वित विद्यार्थियों में से ११ हायर सेकेण्डरी विद्यालयों के लगभग २१० विद्यार्थियों के द्वारा इस सजीव प्रसारण कार्यक्रम को देखा गया। शासन के द्वारा लैपटॉप क्रय हेतु राशि पच्चीस हजार रूपये प्रदाय किया जाना है। सांदीपनि टिहलीबाई शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय से लैपटॉप हेतु ५० पात्र विद्यार्थियों का संस्था प्रमुख एवं विधायक के द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। विधायक के द्वारा बॉयो लैब का शुभारंभ कर विद्यालय का निरीक्षण किया गया। इस दौरान डी.डी. राहंगडाले विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी , के.एल. चौहान संकुल प्राचार्य कमला नेहरू शास.कन्या उमावि , राजा अली, विवेक झुझार, राजकुमार चौधरी, लखन रिनायत, श्रीमती वंदना शर्मा, बलदेव मर्सकोले, श्रीमती देवश्री चौधरी, प्रवीण राणा, शरद सोनी, राजेश सोनेकर, श्रीमती अन्नु राहंगडाले, अमित डोंगरे एवं श्री हिमांशु कटरे उपस्थित रहें। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण डेलेन्द्र मेश्राम, आई.टी.शिक्षक एवं सफल मंचसंचालन कमल टेंभरे , लाईब्रेरियन के द्वारा किया गया। साथ ही विद्यालय के सुरक्षा कर्मी एवं सफाई कर्मी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संदिग्ध परिस्थिति में नव विवाहिता की मौत ,पुलिस जांच में जुटी

मामले में नव विवाहिता के द्वारा कीटनाशक सेवन की जताई जा रही संभावना

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के शासकीय सिविल अस्पताल में ४ जुलाई को संदिग्ध परिस्थितियों में २३ वर्षीय नव विवाहिता की उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में नव विवाहित सोनम देव्हारे के द्वारा कीटनाशक का सेवन करने की संभावना व्यक्ति की जा रही है। पुलिस के द्वारा मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है ,वहीं सक्षम अधिकारी की उपस्थिति में मृतिका का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौप दिया गया। नव विवाहिता के मौत के मामले में कारण अज्ञात बताया जा रहा है।

६ माह की ट्रेनिंग के लिए हरियाणा गया हुआ था मृतक का पति

प्राप्त जानकारी के अनुसार डूलेन्द्र पिता हरिलाल देव्हारे उम्र २३ वर्ष ग्राम पंचायत सिंगोड़ी थाना रामपायली निवासी है। जो अपने परिवार में माता पिता और स्वयं गांव में निवास करते थे। डूलेन्द्र देव्हारे के द्वारा वर्ष २०२१ में ग्राम की ही लड़की सोनम देव्हारे के साथ प्रेम विवाह किया था। जिसमें दोनों की एक दो वर्ष की संतान है इसी बीच डूलेन्द्र देव्हारे का भारतीय पैरा मिलिट्री फोर्स आइटीबीपी में चयन हुआ था। जो पिछले ६ महीने से ट्रेनिंग के लिए हरियाणा गया हुआ था। इसके बाद सोनम पति डूलेन्द्र देव्हारे २३ वर्ष अपने सास ,ससुर और बच्चे के साथ सिंगोड़ी में निवास कर रही थी। ऐसे में ३ जुलाई की दरमियानी रात में अचानक रात्रि करीब ३ से ४ बजे के बीच तबीयत खराब हो गई जो बेसुध घर में गिरी हुई थी। जिसे तत्काल परिजनों के द्वारा ग्राम के डॉक्टर से उपचार करवाया गया जिसके द्वारा तत्काल महिला को रामपायली या वारासिवनी अस्पताल ले जाने के लिए कहा गया। जिस पर स्वयं के वाहन से तत्काल महिला को वारासिवनी सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया। जहां पर परिजनों ने महिला के द्वारा किसी प्रकार की कीटनाशक के सेवन की संभावना व्यक्त की गई। जिस पर डॉक्टर के द्वारा उपचार प्रारंभ किया गया किंतु उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। अस्पताल के द्वारा तत्काल पुलिस तहरीर भेज कर थाने को सूचित किया गया। जिस पर नव विवाहिता का मामला होने पर सक्षम अधिकारी के द्वारा सिविल अस्पताल में उपस्थित होकर घटना की जानकारी लेकर मामले में आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया। इस पूरे मामले में परिजनों ने महिला के द्वारा किसी प्रकार की कीटनाशक के सेवन की संभावना व्यक्त की है। हालांकि मौत का कारण संदिग्ध है जिसमें पुलिस के द्वारा जांच की जा रही है।

मैं सुबह उठा तो देखा की बहु बेहोश थी तत्काल डॉक्टर के पास लेकर गये-हरिलाल देव्हारे

हरिलाल देव्हारे ने बताया कि मृतिका सोनम देव्हारे मेरी बहू है हम सभी रात में खाना खाकर सो गए थे। रात में बहू लघुशंका जाने के लिए उठी होगी तो जमीन पर गिर गई थी। मैं सुबह उठा तो तत्काल

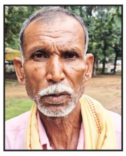

उसे ग्राम के सरपंच के पास ले गया जो डॉक्टर भी है। तो उन्होंने अस्पताल ले जाने कहा जिस पर हम उसे वारासिवनी लेकर आए हैं जहां पर इलाज किया गया और फिर मौत हो गई। इसमें उसके द्वारा कुछ वस्तु को खा लेना बताया गया पर निकला कुछ नहीं अब कैसा क्या हुआ पता नहीं। घर में मैं मेरी पत्नी, बहू और उसका बच्चा रहते हैं हमारा लड़का बाहर ट्रेनिंग पर गया हुआ है।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि सोनम देव्हारे उम्र २३ वर्ष की महिला है जो थाना रामपायली अंतर्गत ग्राम सिंगोड़ी की रहने वाली है। उनके पति डूलेन्द्र देव्हारे आईटीबीपी की ट्रेनिंग के लिए गए हुए हैं महिला को रात में अचानक अस्पताल में परिजनों ने लाकर भर्ती किया था। इसमें उनके द्वारा कोई वस्तु का सेवन करने की संभावना व्यक्ति की गई थी। मामले में मार्ग जांच प्रारंभ कर दी गई है, मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कारण स्पष्ट हो पाएगा।

अभिषेक चौधरी
एसडीओपी वारासिवनी

युवराज बवैकर ने एक महिला को प्रताड़ित कर २ लाख रूपये की मांग

महिला ने युवक के खिलाफ थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत पीड़ित महिला के द्वारा युवराज बवैकर ग्राम मोहाड़ी आरंभा तहसील खैरलांजी निवासी पर बार बार फोन करके एंव मैसेज करके मानसिक रूप से प्रताड़ित करना एंव विडियों वायरल करने की धमकी देकर २ लाख रुपये की माँग कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित महिला ने लिखित शिकायत दर्ज करवायी हैं की युवराज बवैकर ग्राम मोहाड़ी आरंभा तहसील खैरलांजी निवासी है। परंतु वह नागपुर में रहता है वो पीड़िता का फेसबुक फ्रेंड था। करीब २ साल पूर्व से उनकी फोन पर आडियों एवं विडियों काल पर बात होती थी। शुरू शुरू में तो अच्छी ही बात करता था पर कुछ दिन बाद उसने पीड़िता को रोक टोक लगाना चालू कर दिया। पीड़िता ने १७ दिसंबर २०२४ से बात करना बंद कर दी और उसके मोबाईल नंबर को ब्लॉक कर दी तो वह पीड़िता को दिन भर में कई बार फोन करके एंव मैसेज करके बहुत परेशान करता था। बार बार फोन करना और मैसेज करना यही काम करता था। युवराज बवैकर ने वीडियों काल के दौरान स्कीन रिकार्डर से वीडियों बनाया। उसी वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता से जबरदस्ती बात करता है। साथ ही ये वीडियो पीड़िता के पति को भेज दूंगा नही तो २ लाख रूपये मुझे दे वरना यह वीडियो वायरल कर दूंगा। ऐसी धमकी देता था इसीलिये पीड़िता डर की वजह से मजबूरी में उससे बात करती थी। पीड़िता ने युवराज बवैकर को ब्लॉक की तो उसने कई नये नये नंबरो से मुझे फोन किया और धमकी देता था कि अगर उससे बात नही की तो रामपायली वाला कांड करूंगा। पुलिस ने युवराज बवैकर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा ७८(१) (२),७७, ७९, ३०८,३५१ (३) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया है।

स्वामी विवेकानंद- विचारों के युगदृष्टा, युवाओं के पथप्रदर्शक

आज हिंदी भाषा को लेकर क्षेत्रीय राज्य में सियासत हो रही है लेकिन आप भारत में रहते हैं अत: आपका कर्तव्य है हिंदी भाषा को बोलना चाहिए और क्षेत्रीय भाषा का भी सम्मान करना चाहिए अत: आप क्षेत्रीय भाषा में बात करें लेकिन हिंदी से वोट बैंक का सहारा न बनने दें हिंदी से नफरत ना करें ऐ हमारी संस्कृति है इसमें भारत की आत्मा है हिंदी विदेश में गूंजे या ना गूंजे लेकिन अपने देश में गुंजना जरुरी है जो आजादी के 76साल बाद भी व्यवस्था नहीं सुधर रही है हिंदी के कार्य में लगी देश की हिंदी संस्थानों का हाल बहुत बुरा है खासकर पंजीकृत संस्था का अत: पहले अपने देश में इन संस्थानों को पटरी पर लाना जरुरी है पत्रिका जो विज्ञान से सम्बंधित है उसमें किसी अच्छे विज्ञान लेखकों को नजर अंदाज किया जाना और अपने खास लोगों को बार बार लेख छापना व मानदेय देना एक विकृत मनोवृती है जो सही नहीं है हाल ही डॉ आर चिदंबरम सर जो पोखरण 1 और 2 परमाणु परीक्षण किया तो विश्व में भारत की डंका बजी आज ईरान और इजराइल में खुनी संघर्ष परमाणु बम को लेकर हो रहा है यानि हमारा देश परमाणु तकनीक के मामले में सबसे शक्ति शाली देश है उनके कार्य को देखते हुए हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ने सहानुभूति व स्मृति अंक पत्रिका वैज्ञानिक का जनवरी -मार्च 25 निकाला जो शायद ही किसी और ने निकाला होगा वैज्ञानिक हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की पत्रिका है लेकिन वो भी संकटो से जूझ रही है कभी चुनाव तो कभी फंड का ना होना लेकिन इसमें कुछ निष्ठावान लोग भी है जो 55साल पुरानी संस्था को बचाने के लिए प्रयासरत है इसी उद्देश्य से हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद के नव निर्वाचित कार्यकारिणी समिति सदस्यों और निवर्तमान कार्यकारिणी समिति सदस्यों के संयुक्त बैठक, मुंबई में 30/5/2025 सुबह 11ः30 बजे शुरुआत की गई जिसका एजेंडा था- नव निर्वाचित कार्यकारिणी समिति(25-27) को कार्यभार सौंपना। परिषद के कामकाज के संबंध में भविष्य की कार्रवाई पर चर्चा करना।परिषद के तत्कालीन सचिव श्री एस पी प्रभाकर ने ऊपर दिए विवरण के अनुसार आयोजित की गई ।जिसमें परिषद के लगभग सभी सदस्य रहें हिंदी विज्ञान में एक नई क्रांति मुंबई के वैज्ञानिकों ने 1968 में हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की नींव रखी और 2साल बाद वैज्ञानिक पत्रिका का सतत प्रकाशन हुआ जो आज भी ऑनलाइन माध्यम से चल रही है अत: राष्ट्रीय अस्तर पर हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ही एक मात्र ऐसी संस्था बची है जो इन उद्देश्यों को पूर्ण कर सकती है इस हेतु परिषद की नई कार्यकारिणी का गठन हेतु 18 मई 25 को अनुशक्तिनगर में विशेष आम सभा में चुनाव अधिकारी श्री बलवंत सिंह ने नई कार्यकारिणी 25-27 हेतु सभी चयनित उम्मीदवार के परिणाम प्रस्तुत किए गए -जो निम्न है अध्यक्ष - कृष्ण कुमार वर्मा - -उपाध्यक्ष - ब्रजेश कुमार सिन्हा,सचिव,शेर सिंह मीणा, संजय गोस्वामी -सयुंक्त सचिव,राज कुमार डाबरा -कोषाध्यक्ष बी.एन मिश्र -सयुंक्त कोषाध्यक्ष,सदस्य हेतु डॉ सुभाष दोन्दे,अश्विनी कुमार मिश्रा,संजू वर्मा, राजेश कुमार सचान - अनिल अहिरवार प्रकाश कश्यप - आलोक कुमार त्रिपाठी आदि निर्विरोध चुने गए थे व परिषद की हैंड ओवर मीटिंग 30/5/2025 सुबह 11ः30 हुई और 2बजे खत्म हुआ जिसमें परिषद के पुरानी व नई समिति के सदस्य भी मौजूद थे हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की हैंड ओवर मीटिंग सौहार्द पूर्ण तरीके से संपन्न हुई आज का युग विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। जो मातृभाषा में करना आवश्यक है हमारे जीवन की छोटी-बड़ी हर घटना का संबंध विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जुड़ा हुआ है। अत: परिषद को पुनः विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जुड़े परिषद के मायलस्टोन यानि उनके कार्यों को करना आवश्यक है।जिससे विज्ञान का संचार हिंदी में हो सके। परिषद के नए अध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार वर्मा को हार्दिक शुभकामनायें आशा है कि आनेवाला समय परिषद की स्थिति को पुन: अपने पूर्व रूप में लाने में सफल होगी जो कोरोना के बाद डगमगा गया था हालांकि वैज्ञानिक प्रकाशित होती रही है अत: विदेश से ज्यादा जरुरी अपने देश की राजभाषा हिंदी को प्रोत्साहित करना लोग विदेश के नाम पर विश्व हिंदी सचिवालय, मौरीशस या विश्व हिंदी सम्मलेन में हिंदी के प्रचार के लिए जाते हैँ और वहाँ जाकर इधर उधर फोटो खींचवाते नजर आते है।

प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर ? पलायन को मजबूर प्रदेश का युवा

जैसे जैसे चुनाव के वर्ष का समय नजदीक आता है वैसे वैसे सत्ता में बैठी सरकार भी योजनाओ को गति देने में लग जाती हैं। मध्यप्रदेश के कुछ वर्गो को लुभाने के लिए सरकारी खजाने के भंडार खोल दिए जाते हैं। भाजपा का कांग्रेस के लिए तंज भी वही पुराना वाला शुरू हो जाता कि पूर्व की कांग्रेस सरकार ने वर्षो से इस देश में राज किया लेकिन लोगों के लिए क्या किया केवल मुफ्त की रेवडियां बांटी हैं। लेकिन भाजपा सरकार यह कैसे भूल जाती है कि वो खुद रेवडियां बांटकर ही लगातार चुनाव जीत रही है। दुख इस बात का है कि भाजपा जिन लाड़ली बहनों को हर माह रूपए दे रही है, क्या उन्हें इस बात की जानकारी नही है कि इन बहनों के पढ़े लिखे बेटे बेटियों को भी रोजगार की शक्त जरूरत होगी ? क्या 1250 रुपए में इन बहनों का घर चल सकता है ? आज इनके घरों में बैठे पढ़े लिखे युवाओ के पास कोई विकल्प नही हैं। केवल दूसरे राज्यों में पलायन के सिवा ? मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार बेरोजगारी के मुद्दे में पूरी तरह से फेल और मौन रही है। बीते वर्षों में कुंभ के मेले की तरह 12 वर्षों में आई राजस्व विभाग में पटवारी की नौकरी भी खुद भाजपा की भेंट चढ़ गई। प्रदेश में 6 हजार पदों पर 12 लाख आवेदन आए थे जिसमें 4 लाख से अधिक आवेदन करने वाले वो बेरोजगार थे, जिन्होंने इंजिनियर, एम बीए, और पीएचडी की परीक्षा उत्तीर्ण थी। जिसमें स्नातकोत्तर के 01 लाख 80 हजार, एमबीए के 80 हजार, इंजिनियर बीईज़ और बीटेक के 85 हजार और पीएचडी के 1000 छात्रों ने पटवारी परिक्षा के लिए आवेदन किया था और जिसके के लिए अभ्यर्थी से 300 रूपए फीस भी ली गई थी। इस परीक्षा में ऐसे मेहनतकश ईमानदार प्रतियोगी भी शामिल हुए थे जिनकी तैयारी वर्षों से चल रही थी जिनका परीक्षा में फेल होना संभव ही नही था । दूसरी तरफ भाजपा सरकार के भ्रष्ट तंत्र में उसी वर्ष ग्वालियर के एक ही सेंटर से 7 गधों ने टॉप करके सबको चौंका दिया था। जब हमारे सहयोगी पत्ररकारों इन टॉपर से बात की इनका इंटरव्यू लिया तो इसमें से एक टॉपर ने मध्यप्रदेश की राजधानी को ग्वालियर बनाकर रख दिया था। इससे बड़ी शर्मनाक की बात कुछ और नही हो सकती। एक ही सेंटर से टॉप करने का जब यह मामला सामने आया था उस समय शिवराज सरकार ने अपनी साख बचाने के लिए परीक्षा के बाकी परिणाम भी तुरंत रोक दिए। या यू कहिए कि एक प्रकार से पूरी परीक्षा के परिणाम ही रद्द कर दिए गए। जिन अभ्यर्थीयों ने मेहनत मजदूरी करके अपनी फीस भरी थी सरकार ने वो भी डकार गई। इन बेरोजगारों से लगभग 3 हजार 600 करोड़ रूपए फीस वसूली गई और न नौकरी मिली और ना ही फीस के रूपए वापस हुए। इस प्रकार सरकार ने उल्टे बेरोजगारों से ही अपनी तिजोरी भर ली । मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने अपने 22 वर्षों के कार्यकाल में बेरोजगारों को छला है कभी व्यापमं घोटाले में तो कभी पटवारी परीक्षा घोटाले में। यशोधरा राजे सिंधिया ने भी उस समय विधान सभा में इस बात को स्वीकारा था कि प्रदेश के रोजगार कार्यालयों में रजिस्टर्ड शिक्षित बेरोजगारों की संख्या उस समय 37 लाख 80 हजार 679 थी । जिन्हें आज तक रोजगार नही मिला । जिन्होंने इंतजार में अपनी उम्र निकाल दी। सितंबर से दिसंबर 2022 की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि मध्यप्रदेश में 2 करोड़ 50 लाख 97 हजार लोग ऐसे हैं जो बिल्कुल हर तरह के छोटे काम करने को मजबूर हैं, एक इंजिनियर भी मजदूरी करने को मजबूर है।

लेकिन इन्हें भी रोजगार नही मिलता। दुख इस बात का है कि इन आंकड़ो में 20 से 24 वर्ष की पढ़ी लिखी युवतियां है जिन्हें 82ज़41 प्रतिशत काम आज भी नही मिलता। यही वजह है की भाजपा की शिवराज सरकार के 17 वर्षों के दौरान भी प्रदेश में कई छात्र पढ़े लिखे बेरोजगारों ने आत्महत्या कर ली थी। मध्यप्रदेश सरकार के रोजगार देने की पोल खोलती एक रिपोर्ट जिसमें विधान सभा में वर्ष 2021-22 का आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया गया था जिसमें एक वर्ष में 5ज़51 लाख बेरोजगार युवाओ का बढ़ा हुआ यह आंकड़ा सभी को हैरान करता है इसी वर्ष शिक्षित बेरोजगारों की संख्या बढ़कर 95 ज़07 प्रतिशत हो गई थी लेकिन सरकार ने किसी को भी रोजगार उपलब्ध नही करा पाई। यही वजह रही है कि प्रदेश में लगातार बढ़ती बेरोजगारों की संख्या चरम पर पहुंच गई। दुख और शर्म की बात कि कुछ वर्ष पहले भी विभिन्न विभागों में चपरासी और चौकीदार के पदों की भर्ती भी आई थी। इस चतुर्थ श्रेणी के 1333 पदों के लिए सरकार ने ऑठवी पास योग्यता रखी थी लेकिन मध्यप्रदेश के बहुत बढ़े लिखे बेरोजगार युवाओ का दुर्भाग्य देखिए की रोजगार ना मिलने के चलते उन्होंने यहां पर भी आवेदन किया था जिसमे भी बी टेक, इंजिनियर, एमकॉम, एम एससी ,और एम ए पढ़ लिखे डिग्री धारियों ने इस पोस्ट के लिए आवेदन किए थे। इसमें कुल 4 लाख आवेदन आए थे जिसमें 62 हजार इन बड़ी डिग्री धारियों के थे। यही वजह रही की इन में से कुछ बेरोजगार को रोजगार नही मिलने से इनमें इस हद तक निराशा थी कि इन्हें अपने उज्जवल भविष्य बनते नही दिखाई दे रहा था इस कारण इन्होंने अत्महत्या कर ली । देश का सबसे बड़ा महा परीक्षा घोटाला मध्यप्रदेश में हुआ है। जिसे व्यापमं परीक्षा कहा जाता था इस परीक्षा के माध्यम से बड़े बड़े पदों की सीधी भर्ती की जाती थी।

मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार जैसे ही सत्ता में आई और आते ही व्यापमं घोटाला का बाजार सजा दिया । इस घोटाले का पहला रूप पीएमटी फर्जीवाड़ से संबंधित था। यह टेस्ट परीक्षा भी 13 विभागों से अधिक में सरकारी नौकरी में सीधी भर्ती के लिए थी। इस व्यापमं परीक्षा में प्रदेश के 75 लाख से अधिक युवाओ के भविष्य के साथ खिलवाड़ प्रदेश की भाजपा सरकार ने किया जिसका इल्ज़ाम भी विपक्ष ने लगाया और दो बार सदन में इस विषय को लेकर हंगामा भी किया गया ।

इस महा घोटाले के संदर्भ में तो स्वयं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष 2006 में विधान सभा में जांच कराने की बात स्वीकारी थी । मगर हजारों युवाओ को बर्बाद करने वाले इस घोटाले पर अब तक पर्दा ही डालकर रखा गया है । यह घोटाला इतना बड़ा था कि स्वयं सीबीआई ने भी इस घोटाले की व्यापकता को देखते हुए सर्वोच्च अदालत में इसकी जांच में अपनी असमर्थता दिखाई थी। यह बेहद शर्मनाक तथ्य है कि व्यवसायिक परीक्षा मंडल ने न सिर्फ युवाओ के भविष्य को लूटा बल्कि बीते 10 साल में उसने इन बेरोजगार युवाओ से 1046 करोड़ रुपए फीस के रूप में वसूल करके शुध्द रूप से 455 करोड़ रूपया भी कमा लिए। यही नही समय आने पर सबूत मिटाने के लिए भाजपा सरकार ने सतपुड़ भवन व कभी वल्लभ भवन में अग्निदेव का सहारा भी लिया है जिसे प्रदेश का बच्चा-बच्चा भी जानता है। इसके बाद भी सरकार को कोई फर्क नही पड़ा । भाजपा सरकार अपने विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड जारी करती है। जनता और मीडिया के सामने रिपोर्ट कार्ड से बेरोजगार शब्द भी ही हटा दिया गया। मध्यप्रदेश में बेरोजगारों को भाजपा सरकार ने केवल छला और निराशा ही किया है। और आज दिन तक सरकार ने बेरोजगारों के लिए कोई ठोस और जमीनी विकल्प नही खोज पाई।

अब मध्यप्रदेश में पढ़े लिखे युवा जो कभी पलायन नही करते थे अब वो भी अन्य राज्यों में पलायन कर रहें हैं। आप किसी भी रेलवे-स्टेशन पर चले जाइए आपको शिक्षित बेरोजगार पलायन करते नजर आ जाऐंगे।

- मयंक डहेरिया

छत्तीसगढ़ की राजनीति और नक्सलवाद- दामाद की संज्ञा में उलझी सियासत

छत्तीसगढ़ की राजनीति में नक्सलवाद एक बार फिर एक बड़े राजनीतिक विवाद का कारण बन गया है। कुरुद के विधायक और भारतीय जनता पार्टी के फायरब्रांड नेता अजय चंद्राकर ने हाल ही में कांग्रेस पर नक्सलियों को दामाद कहकर हमला बोला, जिसके बाद कांग्रेस की ओर से तीखा पलटवार करते हुए पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने पूंजीपतियों अदानी-अंबानी को दामाद बताकर भाजपा पर पलटवार किया। इस बयानबाज़ी ने न केवल प्रदेश की राजनीतिक बहस को गर्मा दिया, बल्कि एक बार फिर यह सवाल उठाया कि क्या नक्सलवाद को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है? छत्तीसगढ़ विधानसभा में भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पर यह आरोप लगाया कि नक्सली कांग्रेस के दामाद हैं। उनके अनुसार, जब-जब नक्सली आए, कांग्रेस ने वैसा ही स्वागत किया जैसा कोई दामाद का करता है। उनका तर्क है कि 1980 के दशक में जब छत्तीसगढ़ (तत्कालीन मध्यप्रदेश का हिस्सा) पूरी तरह कांग्रेस के अधीन था, तब आदिवासी क्षेत्रों में कोई ठोस विकास कार्य नहीं हुआ, जिसके चलते वहां नक्सलियों की पैठ बनी। वे इसे कांग्रेस की शोषणकारी राजनीति का परिणाम बताते हैं। उनके बयान में यह भी संकेत था कि कांग्रेस की सरकारों ने नक्सल समस्या को गंभीरता से लेने की बजाय कभी-कभी उनके प्रति नरमी दिखाई, जिससे उनकी ताकत बढ़ी। चंद्राकर ने कांग्रेस को आदिवासी हितों का सबसे बड़ा शोषक करार देते हुए कहा कि अगर आज छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद जिंदा है तो उसकी जड़ें कांग्रेस की नीतियों में हैं। अजय चंद्राकर के इस बयान पर कांग्रेस की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई। पूर्व मंत्री अमरजीत सिंह भगत ने कहा कि अजय चंद्राकर का बयान पूरी तरह से निराधार और असत्य है। भगत ने पलटवार करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार (भाजपा) के संरक्षण में छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों में वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही है और औद्योगिकरण के नाम पर जंगल उजाड़े जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अदानी-अंबानी जैसे पूंजीपतियों का प्रदेश में दामाद की तरह स्वागत हो रहा है। अमरजीत भगत का तर्क था कि आज अगर बस्तर-संरगुजा में विस्थापन, वनाधिकार हनन और औद्योगिक शोषण हो रहा है तो उसकी जि़म्मेदार भाजपा की आर्थिक नीतियाँ हैं, जिनके केंद्र में कॉर्पोरेट घरानों के हित हैं, न कि आदिवासियों के हक। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद कोई नई समस्या नहीं है। इसकी जड़ें 1970-80 के दशक में उस समय पड़ीं जब आदिवासी क्षेत्रों में भूमि, वन और खनिज संसाधनों की लूट शुरू हुई और राज्यतंत्र की पहुँच वहां नहीं थी। ये क्षेत्र लंबे समय तक विकास से वंचित रहे, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोज़गार और मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी थी। नक्सलवाद ने शुरू में एक 卐विरोध की आवाज़卐 के रूप में स्थान पाया। उसने स्थानीय आदिवासियों की ज़मीन, जंगल और अधिकारों की रक्षा के नाम पर समर्थन हासिल किया। लेकिन समय के साथ यह आंदोलन भी हिंसा, खून-खराबा और आतंक का पर्याय बन गया। अब यह सवाल उठने लगा है कि नक्सलवाद की पृष्ठभूमि में कौन जि़म्मेदार है शोषक सरकारें, कॉर्पोरेट-राजनीति गठजोड़ या आदिवासी हितों की अनदेखी? छत्तीसगढ़ में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही समय-समय पर नक्सलवाद को अपने-अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करते रहे हैं। जब कांग्रेस सत्ता में थी तो भाजपा इसे नक्सलियों के प्रति नरम रवैया बताकर हमला करती थी। अब भाजपा सत्ता में है तो कांग्रेस भाजपा पर पूंजीपतियों के संरक्षण में जंगल उजाड़ने और आदिवासियों को बेदखल करने का आरोप लगा रही है। यह दामाद शब्द की राजनीति असल में मुद्दों से भटकाव पैदा करती है। नक्सलवाद जैसे गंभीर और जटिल विषय को राजनीतिक तकरार का हिस्सा बनाकर दोनों ही दलों ने साबित किया है कि वे समस्या के समाधान में नहीं, उसे भुनाने में रुचि रखते हैं। छत्तीसगढ़ का बड़ा हिस्सा वन और खनिजों से समृद्ध है। बस्तर, सरगुजा, कांकेर, बीजापुर, दंतेवाड़ा जैसे इलाके अयस्क, कोयला, बॉक्साइट आदि से भरपूर हैं। पर यही संसाधन इन क्षेत्रों के लिए अभिशाप भी बन गए हैं। बड़े-बड़े खनन प्रोजेक्ट्स, स्टील प्लांट्स और औद्योगिक कॉरिडोरों के लिए आदिवासियों को उनकी भूमि से विस्थापित किया गया, वो भी नाममात्र के मुआवज़े पर। वनाधिकार अधिनियम 2006 के बावजूद आज भी हजारों आदिवासी परिवारों को उनके हक से वंचित रखा गया है। जंगल कट रहे हैं, नदियां सूख रही हैं, और इसके बदले स्थानीय लोगों को बेरोजगारी, पलायन और शोषण का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा सरकार कॉर्पोरेट घरानों के साथ खड़ी है। विशेष रूप से अदानी और अंबानी जैसे समूहों को खदानें, बिजली प्रोजेक्ट्स, ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर और औद्योगिक पार्कों के ठेके मिल रहे हैं। इसके बदले आदिवासी क्षेत्रों को उजाड़ा जा रहा है। यहाँ ये सवाल उठता है ङ्क क्या विकास की कीमत आदिवासियों की संस्कृति, पहचान और अधिकारों की बलि देकर चुकाई जा रही है? क्या सरकारें केवल उन निवेशकों के लिए नीति बना रही हैं जो पूंजी लाते हैं, जबकि स्थानीय समुदायों को 卐विकास की बाधा卐 मानकर नज़रअंदाज़ कर दिया गया है? सरकारें नक्सलवाद को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानती रही हैं, जबकि यह एक सामाजिक-आर्थिक विसंगति की उपज है। पुलिस और सेना की कार्रवाई, सड़क, बिजली और मोबाइल नेटवर्क जैसी सुविधाएं एक स्तर तक असरदार हो सकती हैं, पर जब तक मूलभूत हक जैसे भूमि का स्वामित्व, शिक्षा, रोज़गार और राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक यह समस्या उभरती ही कौन किसका दामाद है? ङ्क यह सवाल सिर्फ एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि हमारे लोकतांत्रिक विमर्श के पतन की निशानी है। नक्सलवाद, आदिवासी हित, औद्योगिकरण, विस्थापन ङ्क ये सब गंभीर विषय हैं, जिन पर ठोस नीति, विचार और बहस की जरूरत है। लेकिन दुर्भाग्यवश, यह सब मुद्दे अब बयानबाजी, आरोप-प्रत्यारोप और भावनात्मक प्रोपेगेंडा तक सीमित होकर रह गए हैं। छत्तीसगढ़ के लिए आगे की राह सिर्फ सुरक्षा बलों के भरोसे नहीं हो सकती। सरकार को चाहिए कि वह नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आदिवासियों के साथ भरोसे की साझेदारी बनाए। ग्राम सभा को अधिकार दें, वनाधिकार कानून को लागू करें, स्थानीय युवाओं को रोज़गार दें और शिक्षा-स्वास्थ्य की आधारभूत संरचना पर ज़ोर दें। साथ ही, राजनीतिक दलों को भी इस विषय पर जिम्मेदारी से बात करनी चाहिए। नक्सलवाद को सिर्फ एक दामाद की उपमा देकर उसका उपहास उड़ाना, या पूंजीपतियों को दामाद बताकर राजनीतिक अंक बटोरना ङ्क ये दोनों ही प्रवृत्तियाँ समाधान की नहीं, बल्कि समस्या को और गहरा करने वाली हैं। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद सिर्फ एक सुरक्षा समस्या नहीं है, यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विफलताओं का समुच्चय है।

सत्यप्रकाश दुबे

103 वाँ अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस 5 जुलाई 2025 -सहकारिता एक बेहतर दुनियाँ के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान है

वैश्विक स्तरपर सर्वविदित है कि किसी भी क्षेत्र में कोई भी काम अकेले करते हैं तो उनकी क्षमता सीमित होती है परंतु यदि वही एक से अधिक व्यक्तियों के सामूहिक कार्यों से किया जाए तो उनकी ताकत, बल, संसाधन,ज्ञान तेजी से कई गुना अधिक हो जाता हैजिसमें आने वाली हर चुनौतियों का मुकाबला कर सफलता पानें की सटीक कुंजी है,यानें हम आपसी सहयोग कर एक संगठन बनाकर, जिसे सहकारी समिति कहा जाता है, कोई भी काम मजबूती से कर सकते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सहकारी समितियां एक और एक ग्यारह की तरह काम करती हैं क्योंकि वे सदस्यों के सामूहिक प्रयासों और सहयोग के माध्यम से अधिक ताकत और सफलता प्राप्त करती हैं। व्यक्तिगत रूप से, सदस्यों की क्षमताएं सीमित हो सकती हैं, लेकिन जब वे एक साथ आते हैं और एक सहकारी समिति के रूप में काम करते हैं, तो वे अधिक संसाधन, ज्ञान और शक्ति प्राप्त करते हैं, जिससे वे बड़ी चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और अधिक हासिल कर सकते हैं।संसाधनों का एकीकरण, जोखिम साझा करना,ज्ञान और विशेषज्ञता का आदान-प्रदान,बार्गेनिंग पावर, सामुदायिक विकास का लक्ष्य होता है, क्योंकि सब मिलकर कर रहे हैं, इसीलिए ही हम 5 जुलाई 2025 शनिवार को हम अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस मना रहे हैं। चूंकि वैश्विक स्तरपर सहकारी उद्यनशीलता पारिस्थितिकी तंत्र प्रतिष्ठा को मजबूत करना, सहयोगपूर्ण कानून व नीतिगत कार्य मील ?ा पत्थर साबित होगा, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सहकारिता एक बेहतर विश्व का निर्माण करती है, सहकारिता क्षेत्र में आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक संगम से सटीक सफलता की गारंटी हैँ, सहकारिता एक बेहतर दुनियाँ के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान है।

साथियों बात अगर हम 5 जुलाई 2025 शनिवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारी दिवस मनानेकी करें तो सहकारिताः बेहतर विश्व के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान को आगे बढ़ाना इस वर्ष का आयोजन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है,क्योंकि यह संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के दौरान हो रहा है - एक दुर्लभ, दशक में एक बार आने वाला अवसर,जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक लचीले समाजों के निर्माण में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। बढ़ती वैश्विक चुनौतियों के दौर में, इस वर्ष की थीम बहुत कुछ कहती है। सहकारी समितियाँ - अपने सदस्यों के स्वामित्व वाली और उनके द्वारा संचालित व्यवसाय - यह दिखा रही हैं कि लाभ से पहले लोगों, ग्रह और उद्देश्य को प्राथमिकता देकर मजबूत समुदायों का निर्माण कैसे संभव है। स्वास्थ्य और आवास से लेकर कृषि, वित्त और स्वच्छ ऊर्जा तक, सहकारी समितियाँ वास्तविक दुनिया के समाधान प्रदान कर रही हैं जो समावेशी, लोकतांत्रिक और टिकाऊ हैं।कॉप्सडे 2025 दो प्रमुख वैश्विक प्रयासों से भी जुड़ता हैः संयुक्त राष्ट्र का उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच , जो प्रमुख सतत विकास लक्ष्यों की समीक्षा कर रहा है, और सामाजिक विकास के लिए आगामी दूसरा विश्व शिखर सम्मेलन । ये मील के पत्थर हमें याद दिलाते हैं कि सहकारी समितियाँ केवल स्थानीय समाधान नहीं हैं - वे बदलाव के लिए एक वैश्विक आंदोलन का हिस्सा हैं।सहकारी दिवस 2025 मनाने में हमारे साथ शामिल हों , और जागरूकता बढ़ाने में मदद करें कि कैसे सहकारी समितियां बेहतर विश्व के लिए प्रगति में सहायक हो रही हैँ। इस वर्ष के आयोजन के उद्देश्य (1)जन जागरूकता बढ़ाएँ ः सतत विकास में सहकारी समितियों के योगदान पर प्रकाश डालें। (2) वृद्धि और विकास को बढ़ावा देना ः सहकारी समितियों के लिए उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र और प्रतिष्ठानों को मजबूत करना। (3) सहायक ढांचे की वकालत करना ः वैश्विक स्तर पर सहकारी समितियों के लिए सक्षम कानूनी और नीतिगत वातावरण के निर्माण को प्रोत्साहित करना। (4) नेतृत्व को प्रेरित करना ः उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व को बढ़ावा देना और युवाओं को सहकारी आंदोलन में शामिल करना।

साथियों बात अगर हम सहकारिता को समझने की करें तो,सहकारिता आंदोलनसहकारी समितियों को ऐसे संघों और उद्यमों के रूप में स्वीकार किया गया है जिनके माध्यम से नागरिक अपने समुदाय और राष्ट्र की आर्थिक,सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उन्नति में योगदान करते हुए अपने जीवन को प्रभावी ढंग से बेहतर बना सकते हैं। सहकारी आंदोलन को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों मामलों में एक विशिष्ट और प्रमुख हितधारक के रूप में भी मान्यता दी गई है।सहकारी समितियों का खुला सदस्यता मॉडल धन सृजन और गरीबी उन्मूलन तक पहुँच प्रदान करता है। यह सदस्यों की आर्थिक भागीदारी के सहकारी सिद्धांत से उत्पन्न होता हैः सदस्य अपनी सहकारी समिति की पूंजी में समान रूप से योगदान करते हैं और लोकतांत्रिक रूप से नियंत्रित करते हैं। क्योंकि सहकारी समितियाँ पूंजी-केंद्रित नहीं बल्कि व्यक्ति-केंद्रित होती हैं, इसलिए वे पूंजी संकेन्द्रण को न तो कायम रखती हैं और न ही बढ़ाती हैं और वे अधिक निष्पक्ष तरीके से धन वितरित करती हैं।सहकारी समितियाँ बाहरी समानता को भी बढ़ावा देती हैं। चूँकि वे समुदाय-आधारित हैं, इसलिए वे अपने समुदायों के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं - पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक रूप से। यह प्रतिबद्धता सामुदायिक गतिविधियों के लिए उनके समर्थन,स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ पहुँचाने के लिए आपूर्ति के स्थानीय स्रोत और निर्णय लेने में देखी जा सकती है जो उनके समुदायों पर पड़ने वाले प्रभाव पर विचार करती है।स्थानीय समुदाय पर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद, सहकारी समितियाँ अपने आर्थिक और सामाजिक मॉडल के लाभों को दुनिया के सभी लोगों तक पहुँचाने की आकांक्षा रखती हैं।वैश्वीकरण को सहकारी आंदोलन जैसे मूल्यों के एक समूह द्वारा नियंत्रित किया जाना चाहिए; अन्यथा, यह अधिक असमानता और अतिरेक पैदा करता है जो इसे अस्थिर बनाता है।सहकारी आंदोलन अत्यधिक लोकतांत्रिक, स्थानीय रूप सेस्वायत्त, किन्तु अंतर्राष्ट्रीय रूप से एकीकृत है, तथा संघों और उद्यमों के संगठन का एक रूप है, जिसके तहत नागरिक स्वयं सहायता और अपने स्वयं के उत्तरदायित्व पर निर्भर रहते हैं, ताकि वे ऐसे लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें, जिनमें न केवल आर्थिक, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय उद्देश्य भी शामिल हैं, जैसे गरीबी पर काबू पाना, उत्पादक रोजगार सुनिश्चित करना और सामाजिक एकीकरण को प्रोत्साहित करना।

साथियों बात कर हम 3 जुलाई 2025 को नई दिल्ली के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में सहकारिता का यह कार्यक्रम करने की करें तो, नई दिल्ली के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड द्वारा सहकारिता मंत्रालय और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भारत ऑर्गेनिक्स मेला 2025 का उद्घाटन किया। भारत ऑर्गेनिक्स मेला इस बात का उदाहरण है कि कैसे सहकारी मॉडल छोटे किसानों को सशक्त बना सकता है और भारतीय घरों तकसुरक्षित जैविक भोजन पहुँचा सकता है।एनसीओएल जैविक खेती को किसानों के साथ एक राष्ट्रीय जन आंदोलन में बदल रहा है। 19 राज्यों की 7,000 से अधिक सहकारी समितियों के साथ, भारत ऑर्गेनिक्स एक मजबूत, विश्वसनीय और समावेशी आपूर्ति श्रृंखला बना रहा है जो भारत के जैविक उत्पादकों को घरेलू और वैश्विक उपभोक्ताओं से जोड़ती है। एनसीओएल का लक्ष्य अगले दशक में घरेलू जैविक बाजार में अग्रणी खिलाड़ियों में से एक बनना है और भारत के लिए किसान- स्वामित्व वाला, पारदर्शी और स्केलेबल जैविक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना जारी रखेगा।

साथियों बात अगर हम सहकारीता दिवस के इतिहास की करें तो, संक्षिप्त इतिहास सहकारी संस्था का सबसे पहला अभिलेख 14 मार्च 1761 में स्कॉटलैंड से मिलता है। 1844 में उत्तरी इंग्लैंड में कपास मिलों में काम करने वाले 28 कारीगरों के एक समूह ने पहला आधुनिक सहकारी व्यवसाय स्थापित किया। 16 दिसंबर 1992 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने संकल्प ए/आरईएस/47/90 में आधिकारिक तौर पर जुलाई 1995 के पहले शनिवार को पहला अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस घोषित किया। यह तिथि अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन की स्थापना की शताब्दी को चिह्नित करने के लिए चुनी गई थी।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सहकारिता एक बेहतर विश्व का निर्माण करती है सहकारिता क्षेत्र में आर्थिक सामाजिकराजनीतिक संगम हो तो सटीक स?लता की गारंटी,103 वाँ अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस 5 जुलाई 2025- सहकारिता एक बेहतर दुनियाँ के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान है,वैश्विक स्तरपर सहकारी समितियों के लिए उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र और प्रतिष्ठानों को मजबूत करना,सहयोगपूर्ण कानून, नीतिगत कार्य मील का पत्थर साबित होगा।

किशन सनमुखदास भावननीं

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। लेवाली सामान्य रहने से शुक्रवार को खाद्य तेलों में सुस्ती रही। तिलहनों में बाजार बने रहे। दलहनों में चना मजबूती पर रहा। किराना जिंसों में नारियल व खोपरा गोला मजबूती पर रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में लेवाली सामान्य रहने से बाजार सुस्ती के देखे गये। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनों में चना 6000-6075 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत देखा गया। उधर, किराना जिंसों में नारियल में पूछपरख से बाजार मजबूती के देखे गये। शक्कर में सुस्ती आयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4080-4110, खोपरा गोला 360-390, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 6900-7100, सौंफ मोटी 100-130, बेस्ट 185-285, एस्ट्रा बेस्ट 340-450, सौंफ बारिक 290-350, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 950-1200, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3400-3500, (160) 4400-4500, (200) 4800-4900, (250) 5200-5500

तेल- सींगदाना 1410-1430, मुम्बई 1415, राजकोट तेलिया 2205, सोया साल्वेंट 1115-1120, सोया रिफाइंड 1180-1190, कपास्या 1255, धूलिया 1260, कड़ी 1260,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1375, मुम्बई पाम 1170, मुम्बई सोया 1210,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6500, रायडा 5800-6000, सोयाबीन 4200-4250, टोली (महुआ बीज) 4300-4450, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6075, एवरेज 5200-5500, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7100-7200, पाला 7200-7300, चमकी 7200-7300, नायलोन 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। किन्तु विदेशी बाजारों की अगुवाई में चॉंदी बड़ाकर बोली गयी। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 107000, चॉंदी (99) 106900, टंच 106100, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 97500,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 85.39 रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले शुरुआती कारोबार में रुपया 21 पैसे मजबूत होकर 85.34 प्रति डॉलर पर पहुंच गई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वियतनाम के साथ व्यापार समझौते की घोषणा की है और इससे यह उम्मीद देखी जा रही है कि शुल्क बढ़ाने की नौ जुलाई की समयसीमा से पहले शायद इस तरह के और समझौते हो सकते हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.44 पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 85.34 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त दिखाता है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए समस्याओं भरा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस में यदि पार्टनरशिप में कोई डील फाइनल करेंगे, तो वह आने वाले समय में आपको अवश्य समस्या देगी। आप किसी परिजन के घर जा सकते हैं। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपकी तरक्की की राह में आ रही बाधा दूर होगी और आप अपने घर के रिनोवेशन का काम भी शुरू कर सकते हैं, जो विद्यार्थी कहीं बाहर जाकर पढ़ने की सोच रहे थे, तो उन्हें कोई बेहतर अवसर हाथ लगेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। नौकरी में आपको प्रमोशन मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ सकती है, लेकिन आप सभी कामों को समय से निपटाने की पूरी कोशिश करेंगे। आप किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं। भाई व बहनों से आपकी खूब पटेगी और रक्त संबंधी रिश्तो में मजबूती आएगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। संतान के करियर को लेकर कोई डिसीजन आप थोड़ा धैर्य रख कर ले और आपकी बेवजह क्रोध करने की आदत के कारण परिवार के सदस्य भी नाराज रहेंगे। आपको अपनी डाइट पर भी पूरा ध्यान देना होगा, नहीं तो कमजोरी महसूस हो सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस में चल रही समस्याओं को लेकर परेशान रहेंगे, जिसके लिए आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से बातचीत की आवश्यकता होगी। शेयर मार्केट में आप थोड़ा सोच समझकर इन्वेस्टमेंट करें। आपका डूबा हुआ धन आपको मिल सकता है। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको किसी काम को लेकर जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा, लेकिन आपके लंबे समय से रुके हुए काम आसानी से पूरे होंगे। आप अपने घर के कामों में भी कोई बदलाव करने की सोचेंगे और रखरखाव पर भी पूरा ध्यान देंगे। आपके परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। सरकारी योजनाओं में धन लगाने से आपको बेहतर लाभ मिलेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप कामों को लेकर योजना तो बनाएंगे, लेकिन आपकी कुछ योजनाओं पर विराम लग सकता है। लेकिन आपको उससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। आप अपनी मेहनत जारी रखें। संतान की फरमाइश पर आप उन्हें कहीं घुमाने लेकर जा सकते हैं। आप अपने खर्चों को थोड़ा कंट्रोल करके चले, नहीं तो आने वाले समय में आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपके घर परिवार में यदि किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप अपने घर मे किसी पूजा-पाठ का आयोजन कर सकते हैं। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप किसी दूसरे की मदद के लिए भी आगे आएंगे।

वृश्चिक- आज का दिन किसी नई संपत्ति की खरीदारी के लिए रहेगा। आपकी सेहत कमजोर रहेगी। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। किसी पैतृक संपत्ति संबंधित मामले में आप बड़े सदस्यों से राय अवश्य लें, तभी फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। आप जीवनसाथी के लिए कोई नए बिजनेस की शुरुआत कर सकते हैं। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी को लेकर लॉन्ग ड्राइव पर जाने की योजना बनाएंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा। किसी नए काम की शुरुआत करना आपके लिए अच्छा रहेगा। दोस्त आपको इन्वेस्टमेंट संबंधित कोई प्लान बता सकते हैं, जिसमें आप थोड़ा सोच समझकर ही धन लगाए। आपको किसी कानूनी मामले में निराशा हाथ लगेगी। आपकी बिजनेस को लेकर कोई रुकी हुई डील फाइनल हो सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में अच्छा रहने वाला है। आप इधर-उधर के कामों पर ध्यान थोड़ा कम लगाएंगे। आपको किसी दूसरे के मामले में भी बेवजह बोलने से बचना होगा। आप दिल से काफी खुश रहेंगे, इसलिए आप अच्छा सोचेंगे। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान-सम्मान दिलवाएगी। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से यदि खटपट चल रही थी, तो उसे भी आप दूर करने की पूरी कोशिश करेंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मेहनत व ईमानदारी से काम करने के लिए रहेगा। आप गलत तरीके से धन कमाने से बचें और आपको संतान के करियर पर पूरा ध्यान देना होगा, उन्हें एक नई राह दिखानी होगी। जीवनसाथी की सेहत में कुछ गिरावट आ सकती है, जिसको लेकर आप लापरवाही बिल्कुल ना करें। आपका कोई दूर रह रहा परिजन आपसे मेल मुलाकात करने आ सकता है।

मीन- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपका कार्यक्षेत्र मे काम को लेकर आइडिया बॉस को खूब पसंद आएगा और वह आपसे काफी खुश रहेंगे। आपके प्रमोशन की बात भी आगे बढ़ सकती है। जीवनसाथी आपके कामों में आपका पूरा साथ देगी। आप अपने परिवार के सदस्यों को साथ मिल-बैठकर कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे।

शब्दजाल - 7950

शब्दजाल में 'मुमताज' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे व तिरछे हैं।

आ	व	मे	रि	दु	ला	से	ह	रा	ट	र्जी
क	ग	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	प	नी
सू	पी	अ	न	प	ढ़	बा	द	ह	त्थ	ल
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	ह	र	प्रे
ज	रा	म	न	ह	ला	कि	यो	के	मे	
रो	इ	वि	मो	ग	प	म	शी	ह	स	रे
न	वी	ल	र	व	मा	जो	र	व	न	स
क	रि	र	य	र	प	म	ज	म	न	
रा	म	औ	र	श्या	म	ज	जी	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	ला	व	प	स	री	टि	प
बां	स	सा	ज	ल	ड़	का	ल	ड़	की	ल

सेहरा, मेरे सनम, हमराज, सूरज, पत्थर के सनम, रोटी, राम और श्याम, अनपढ़, आग, लड़का लड़की

शब्दजाल - 7949 का हल

[illegible]										
क	व	रि	फ	जी	प	बा	ज	न	व	ड़
श	एं	वा	ई	ला	ब	ई	डू	ए	श	व्हा
मी	ड	ल	फू	ल	तू	र	स	त्या	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	न	ला	कौ	ल	द
वि	ज	अ	ग्नि	खू	ब	सू	र	त	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6894

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाषा की 'दुनिया हसीनों का' गात वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गात वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमी' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग चला बहार चली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंगदे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजाक में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'विल यू मैरी मी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम है राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'अरे बाबा अरे बाबा' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 6893

बु	लं	दी		अं	दा	ज		य	श
ड्ढा		पा	की	जा		मी	ना		ह
मि	ली			म	द	र		स	जा
ल		सू	र्या		डॉ		शा	र	दा
ग	द	र		ध	न	वा	न		
या		ज	ख्मी			रि		जी	त
	डि			वि	रा	स	त		र
अ	नो	खा	अं	दा	ज		ला	ड़	ला
ना		मो		ई		जो	श		
ड़ी		शी	बा		ड	र		जु	र्म

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8418

बाएँ से दाएँ

1. रोशनी-3
4. आशा, उम्मीद-2
5. एक प्रकार की बंगाली मिठाई-2,3
7. भ्रमण, घूमना-3
9. फिज़ूल, व्यर्थ ही-3
11. गुनाह, जुर्म-4
12. स्नान करवाना-4
14. डग, पांव, पैर-3
16. मक्खन (अंग्रेजी-3)
18. रावण, दशानन-5
19. टेलीफोन, दूरभाष-2
20. असली, शुद्ध-3

ऊपर से नीचे

1. वार, घात-3
2. आश्रय, पनाह-3
3. पायल की आवाज-4
4. दर्पण, शीशा-3
6. चिपकू, जलौका-2
8. स्वयं की पसंद का, स्वरुचिकर-2,3
10. हकलाना, अटक-अटक कर बोलना-5
13. पशु, जन्तु-4
14. मजार, मकबरा-2
15. कामदेव-3
16. बारिश, बरसात-3
17. धनवान, संपन्न-3

शब्द पहेली - 8417 का हल

[illegible]

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

5 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

(कुंडली: ४ बुध, ५ मंगल केतु, सूर्य ३ गुरु, शुक्र २, १, ६, १२ शनि, ९, चंद्र ७, ८, राहु ११, १०)

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.13 बजे से
चंद्र	तुला में	सिंह	08.29 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.41 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.52 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.06 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.22 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.28 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.14 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.47 बजे से
राहुकाल		मेष	00.17 बजे से
9.00 से 10.30		वृष	01.57 बजे से
बजे तक		मिथुन	03.56 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 186 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 18.59 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 19.52 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 20.36 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 05.47 बजे तदनन्तर गर 18.59 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 09.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 47'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872396
जूलियन दिन 2460861.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 09
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः आकाश का चांद

एक व्यक्ति एक प्रसिद्ध संत के पास गया और बोला, 'गुरुदेव, मुझे जीवन के सत्य का पूर्ण ज्ञान है। मैंने शास्त्रों का कफी अध्ययन भी किया है। फिर भी मेरा मन किसी काम में नहीं लगता। जब भी कोई काम करने बैठ्ता हूं तो मन भटकने लगता है और मैं उस काम को छोड़ देता हूं। इस अस्थिरता का कारण क्या है ? कृपया मेरी इस समस्या का समाधान कीजिए।' संत ने उसे रात का इंतजार करने को कहा। रात होने पर वह उसे एक झील के पास ले गए और झील के अंदर चांद के चमचमाते प्रतिबिंब को दिखाकर बोले, ' एक चांद आकाश में है और एक झील में। तुम्हारा मन इस झील की तरह है। तुम्हारे पास ज्ञान तो है लेकिन तुम उसका उपयोग करने के बजाय सिर्फ उसे अपने मन में लेकर बैठे हो, ठीक उसी तरह जैसे झील असली चांद का प्रतिबिंब लेकर बैठी है। तुम्हारा ज्ञान तभी सार्थक हो सकता है जब तुम उसे व्यवहार में एकाग्रता व संयम के साथ अपनाने की कोशिश करो। झील का चांद तो मात्र एक भ्रम है। भला यह चांद मुक्त आकाश के चंदमा की बराबरी कहां कर सकता है ? उसी तरह तुम्हें काम में मन लगाने के लिए स्वयं को आकाश के चंदमा की तरह बनाना है, झील के चंदमा की तरह नहीं। झील का चंदमा पानी में कंकड़-पत्थर गिरने पर हिलने लगता है, जिस तरह तुम्हारा मन जरा-जरा सी बात में डोलने लग जाता है। तुम्हें अपने ज्ञान व विवेक को जीवन में नियमपूर्वक प्रयोग में लाना होगा तभी तुम्हारा जीवन सार्थक हो सकेगा और तुम अपना लक्ष्य हासिल कर सकोगे। खुद को आकाश का चांद बनाओ फिर तुम्हें कोई शिकायत नहीं होगी। हां, इसमें तुम्हें शुरू में थोड़ी परेशानी आएगी किंतु कुछ समय बाद तुम अभ्यस्त हो जाओगे।' व्यक्ति संत के इस उदाहरण को भलीभांति समझ गया और अपने जीवन में दृढ़ निश्चय कर एकाग्रता से काम करने लगा।

सूडोकु नवताल- 7203

★★★✫☆ मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7202 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई पर बीच में उसमें गिरावट आने लगी हालांकि अंत में खरीदीदारी से बाजार में उछाल आया और ये हरे निशान पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 193.42 अंक बढ़कर 83,432.89 अंकों पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 55.70 अंकों के उछाल के साथ ही 25,461.00 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए, जबकि बाकी की 10 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह निफ्टी की 50 में से 31 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ उछला के साथ बंद हुए। वहीं 19 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा 1.60 फीसदी ऊपर आये जबकि टाटा ग्रुप के ट्रेंट के शेयर आज सबसे ज्यादा 11.93 फीसदी गिरे। सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज इंफोसिस के शेयर 1.38 फीसदी , हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.19फीसदी , आईसीआईसीआई बैंक 1.14 फीसदी , एचसीएल टेक 0.92 फीसदी , अल्ट्राटेक सीमेंट 0.81 फीसदी , बजाज फिनसर्व 0.68 फीसदी , एसबीआई 0.59 फीसदी , टीसीएस 0.57 फीसदी , रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.56 फीसदी , एक्सिस बैंक 0.50 फीसदी , एचडीएफसी बैंक 0.38 फीसदी , एलएंडटी 0.35 फीसदी , बीईएल 0.33 फीसदी , एनटीपीसी 0.21 फीसदी , टाइटन 0.17 फीसदी बढ़कर बंद हुए। वहीं टाटा स्टील के शेयरों में 1.72 फीसदी , टेक महिंद्रा 1.13 फीसदी , मारुति सुजुकी 0.87 फीसदी , अडाणी पोर्ट्स 0.42 फीसदी , महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.34 फीसदी , आईटीसी 0.24 फीसदी के अलावा टाटा मोटर्स के शेयरों में 0.21 फीसदी की गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह बाजार में हल्की तेजी रही है। सेंसेक्स 67 अंकों की बढ़त के साथ 83,307 के स्तर पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी 13 अंकों की तेजी के साथ 25,418 पर पहुंच गया। आज सुबह बैंकिंग, मेटल और रियल्टी शेयरों में बिकवाली का दबाव देखने को मिला, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों की नजर इस खबर पर थी कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौता जल्द हो सकता है, जिससे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा 9 जुलाई से लागू किए जाने वाले टैरिफ से राहत मिल सकती है।

भारत-अमेरिका के बीच मिनी ट्रेड डील की तैयारी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच 9 जुलाई से पहले एक मिनी ट्रेड डील की घोषणा की जा सकती है। यह डील दोनों देशों के बीच प्रस्तावित 43 लाख करोड़ रुपए के द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में पहला कदम मानी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार डील को अंतिम रूप देने के लिए दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर सहमति बन चुकी है, हालांकि सभी शर्तों का खुलासा अभी संभव नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने अमेरिका को अपने कृषि क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। अमेरिका लंबे समय से भारत में जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलों के लिए बाजार की मांग कर रहा था, जिसे भारत ने ठुकरा दिया। भारत का तर्क है कि देश की 60 फीसदी आबादी कृषि पर निर्भर है, इसलिए इस क्षेत्र को विदेशी हस्तक्षेप से सुरक्षित रखना जरूरी है। अमेरिका ने भी फिलहाल इस मुद्दे पर दबाव न डालने का फैसला किया है। दूसरी ओर, भारत ने अमेरिका से एनर्जी और डिफेंस उत्पादों की खरीद शुरू कर दी है ताकि व्यापार संतुलन बना रहे। साथ ही भारत सरकार ने अमेरिकी मोटरसाइकिल और व्हिस्की पर आयात शुल्क कम करने की भी घोषणा की है। जानकारों का मानना है कि इस मिनी डील के बाद आने वाले तीन वर्षों में भारत-अमेरिका व्यापार में वास्तविक बदलाव दिखने लगेंगे। यह समझौता दोनों देशों के लिए रणनीतिक दृष्टि से अहम है और इसके जरिए वैश्विक व्यापार में एक नया समीकरण बन सकता है।

सोने में हल्की तेजी, चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत शुक्रवार को सुस्ती के साथ हुई। लेकिन बाद में सोने के भाव सुधर गए। सोने के भाव 96,800 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,07,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 47 रुपये की गिरावट के साथ 96,735 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 96,782 रुपये था। इस समय यह 52 रुपये की तेजी के साथ 96,834 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 96,840 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 96,735 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,01078 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 400 रुपये की गिरावट के साथ 1,07,836 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,08,236 रुपये था। इस समय यह 316 रुपये की गिरावट के साथ 1,07,920 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,07,920 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,07,836 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,09,748 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,335 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,342.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 4.30 डॉलर की गिरावट के साथ 3,338.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है।

उत्कृष्ट विद्यालय लांजी में प्रतिभाशाली छात्र प्रोत्साहन योजना अंतर्गत लैपटॉप वितरण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का लाइव उद्बोधन भी हुआ प्रसारित

लांजी (पद्मेश न्यूज)। विकासखंड स्तर पर शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लांजी में 4 जुलाई को प्रतिभाशाली छात्र प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत एक गरिमामय लैपटॉप वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले पात्र विद्यार्थियों को लैपटॉप हेतु प्रोत्साहन राशि के चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का लाइव उद्बोधन भी प्रसारित किया गया, जिसे छात्रों, जनप्रतिनिधियों और शिक्षकों ने ध्यानपूर्वक देखा और सुना। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही छात्र हितैषी योजनाओं की जानकारी साझा की। कार्यक्रम लांजी-किरणापुर के विधायक राजकुमार कर्राहे, नगर पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर, भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, गौरव बैंस, विकासखंड शिक्षा अधिकारी पी. के. भीमटे की प्रमुख उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को चेक प्रदान कर उन्हें भविष्य की शुभकामनाएं दीं और अनुशासन, धैर्य तथा परिश्रम के साथ आगे

बढ़ने की प्रेरणा दी। विधायक राजकुमार कर्राहे ने इस अवसर पर अपने छात्र जीवन के खट्टे-मीठे अनुभव साझा करते हुए बताया कि एक समय था जब वे स्कूल जाने से कतराते थे, लेकिन पारिवारिक मार्गदर्शन और अनुशासन के चलते उनमें सकारात्मक बदलाव आया। उन्होंने कहा कि पहले के समय में प्रथम श्रेणी या डिस्टिंक्शन प्राप्त करना अत्यंत गौरव की बात मानी जाती थी, और यह पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन जाता था। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि कई बार आरंभ में साधारण दिखने वाले छात्र अनुशासन और निरंतर प्रयास से आगे निकल जाते हैं, जबकि कुछ अत्यंत होनहार विद्यार्थी अनुशासन की कमी या गलत संगति के कारण पिछड़ जाते हैं। श्री कर्राहे ने छात्रों से अपील की कि वे आत्मविश्वास, लगन और अनुशासन के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें और प्रदेश व देश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि आज हमारे मध्यप्रदेश में ऐसे छात्र हैं जो 99.9 प्रतिशत और 100 प्रतिशत अंक अर्जित कर रहे हैं और यही क्षमता लांजी क्षेत्र के विद्यार्थियों में भी है। विधायक महोदय ने मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना, उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना, विदेश अध्ययन सहायता योजना जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं का उल्लेख करते हुए छात्रों से इनका लाभ लेने का आग्रह किया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डी. के. फुल्लारे ने सभी जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने भी इस आयोजन को कहा कि ऐसे अवसर विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति सजग, प्रेरित और प्रतिबद्ध बनाते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रांगण में पीपल के वृक्ष का वृक्षारोपण कर पर्यावरण जागरूकता का संदेश भी दिया गया।

मिशन शक्ति के अंतर्गत भिमोड़ी, दुल्हापुर, दखनीटोला में महिला सशक्तिकरण कार्यशाला का किया आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रभावी पहल करते हुए तहसील लांजी के ग्राम पंचायत भिमोड़ी, दुल्हापुर एवं बिसोनी (दखनीटोला) में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम

कलेक्टर मृणाल मीणा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बालाघाट श्रीमती दीपमाला सोलंकी के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में संपन्न हुआ। जिला मिशन समन्वयक श्रीमती रचना चौधरी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यशाला में ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान लिंग आधारित हिंसा की रोकथाम, लिंग समानता, महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित योजनाओं जैसे वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम 2013, तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम इत्यादि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं ग्राम पंचायत भवनों में आपातकालीन संपर्क नंबरों के पोस्टर भी चस्पा किए गए, जिससे आमजन इन सेवाओं का आवश्यकता पड़ने पर तत्काल लाभ ले सकें। इस अवसर पर समाजसेविका हाफिजा मिर्जा का विशेष सहयोग रहा। साथ ही ग्राम पंचायत सरपंच ताराचंद कुचलाहे, चित्ररेखा अस्तने एवं पैरा लीगल वॉलंटियर बिंदेश्वरी मुरकुटे की भी उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

शासकीय महाविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का हुआ दीक्षारंभ कार्यक्रम

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लांजी में 3 जुलाई को नवप्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का प्रारंभ मॉ सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलित कर किया गया तत्पश्चात् सरस्वती वंदना का सामूहिक गायन किया गया । कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष मुख्य अतिथि युगेश रामटेककर अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य आर. आर. सोनवाने द्वारा की गई । मुख्य अतिथि युगेश रामटेककर एवं समस्त महाविद्यालयीन स्टॉफ के द्वारा समस्त छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया । स्वागत समारोह के पश्चात् कार्यक्रम संयोजक सुरेन्द्र कुमार चिखले सहायक प्राध्यापक एवं ई-प्रवेश नोडल अधिकारी द्वारा कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत नव प्रवेशित छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं प्रेषित की गई एवं शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, छात्रवृत्ति, प्रवेश प्रक्रिया, प्रतियोगी परीक्षाओं आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । इसके पश्चात् मुख्य अतिथि युगेश रामटेककर के द्वारा समस्त नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की गई इसके साथ ही छात्र-छात्राओं को भारतीय संस्कृति की विरासत एवं वर्तमान युग में इसकी प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की गई । इसके पश्चात् डॉ गौतमा कठाने सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र द्वारा छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, युवा महोत्सव, कार्यक्रम आदि विषयों की जानकारी देते हुए अनुशासन की बात कही गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य आर आर सोनवाने द्वारा समस्त नव प्रवेशित विद्यार्थियो का महाविद्यालय में प्रवेश पर स्वागत अभिवादन किया गया । अपने उद्बोधन में प्राचार्य द्वारा भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक, ऐतिहासिक एवं भौगोलिक विरासत विविधता पर ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की गई । तत्पश्चात् गोलू परते सहायक प्राध्यापक रसायन शास्त्र द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय की उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाईट, पाठयक्रम, आदि विषयों पर जानकारी दी गई, पीपीटी के माध्यम से समस्त विद्यार्थियों को विगत वर्षो में महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों, कार्यक्रम, भ्रमण, नई शिक्षा नीति से संबंधित विषयों का चयन, क्रेडिट प्रणाली, परीक्षा कार्यक्रम, आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई, प्रयोगशाला परिचारक किशोर कुमार चौधरी जी के द्वारा समस्त विद्यार्थियों को प्रवेश फार्र्म, टीसी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई । दीक्षारंभ कार्यक्रम का संचालन डॉ डॉलेश कुमार विजयवार ने किया । साथ ही बीच-बीच में इनके द्वारा महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों संबंधी उपयोगी जानकारी प्रदान की गई इसके साथ ही महाविद्यालय के वरिष्ठ छात्र सफीक खान, रिषभ ूमातरे, द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय में अनुशासन बनाएं रखने की बात की गई । कार्यक्रम के अंत में समस्त छात्र-छात्राओं की आवश्यक जानकारी एवं हस्ताक्षर लिए गए । उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ श्रीमती दीपमाला सूर्यवंशी (सहायक प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र), नितेश मेश्राम, डॉ ललित कामड़े, जसपाल सिंह सिद्धू, साहेबलाल एड़े, डॉ. सूर्यप्रकाश साकेत, डॉ. भाऊ गोखले, महेश दमाहे, आर आर टिकेश्वर, ज्ञानदेव कुशले, कु अंजली सोनी, विजय हटिले, के.के. चौधरी, लक्ष्मण बोरकर, कैलाश कुमार इंझरावते, भागवत रघुवंशी, शुभम् रामटेके, कु. रोशनी सोनवाने, लखनलाल बाहे, वैभव मुरकुटे, राहुल पारधी, सुनिल कुमार तिड़के, श्रीमती खेलनबाई राऊत, श्रीमती गीता शुक्ला, शेषराम घोरमारे एवं नवप्रवेशित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, कार्यक्रम में महाविद्यालयीन स्टॉफ का सराहनीय योगदान रहा।

कोटेश्वर धाम में 30 दिवसीय संगीतमय अखण्ड रामचरितमानस पाठ का आयोजन, तैयारियॉ अंतिम चरणों में

लांजी (पद्मेश न्यूज)। आगामी 11 जूलाई से श्रावण मास प्रारंभ हो रहा एवं श्रावण मास में अखण्ड रामायण पाठ का विशेष महत्व है जिसको देखते हुये धर्म नगरी लांजी में एकल अभियान संच लांजी अंचल बालाघाट महाकौशल मध्यप्रदेश के द्वारा कोटेश्वर धाम लांजी में 30 दिवसीय संगीतमय अखण्ड रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया जा रहा है। जिसको लेकर पूर्व से बैठके एवं तैयारियों का दौर प्रारंभ था तथा अब तैयारियॉ अपने अंतिम चरणों में है। धर्म नगरी लांजी का माहौल श्रावण मास के पावन अवसर भक्ति मय होता है जहां दुर दराज से पडोंसी राज्यों से भक्त गण कोटेश्वर महादेव के दर्शन के लिये पंहुचते है। इस श्रावण मास पर कोटेश्वर धाम में भक्तों का तांता लगने वाला है क्योकि धाम परिसर के समीप 30 दिवसीय संगीतमय अखण्ड रामचरित मानस पाठ का आयोजन हो रहा है जहां 30 दिनों तक भक्ति की गंगा बहेगी। इस आयोजन को लेकर लांजी किरनापुर क्षेत्र के सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के साथ संच के पदाधिकारी ने बैठके आयोजित कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर ली गई। कोटेश्वर धाम परिसर में तैयारियों को लेकर लगताार जायेजा लिया जा रहा है ताकि आयोजन पूर्ण सफलता के साथ संपन्न हो सके। वहीं आयोजन को लेकर संच के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे एवं पदाधिकारियों के द्वारा उक्त कार्यक्रम में उपस्थिती को लेकर आमंत्रण निमंत्रण भी समस्त जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी,क्षेत्र की जनता, सामाजिक धार्मिक संगठनों सहित क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति से अपील की जा रही है कि उक्त धार्मिक आयोजन में पंहुचकर पूण्य लाभ अर्जित करे।

बालिका ने घर छत पर दुपट्टे से फांसी लगाकर की अपनी ईहलीला समाप्त

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी थाना अन्तर्गत ग्राम पंचायत मोहझरी निवासी दिनेश पारधी की पुत्री कु. खुशबु पारधी उम्र 16 वर्ष ने अपने ही घर छत पर दुपट्टे से फांसी लगाकर अपनी ईहलीला समाप्त कर ली। इस संबध में लांजी पुलिस के द्वारा कायम मर्ग के अनुसार सुचना कर्ता बताया कि मेरा छोटा भाई दिनेश पारधी मजदूरी का काम करता है। 4 जुलाई को शाम करीब 4 बजे करीब घर पर मेरे भाई दिनेश की बेटी खुश्बु और उसका छोटा भाई कृष्ण कुमार घर पर अकेले थे। कृष्ण कुमार दोपहर करीब 3 बजे राशन के लिये सोसायटी चला गया था तथा घर पर खुशबु अकेली थी जब भतीजा कृष्ण कुमार घर वापस आया और देखा की बहन ने घर के दुसरे कमरे में अपने दुपट्टे से फांसी लगा ली है। घटना के बारे में आस प्रडोंस के लोगो को कृष्णा के द्वारा बताया गया और मै भी खबर सुनती ही घर की ओर दौडकर देखा तो बालिका फांसी के फंदे में झुलती दिखाई दी। हमारे द्वारा ग्राम के सरपंच एवं लांजी पुलिस को सूचित किया गया। सूचना प्राप्त करते ही लांजी पुलिस घटना स्थल पर पंहुचकर आवश्यक कार्यवाही एवं मर्ग पंचनामा पूर्ण कर शव पीएम हेतु सिविल अस्पताल लांजी लाया गया जहां आज 5 जुलाई को शव का पीएम डाक्टर्स के द्वारा किया जायेगा। लांजी पुलिस ने मर्ग क्रमांक 45/25 के तहत मर्ग कायम कर विवेचना की जा रही। बालिका ने किन कारणों के चलते आत्महत्या की है यह ज्ञात नही हो पाया है बहरहाल यह पुलिस जांच का विषय है। लेकिन बालिका ने आत्महत्या जैसा कदम क्यों उठाया यह गहन जांच का विषय है।

लामता महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम का समापन सम्पन्न हुआ

लामता(पद्मेश न्यूज़) । शासकीय महाविद्यालय लामता में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षा आरंभ कार्यक्रम के आज तीसरे दिन कार्यक्रम का समापन समारोह ग्राम पंचायत लामता के सरपंच श्री हुलासमल जी कोचर ,जन भागीदारी समिति के सदस्य अभिनव सोमवंशी , सुशील कोचर , महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर सुनीता वैद्य की उपस्थिति में प्रवेश प्रभारी डॉक्टर डुलेश्वरी टेम्भरे के निर्देशन में किया गया। दीक्षा आरंभ कार्यक्रम के तीसरे दिन विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से संबंधित पाठ्यक्रम, महाविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी उपलब्ध कराई गई इसके साथ ही प्रकृति संरक्षण अभियान, प्लास्टिक मुक्त अभियान, एक पेड़ मां के नाम अभियान, वायु दूत एप स्वयं पोर्टल, राष्ट्रीय सेवा योजना, स्पोर्ट से संबंधित जानकारी विद्यार्थियों को बताई गई इस अवसर पर महाविद्यालय से दीक्षा आरंभ कार्यक्रम के सदस्य निरंजन रहंगडाले, डॉक्टर अर्चना सतनामी, प्रवेश समिति के समस्त सदस्य, डॉक्टर चंद्रशेखर कटरे, सुंदरलाल बिसेन, श्रीमती चित्रमाला भीमते, श्रीमती वंदना उरकुडे, प्रवेश यादव, डॉक्टर ढालसिंह गौतम, महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक साथी कर्मचारी वरिष्ठ छात्र-छात्राएं, नव प्रवेशित छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे सभी अतिथियों का आभार प्राचार्य मैडम के द्वारा किया गया।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

94,234 मेधावी विद्यार्थियों को मिली लैपटॉप राशि

सीएम बोले... अगले साल से लैपटॉप देंगे, विभाग तैयार कर ले : मेडिकल और इंजीनियरिंग छात्रों को दी जा रही 80 लाख तक की मदद

भोपाल। मप्र में शुक्रवार को मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप राशि दी गई। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत 94,234 मेधावी विद्यार्थियों को 25-25 हजार की राशि प्रदान की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, कई बार देखा गया है कि छात्रों के परिवार लैपटॉप राशि को दूसरे कार्यों में खर्च कर देते है। ऐसे में हम कोशिश करेंगे कि अगले साल से सीधे अच्छी कंपनी के लैपटॉप दिए जाए।

सीएम ने बताया कि इस साल योजना के लाभार्थियों में 60 प्रतिशत बेटियां हैं। 56,246 बेटियां और 37,988 बेटे। उन्होंने कहा कि यह एक सकारात्मक संकेत है कि बेटियां न केवल बराबरी कर रही हैं, बल्कि पढ़ाई में आगे भी निकल रही हैं। अब बेटों को अपनी स्थिति मजबूत करनी होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ऐसे छात्रों की फीस भर रही है, जिन्हें प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में दाखिला मिल गया है लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर है। 80 लाख तक की मदद सरकार दे रही है। शर्त सिर्फ इतनी है कि वह बच्चा नीट क्वालिफाई करे और पढ़ाई के बाद 5 साल तक प्रदेश में सेवा करे।

सरकारी स्कूलों ने पछाड़ा प्राइवेट स्कूलों को

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बार 52 प्रतिशत लाभार्थी सरकारी स्कूलों से हैं, जबकि 48 प्रतिशत प्राइवेट स्कूलों से। यह पहली बार है जब सरकारी स्कूलों के बच्चों का प्रतिशत प्राइवेट स्कूलों से अधिक रहा है। यह उपलब्धि स्कूल शिक्षा विभाग, शिक्षकों और माता-पिता के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लैपटॉप कोई दिखावटी ट्रॉफी नहीं है, यह ज्ञान की असली कुंजी है। एक किताब, एक लैपटॉप और एक गुरु - यही जीवन के सच्चे साथी हैं।

हमारे बीच नेता क्यों नहीं निकलते?'

मुख्यमंत्री ने बच्चों से संवाद करते हुए एक सवाल उठाया तुम में से कोई यह क्यों नहीं कहता कि मैं नेता बनूंगा, चुनाव लड़ूंगा, देश की सेवा करूंगा? डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस बनना बहुत अच्छा है, लेकिन समाज को चलाने के लिए अच्छे नेताओं की भी जरूरत है। सुभाष चंद्र बोस का जिक्र करते हुए कहा कि स्वाभिमान सबसे बड़ा बल है, नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आईसीएस जैसी बड़ी परीक्षा पास की थी, लेकिन उन्होंने उस डिग्री को फाडकर फेंक दिया। कहा मैंने यह परीक्षा अंग्रेजों को बताने के लिए दी थी कि भारतीयों में बुद्धि की कोई कमी नहीं। ऐसा स्वाभिमान ही इस देश को आगे ले गया है।

जनजातीय छात्रों के लिए निश्शुल्क तैयारी केंद्र

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बताया कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में पहली बार आदिवासी छात्रों के लिए जेईई, नीट, आईएएस और नेट जैसी परीक्षाओं की तैयारी हेतु निश्शुल्क छात्रावास, भोजन और कोचिंग की व्यवस्था की जा रही है। हर संभाग में लडके-लड़कियों के लिए आवासीय केंद्र और प्रत्येक केंद्र के लिए 25-25 करोड़ की राशि मंजूर की है। शाह ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार आदिवासी बच्चे भी बड़े सपने देख सकते हैं और प्रशासनिक सेवाओं में भागीदारी कर सकते हैं। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा, पहली बार शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में ही किताबें, बैग और अब लैपटॉप भी समय पर दिए जा रहे हैं। पहले यह योजना केवल 500 विद्यार्थियों के लिए थी, आज 94,000 से अधिक छात्र इसका लाभ ले रहे हैं।

जल्द शुरू होंगी राजनीतिक नियुक्तियां

- प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद 'विस्तार' पर फोकस

भोपाल। मप्र में प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद अब भाजपा का फोकस सरकार और संगठन के विस्तार पर होगा। उम्मीद की जा रही है कि प्रदेश में सबसे पहले राजनीतिक नियुक्तियां की जाएंगी। निगम-मंडल और प्राधिकरणों में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष बनने के लिए भाजपा के नेता पिछले डेढ़ साल से इंतजार कर रहे हैं। पहले लोकसभा चुनाव, फिर संगठन चुनाव के कारण राजनीतिक नियुक्तियां नहीं हो पा रही थीं। लेकिन अब प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद निगम-मंडल में नियुक्ति की राह खुल सी गई है। गौरतलब है की अभी तक सत्ता और संगठन दोनों का कहना था कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद निगम, मंडल, बोर्ड और प्राधिकरणों में अध्यक्ष और उपाध्यक्षों की नियुक्ति की जाएगी। अब प्रदेश अध्यक्ष बनने के साथ ही राजनीतिक नियुक्तियों के कयास लगने लगे हैं। हेमंत खंडेलवाल के प्रदेश अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने इस बात के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा है कि मंडल व जिलों के बाद राज्य में भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने के साथ ही संगठन के चुनाव संपन्न हो गए हैं। अब निगम मंडलों में नियुक्तियां कर दी जाएंगी।

दावेदारों की बढ़ेगी सक्रियता

निगम, मंडल, बोर्ड और प्राधिकरणों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनने के लिए भाजपा के दावेदार नेताओं की अब सक्रियता बढ़ेगी। दरअसल, पार्टी कार्यकर्ताओं को उपकृत करने के लिए निगम मंडलों में राजनीतिक नियुक्तियां की जाती है। नए प्रदेश अध्यक्ष का चयन न होने के कारण यह नियुक्तियां टलती गईं। अब हेमंत खंडेलवाल प्रदेश अध्यक्ष बन गए हैं। ऐसे में निगम-मंडलों में अध्यक्ष उपाध्यक्ष की नियुक्तियां भी जल्द शुरू की जाएंगी। वर्ष 2020 में विष्णुदत्त शर्मा के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद मध्य प्रदेश भाजपा में सात मोर्चा और विभिन्न प्रकोष्ठों में अध्यक्ष उपाध्यक्ष सहित कार्यकारिणी बनाई गई थी। इनका कार्यकाल पूरा हो चुका है। अब भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल मप्र में पार्टी संगठन को नया स्वरूप देंगे।

राजीव कुमार टंडन होंगे मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष

भोपाल। राज्य शासन द्वारा मानव अधिकार आयोग के सदस्य राजीव कुमार टंडन को अपने पद के साथ आगामी आदेश तक मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष के रूप में प्राधिकृत किया गया है। राज्य शासन द्वारा 4 जुलाई 2025 शुक्रवार को आदेश जारी कर दिये गये हैं।

एमडी पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी का प्रभार अनय द्विवेदी को

भोपाल। राज्य शासन द्वारा एमडी मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड का प्रभार एमडी पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अनय द्विवेदी को दिया गया है। वर्तमान एमडी पॉवर ट्रांसमिशन सुनील तिवारी का कार्यकाल 5 जुलाई 2025 को पूरा हो रहा है।

आबकारी विभाग में आरक्षक भर्ती परीक्षा टली

भोपाल । मप्र में सरकारी भर्तियों के घोटाले और अनियमितताओं के लिए बदनाम पीईबी (प्रोफेशनल एक्जामिनेशन बोर्ड) का एक और कारनामा सामने आया है। इस बार पीईबी ने आबकारी विभाग में आरक्षक भर्ती की परीक्षा का टाइम टेबल तो जारी कर दिया, लेकिन परीक्षा के एक दिन पहले तक एडमिट कार्ड ही जारी नहीं कर पाया, जिससे अब यह परीक्षा टाली जा रही है।

बता दें कि पीईबी ने आबकारी आरक्षक भर्ती की परीक्षा कराने के लिए पहले 5 जुलाई का टाइम टेबल जारी किया था। इसके तहत परीक्षा का आयोजन दो शिफ्टों में किया जाना था। पहली शिफ्ट में सुबह 9 से 11 बजे तक परीक्षा होनी थी जबकि दूसरी शिफ्ट की परीक्षा दोपहर 2.30 बजे से 4.40 बजे तक होनी थी।

आबकारी विभाग में 253 पदों पर होनी है भर्ती

दरअसल, आबकारी विभाग में आरक्षक पदों की सीधी भर्ती व बैकलाग भर्ती परीक्षा 2024 के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था। इसमें 15 फरवरी से एक मार्च 2025 तक इच्छुक अभ्यर्थियों को आवेदन करना था। इसके बाद 6 मार्च तक उम्मीदवारों को आवेदन में संशोधन का मौका दिया गया था। जबकि 5 जुलाई को इसका एग्जाम होना था। इसके बाद पात्र उम्मीदवारों का शरीरिक परीक्षण किया जाना था। बता दें कि आबकारी विभाग में आरक्षकों के 253 रिक्त पदों पर भर्ती किया जाना है। इनमें 72 पद सामान्य, 26 ईडब्ल्यूएस, 75 ओबीसी, 36 एससी और 44 पद एसटी वर्ग के लिए आरक्षित हैं।

इन शहरों में होगी परीक्षा

आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा का आयोजन बालाघाट, भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, खंडवा, नीमच, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, सीधी और उज्जैन शहर में आयोजित की जाएगी। यह लिखित परीक्षा 100 अंकों की होगी। इसमें सामान्य व तार्किक ज्ञान के 40 अंक, बौद्धिक क्षमता व मानसिक अभिरुचि के 30 अंक और विज्ञान व सरल अंक गणित के 30 अंक निर्धारित किए गए हैं। परीक्षा देने वाले आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को जाति प्रमाण पत्र के साथ अन्य दस्तावेज भी प्रस्तुत करने होंगे।

प्रमोशन के नए नियम पर रार

पदोन्नति नियमों के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर

भोपाल। मप्र में 9 साल बाद पदोन्नति की प्रक्रिया फिर से शुरू होने जा रही है। लेकिन पदोन्नति प्रक्रिया शुरू होने से पहले प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में लाए गए पदोन्नति नियम 2025 के खिलाफ गैर अजा, अजजा वर्ग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी है। हाईकोर्ट में याचिका पशुपालन एवं ऊर्जा विभाग के गैर अजा एवं अजजा वर्ग के कर्मचारी एवं अधिकारियों की ओर से लगाई गई हैं। याचिका क्रमांक 24880/2025 और 24914/2025 है। कोर्ट में सिर्फ याचिका लगी हैं। हाईकोर्ट कर्मचारियों की याचिका पर 7 जुलाई को सुनवाई करेगा। इधर सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा कि पदोन्नति नियम 2025 सुप्रीम कोर्ट के आदेश के परिपालन में ही बनाए गए हैं। हालांकि सरकार की ओर से भी न्यायालय में कैवियट लगाई गई है।

गौरतलब है कि मप्र सेवा पदोन्नति नियम-2025 जारी होने के बाद से ही मप्र सरकार कर्मचारियों की पदोन्नति को लेकर एक्टिव मोड में है। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को 31 जुलाई से पहले विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठकें करने के निर्देश दिए हैं। विभाग पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू कर पाते, इससे पहले ही नए पदोन्नति नियमों के विरोध में कर्मचारी हाईकोर्ट पहुंच गए हैं। कर्मचारियों ने कोर्ट में याचिका दायर कर नए पदोन्नति नियमों को चैलेंज किया है।

हाईकोर्ट में 7 को सुनवाई

हाईकोर्ट कर्मचारियों की याचिका पर 7 जुलाई को सुनवाई करेगा। कर्मचारियों की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर करते ही सरकार हरकत में आ गई है। मप्र के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए नए पदोन्नति नियमों को लेकर विस्तार से चर्चा की। गौरतलब है कि कैबिनेट बैठक में गत 17 जून को मप्र लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 को मंजूरी दी गई थी। इसके दो दिन बाद 19 जून को पदोन्नति के नए नियमों के संबंध में गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया था। इसके साथ ही प्रदेश में करीब 5 लाख कर्मचारियों की पदोन्नति का रास्ता साफ हो गया है। नए पदोन्नति नियमों में एसटी वर्ग को 20 प्रतिशत और एससी वर्ग को 16 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। पहले एससी-एसटी के हिस्से वाले रिक्त पद भरे जाएंगे। फिर अनारक्षित पदों पर एससी-एसटी से लेकर सभी दावेदार पात्र होंगे। अनारक्षित वर्ग के कर्मचारी नए पदोन्नति नियमों का पहले दिन से विरोध कर रहे हैं। नए नियमों के खिलाफ कर्मचारी मंत्रालय में प्रदर्शन कर चुके हैं। इस बीच नए पदोन्नति नियमों के विरोध में 10 से ज्यादा कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की हैं। उन्होंने कोर्ट से पदोन्नति प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

पत्थरों के टुकड़ों से बनेगी रेत

हर साल प्रदेश में होती है 4 करोड़ घनमीटर रेत की खपत

भोपाल। रेत के लिए नदियों पर निर्भरता खत्म करने के मकसद से मप्र की पहली मैकेनिकल सेंड (एम-सेंड) पॉलिसी बनाई जाएगी। नई पॉलिसी में प्रस्तावित किया गया है कि मप्र में एम-सेंड का 10 करोड़ रुपए का प्लांट लगाने पर 40 प्रतिशत तक की सब्सिडी सरकार देगी। पॉलिसी में ओवर बर्डन निष्पादन कराने वाला मप्र पहला ऐसा राज्य होगा। ओवर बर्डन निष्पादन यानी किसी भी खनन के दौरान मिट्टी के साथ निकलने वाले पत्थरों के टुकड़े। नई पॉलिसी में इन पत्थरों को भी तोडक़र रेत बनाने की मंजूरी दी जा रही है। अब तक खनन के बाद निकले पत्थर काम के नहीं होते थे। पत्थरों को तोडक़र उसी तकनीकी दक्षता की रेत बनाने को एम-सेंड कहते हैं, जैसी नदियों से निकलती है। फिलहाल तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, राजस्थान और केरल जैसे देश के 8 राज्यों में एम-सेंड पॉलिसी लागू है। कर्नाटक में सबसे ज्यादा 2 करोड़ टन, तेलंगाना में 70 लाख टन और तमिलनाडु में 30 लाख टन, राजस्थान में 1.20 करोड़ टन एम-सैंड का सालाना उत्पादन हो रहा है। राजस्थान ने इसके लिए वर्ष 2024 में एम-सैंड पॉलिसी बनाई थी। इसके तहत रियायत देते हुए 3 साल के अनुभव व 3 करोड़ के टर्न ऑवर की बाध्यता समाप्त कर दिया गया है। सरकारी व वित पोषित निर्माण कार्यों में बजरी की मांग की आपूर्ति में 50 प्रतिशत एम-सैंड के उपयोग की अनिवार्यता तय है। केरल की पॉलिसी से सबसे बड़ा फायदा ये हुआ कि वहां नदियों से रेत का उत्खनन ना के बराबर बचा है। सभी स्टेक होल्डर्स से बैठकों की प्रक्रिया पूरी करने के बाद बनी मप्र एम-सेंड पॉलिसी अब आखिरी चरण में है। सूत्रों का कहना है कि शासन स्तर पर इस पॉलिसी को जल्द ही प्रदेश में लागू किया जा सकता है।

बड़ी खनिज खदानों के पत्थरों से बनेगी रेत

प्रदेश में अब मेजर मिनरल की खदानों से बड़ी मात्रा में निकलने वाले पत्थरों से भी रेत बनाई जाएगी। इसके लिए लायसेंस जारी कर एम-सैंड यूनिट लगाई जाएंगी। इसके साथ अलग-अलग पत्थरों से बनने वाली एम-सैंड के लिए अलग-अलग रॉयल्टी की दरें और उसके रेट तय किए जाएंगे। जिन जिलों में रेत उत्खनन नहीं होता है वहां पर एम-सैंड प्लांट लगाए जाएंगे। इसके प्रावधान शामिल किए गए हैं। इस पॉलिसी के इसी महीने लागू करने की तैयारी की जा रही है। सरकार द्वारा नदियों से निकाली जाने वाली रेत की बजाय एम-सैंड (मैन्यूफेक्चर्ड सैंड यानी पत्थर से कृत्रिम तरीके से बनने वाली रेत) को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। सीएम ने पिछले साल समीक्षा बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए थे। हाल ही में खनिज विभाग ने यह प्रक्रिया पूरी कर ली है। अब एम-सैंड पॉलिसी को जल्द कैबिनेट में पेश किया जाएगा। कैबिनेट से एप्रूवल के बाद इसी माह इसे लागू करने की तैयारी की जा रही है। इससे नदियों को नवजीवन मिल सकेगा। अभी हर साल प्रदेश में 125 लाख घन मीटर से अधिक रेत की जरूरत होती है। इस रेत की पूर्ति नदियों से ही होती है।

पॉलिसी का ड्राट तैयार

प्रदेश में 14 जिले ऐसे चिन्हित किए गए हैं जहां पर रेत उत्खनन नहीं होता है। इनमें भोपाल और इंदौर जैसे बड़े जिले भी शामिल हैं। पॉलिसी के तहत इन जिलों में प्राथमिकता से एम-सैंड प्लांट लगाए जाएंगे। इससे रेत की आपूर्ति होने के साथ रोजगार भी बढ़ेगा। प्रमुख सचिव खनिज संसाधन विभाग उमाकांत उमराव का कहना है कि एम-सैंड पॉलिसी का ड्राट तैयार है। विभिन्न संबंधित विभागों से भी डिस्कशन लगभग पूरा हो गया है। इसमें एम-सैंड को बढ़ावा देने के लिए कई प्रावधान शामिल किए गए हैं। इसी माह पॉलिसी लागू करने की तैयारी की जा रही है। पॉलिसी में प्रावधान हैं कि एम-सैंड प्लांट लगाने वालों को सरकार 40 फीसदी तक छूट दे सकती है। गिट्टी, पत्थर की खदान और क्रेशर संचालन करने वालों को एक आवेदन पर एम-सैड प्लांट के लिए लायसेंस मिलेगा। एम-सैंड को बढ़ावा देने के लिए इसकी रॉयल्टी भी कम रहेगी। इसकी कीमत 50 रुपए प्रति घन मीटर के करीब रहने की संभावना है। जबकि नदियों की रेत के लिए 250 रुपए प्रति घन मीटर तय है। मेजर मिनरल जैसे कोयला, बॉक्साइट, मैंगनीज सहित हीरे की खदानों की खुदाई में बड़ी मात्रा में ग्रेनाइट, बेसाल्ट, लाइम स्टोन जैसे पत्थर बड़ी मात्रा में निकले हैं लेकिन यह वेस्ट मटेरियल की तरह पड़े रहते हैं। पॉलिसी में इन पत्थरों से एम-सैंड बनाने के लिए लायसेंस देने के प्रावधान किए गए हैं। साथ ग्रेनाइट, बेसाल्ट, लाइमस्टोन जैसे पत्थरों से बनने वाली रेत के लिए रॉयल्टी भी अलग-अलग तय की जाएगी।

नदियों से होता है 2.5 करोड़ घन मी. उत्खनन

मप्र में फिलहाल करीब 50 से ज्यादा नदियों से वैध रेत उत्खनन किया जाता है। इनमें 10 बड़ी नदियां ऐसी हैं, जहां बहुतायत में उत्खनन होता है। मप्र में सालभर में नदियों से करीब 2.5 करोड़ घन मीटर रेत निकाली जाती है। हालांकि, प्रदेश की सालाना जरूरत करीब 4 करोड़ घनमीटर रेत की है। यानी उत्खनन के बाद भी करीब डेढ़ करोड़ घनमीटर रेत की और जरूरत पड़ती है। नदियों से निकलने वाली रेत के मुकाबले एम-सेंड आम लोगों को भी ज्यादा सस्ती मिलेगी। ऐसा इसलिए क्योंकि इसके लिए रॉयल्टी की दरें केवल 50 रुपए प्रति घन मीटर रखी जा रही है। इसके अलावा प्लांट लगाने के लिए तीन अलग-अलग श्रेणियों में सब्सिडी देने का प्रावधान भी किया जा रहा है। नई पॉलिसी के तहत 10 करोड़ रुपए तक का प्लांट लगाने पर 40 प्रतिशत, 10-50 करोड़ रुपए तक के प्लांट पर 35 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जा सकती है। 50 करोड़ से ज्यादा बड़े प्लांट पर जल्द आने वाली मप्र उद्योग पॉलिसी में उद्योग विकास अनुदान देने का प्रस्ताव बनाया गया है। मप्र में ग्रेनाइट पत्थर काफी मात्रा में हैं, जो एम-सेंड बनाने के लिए सबसे उपयोगी माने जाते हैं। इसके अलावा सेंड स्टोन, बिसाल्ट और क्वार्डजाइट पत्थर भी इसके लिए उपयोगी हैं। नई पॉलिसी में प्रस्ताव दिया जा रहा है कि खनिज विभाग निजी जमीन पर परिवहन या उत्खनन अनुज्ञा देकर एम-सेंड तैयार करवाएगा।

एक अक्टूबर से महंगा होगा टाइगर रिजर्व पर्यटन

भोपाल। एमपी में नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व में घूमना एक अक्टूबर से महंगा हो जाएगा। सरकार ने मौजूदा प्रवेश टिकट फीस में दस फीसदी की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। विदेशी पर्यटकों को भारतीय पर्यटकों की बजाय दोगुना टिकट फीस देना होगा। प्रदेश के सभी राष्ट्रीय उद्यानों एवं बाघ अभयारण्यों में भ्रमण के लिए प्रवेश टिकट की बुकिंग एमपी ऑनलाइन के माध्यम से होती है।

प्रदेश के ज्यादातर टाइगर रिजर्व में सोमवार से शुक्रवार तक छह लोगों के प्रवेश पर 2400 रुपए और शनिवार-रविवार को 3000 रुपए प्रवेश शुल्क लिया जाता है। एक अक्टूबर से इसमें 10 प्रतिशत की वृद्धि हो जाएगी। इसके बाद पर्यटकों को क्रमश- 240 और 300 रुपए अधिक चुकाने पड़ेंगे। इसमें जिप्सी का किराया शामिल नहीं है। जिप्सी के लिए पर्यटकों को अलग-अलग पार्क में 2000 से 3500 रुपए तक अतिरिक्त देने पड़ते हैं। वहीं विदेशी पर्यटकों को दो गुना शुल्क चुकाना पड़ता है।

तीन माह बंद रहेंगे पार्क

मानसून के कारण प्रदेश के सभी संरक्षित क्षेत्रों में तीन माह (जुलाई से सितंबर) पर्यटन बंद रहेगी। इसके दो कारण हैं। पहला तो यह ब्रीडिंग सीजन है और दूसरा बारिश के कारण नदी-नालों में काफी पानी रहता है। बारिश के कारण जंगल के रास्ते भी खराब हो जाते हैं। ऐसे में पर्यटन कराना खतरे से खाली नहीं है। इसलिए 1 जुलाई से 30 सितंबर तक सभी पार्क बंद कर दिए जाते हैं। यानी 1 अक्टूबर को इन पार्कों में फिर से पर्यटन शुरू होगा।

टिकट के दाम बढ़ाने ऐसे हुआ था फैसला

प्रदेश सरकार ने 22 अक्टूबर 2024 को एक अधिसूचना जारी की थी, जिसमें मैहर जिले के मुकुंदपुर वाइट टाइगर सफारी, भोपाल के वन विहार राष्ट्रीय उद्यान और इंदौर के रालामंडल अभयारण्य के प्रवेश शुल्क में 5 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। इसी अधिसूचना में यह भी प्रावधान किया गया था कि प्रदेश के सभी संरक्षित क्षेत्रों (नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व) के प्रवेश शुल्क में हर तीन साल में 10 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।

मेडिकल और डेंटल की परीक्षा हिंदी भाषा में देने पर शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट

भोपाल/नई दिल्ली । मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा गुरुवार को अधिसूचना जारी की है। इस अधिसूचना के अनुसार स्नातक परीक्षा के लिए 6000 रूपये और पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए परीक्षा शुल्क 15000 रूपये निर्धारित किया गया है। जो छात्र हिंदी भाषा में परीक्षा देंगे।उनको फीस मैं 50 फ़ीसदी की छूट दी जाएगी। जो छात्र मेरिट में आएंगे। उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। मेरिट में प्रथम आने वाले छात्र को 200000रूपये एवं मातृभाषा रत्न से सम्मानित किया जाएगा।द्वितीय आने पर डेढ़ लाख रुपए नगद और मातृभाषा विभूषण से सम्मानित किया जाएगा।

मप्र के 'सिपरी' ने दूसरे राज्यों को लुभाया

इसरो की मदद से तैयार किया गया खास सॉफ्टवेयर

भोपाल। मप्र में हरियाली और जल संरक्षण का दायरा बढ़ाने के लिए एक खास सॉफ्टवेयर की मदद ली जा रही है। इस नए मॉडल की मदद से प्रदेश में हरियाली बढ़ाने किए जा रहे पौधारोपण और जल संरक्षण के कामों की सफलता की गारंटी गई गुना बढ़ गई है। मप्र में इस खास सॉफ्टवेयर की सफलता को देख अब देश के दूसरे राज्य भी इसके मुरीद हो गए हैं। देश के बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्य मप्र आकर नए सिस्टम को समझ चुके हैं। वहीं राजस्थान सहित कई दूसरे राज्यों का दल भी मप्र आने जा रहा है। उधर मप्र सरकार ने प्रदेश में होने वाले तमाम पौधारोपण और दूसरे कामों में इसको शत प्रतिशत लागू कर दिया है।

मप्र सरकार अब प्रदेश में हो रहे पौधारोपण और जल संरक्षण के कामों में खासतौर से तैयार कराए गए सिपरी यानी सॉफ्टवेयर फॉर आइडेंटिफिकेशन एंड प्लानिंग ऑफ रूरल इंफ्रस्ट्रक्चर सॉफ्टवेयर की मदद ले रहा है। इस सॉफ्टवेयर की सफलता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि राज्य सरकार द्वारा शुरू किए जा रहे 1 हजार करोड़ के कामों को तभी किया जाएगा, जब इस सॉफ्टवेयर की ओके रिपोर्ट मिल जाएगी।

जल संरक्षण में मदद करेगा सॉफ्टवेयर

दरअसल, मोहन सरकार 15 अगस्त से मप्र में एक नए अभियान की शुरूआत करने जा रही है। इस अभियान का नाम एक बगिया मां के नाम रखा गया है। इस अभियान में मनरेगा की मदद से प्रदेश की 30 हजार से ज्यादा स्व सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर 30 लाख से ज्यादा फलदार पौधे लगाए जाएंगे। इस योजना पर सरकार 1 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी, लेकिन सरकार ने इस योजना में प्रावधान किया है कि पौधारोपण उसी स्थान पर किया जाएगा, जहां सिपरी सॉफ्टवेयर की मदद से भूमि के परीक्षण के बाद ओके रिपोर्ट मिलेगी। यदि रिपोर्ट निगेटिव आई तो उस स्थान पर पौधा रोपण नहीं होगा।

मप्र सरकार द्वारा तैयार किए गए इस आधुनिक सॉफ्टवेयर के बिहार, महाराष्ट्र जैसे राज्य मुरीद हो गए हैं। आखिर ऐसा क्यों है, इसकी वजह इस सॉफ्टवेयर की खासियत है। इस सिपरी सॉफ्टवेयर को महात्मा गांधी मनरेगा, मप्र राज्य रोजगार गारंटी परिषद, भोपाल ने मप्र स्टेट इलेक्ट्रोनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड और इसरो की मदद से तैयार कराया है।

पौधारोपण में मदद करेगा सिपरी सॉफ्टवेयर

मनरेगा आयुक्त संचालक वाटरशेड मिशन अवि प्रसाद बताते हैं कि यह सॉफ्टवेयर जल संरक्षण के लिए उपयुक्त स्थानों की बेहद सटीकता से पहचान करता है।

बर्मिंघम टेस्ट- हैरी ब्रूक 158 रन बनाकर आउट

सिराज ने तोड़ी 303 रन की साझेदारी; जैमी स्मिथ 170 रन बनाकर खेल रहे; इंग्लैंड 387/6

बर्मिंघम। इंग्लैंड ने बर्मिंघम टेस्ट में भारत के खिलाफ वापसी कर ली है। तीसरे दिन के आखिरी सेशन में इंग्लिश टीम ने पहली पारी में 5 विकेट पर 385 रन बना लिए हैं। हैरी ब्रूक और जैमी स्मिथ नाबाद हैं। दोनों 300 रन से ज्यादा की साझेदारी कर चुके हैं। जैमी स्मिथ 150 रन का आंकड़ा पार कर चुके हैं। मोहम्मद सिराज ने जो रूट (22 रन) और बेन स्टोक्स (शून्य) को लगातार बॉल पर आउट किया। शुक्रवार सुबह इंग्लैंड ने 77/3 के स्कोर से खेलना शुरू किया। भारत ने कप्तान शुभमन गिल (269 रन) के दोहरे शतक के दम पर पहली पारी में 587 रन बनाए। मैच का स्कोरकार्ड

ब्रूक-जैमी ने छठे विकेट के लिए 300 रन की पार्टनरशिप की

82वें ओवर में हैरी ब्रूक और जैमी स्मिथ ने छठे विकेट के लिए 300 रन की साझेदारी पूरी कर ली है। स्मिथ ने सिराज के ओवर की चौथी बॉल पर दो रन लिए। इंग्लिश टीम ने 84 रन के स्कोर पर 5 विकेट गंवा दिए थे।

अंपायर्स ने बॉल बदली, आकाश दीप गेंदबाजी में आए

इंग्लैंड की पारी के 80 ओवर पूरे होने के बाद बॉल बदल दी गई है। नई बॉल के आते ही भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने आकाश दीप को गेंदबाजी पर लगाया है।

टी-ब्रेक : इंग्लैंड ने लगातार दूसरा सेशन जीता

तीसरे दिन इंग्लैंड ने लगातार दूसरा सेशन अपने नाम किया। इंग्लिश टीम ने 28 ओवर के इस सेशन में 106 रन बनाए। टीम ने इस सेशन में कोई विकेट नहीं गंवाया।

पहली पारी में इंग्लैंड का स्कोर 350, ब्रूक-जैमी नाबाद

74वें ओवर में इंग्लैंड पहली पारी में 350 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। हैरी ब्रूक ने वॉशिंगटन सुंदर के ओवर की चौथी बॉल पर चौका लगाकर टीम स्कोर 350 पार पहुंचाया।

ब्रूक -जैमी ने 250 रन की पार्टनरशिप की

70वें ओवर में हैरी ब्रूक और जैमी स्मिथ ने छठे विकेट के लिए 250 रन की साझेदारी कर ली। ब्रूक ने सुंदर के ओवर की आखिरी बॉल पर एक रन लेकर साझेदारी को 250 रन तक पहुंचाया।

इंग्लैंड का स्कोर 300 पार, ब्रूक-जैमी खेल रहे

इंग्लैंड ने पहली पारी में 300 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। हैरी ब्रूक ने 60वां ओवर डाल रहे नीतीश कुमार रेड्डी की आखिरी बॉल पर एक रन लेकर टीम स्कोर 300 पार पहुंचाया।

ब्रूक-जैमी ने छठे विकेट के लिए 200 रन की साझेदारी की

54वें ओवर में हैरी ब्रूक और जैमी स्मिथ ने छठे विकेट के लिए 200 रन की साझेदारी पूरी कर ली है। टीम ने 84 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे।

जैमी स्मिथ को जीवनदान, पंत से कैच छूटा

54वें ओवर में इंग्लिश बल्लेबाज जैमी स्मिथ को जीवनदान मिला। नीतीश कुमार रेड्डी के ओवर की पहली बॉल पर ऋषभ पंत से कैच ड्रॉप हो गया। यहां स्मिथ 121 रन पर आउट हुए।

51वें ओवर में हैरी ब्रूक ने शतक पूरा कर लिया है। उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा के ओवर की आखिरी चौका लगाया और शतक पूरा किया। ब्रूक ने टेस्ट करियर का 9वां शतक लगाया। वे पिछले मैच की पहली पारी में 99 रन पर आउट हुए थे।

भारतीय फुटबॉल टीम की मुश्किलें बढ़ी, नये कोच ने भी पद छोड़ा

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम टीम की मुश्किलें बढ़ गयी है। टीम के नये कोच मनोलो मार्केज ने भी अपना पद छोड़ दिया है। मार्केज ने एक साल से भी कम समय में अपना पद छोड़ दिया। उन्हें पिछले साल अगस्त में इगोर स्टिमैक के पद छोड़ने के बाद कोच बनाया गया था। मार्केज ने अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) के साथ आपसी सहमति से पद छोड़ा है। वहीं पिछले साल टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए स्टिमैक को राष्ट्रीय संघ ने कोच पद से हटा दिया था। मार्केज को एआईएफएफ ने उन्हें तीन साल के लिए राष्ट्रीय टीम का कोच बनाया था पर अचानक ही उनके इस्तीफे से साफ है कि एआईएफएफ में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। वहीं एआईएफएफ के उप महासचिव के सत्यनारायण ने कहा है कि, एआईएफएफ और मनोलो ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। साथ ही कहा कि एआईएफएफ जल्द ही नया मुख्य कोच नियुक्त करेगा। वहीं सवाल ये भी उठता है कि जिस प्रकार से कम समय के अंतराल में कोच हटाये जा रहे हैं उससे भारतीय टीम कैसे आगे बढ़ेगी। उनकी कोचिंग में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। टीम ने उनके नेतृत्व में 8 मैच खेले, जिनमें से सिर्फ एक में जीत हासिल की। यह जीत भी एक मैत्री मैच में मार्च 2025 में मालदीव के खिलाफ दर्ज की गई थी, जिसे भारत ने 3-0 से जीता था। सबसे ताजा झटका 10 जून को लगा, जब भारत को हांगकांग के खिलाफ 2027 एएफसी एशिया कप क्वालीफायर मुकाबले में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। मारक्वेज की कोचिंग में भारत की फीफा रैंकिंग में भी जबरदस्त गिरावट देखने को मिली है। जुलाई 2023 में भारत 99वें स्थान पर था, लेकिन अब 127वें स्थान तक फिसल चुका है। नवंबर 2023 के बाद से भारतीय टीम ने कोई भी मैच नहीं जीता है। गौरतलब है कि मारक्वेज को स्टीमैक की जगह लाया गया था। स्टीमैक की कोचिंग में भारत ने कुवैत के खिलाफ आखिरी जीत दर्ज की थी।

वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टेस्ट मैच में 286 रनों पर समेटा

ख्वाजा ने पूरे किये 6000

सेंट जॉर्ज । अल्जारी जोसेफ की शानदार गेंदबाजी से वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टेस्ट मैच में 286 रनों पर ही आउट कर दिया। इस मैच में मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया की ओर से केवल एलेक्स कैरी और बीयू वेबस्टर ही अर्धशतक लगा पाये। वहीं सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने इस मैच में 16 रन बनाने के साथ ही टेस्ट क्रिकेट में अपने 6000 रन पूरे कर लिए। वे ऐसा करने वाले ऑस्ट्रेलिया के 16वें बल्लेबाज हैं। ख्वाजा ने 83 टेस्ट की 149 पारियों में से रन बनाये हैं। वहीं स्टीव स्मिथ केवल 3 रन ही बना पाये।

बारिश से बाधित इस मैच में मेजबान गेंदबाज हावी रहे। अल्जारी ने 16 ओवर में 61 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं जेडन सील्स ने दो विकेट हासिल किये जबकि शमार जोसेफ, एंडरसन फिलिप और जस्टनी ग्रीव्स को एक-एक विकेट मिला।

बारिश से प्रभावित इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष बल्लेबजा विफल रहे। सलामी बल्लेबाज ओपनर सैम कांस्टास ने 25, उस्मान ख्वाजा ने 16 और कैमरन ग्रीन ने 26 रन बनाए। वहीं ट्रैविस हेड ने 29 रन बनाये। छठे नंबर पर उतरे बीयू वेबस्टर ने 60 रन की पारी खेलकर पारी संभाली। सातवें नंबर के उतरे एलेक्स कैरी ने 63 रन बनाये। इननों ने छठे विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को 200 रन के पार पहुंचाया। कप्तान पैट कमिंस ने भी 17 रन जबकि. नाथन लायन ने 11 और जोश हेजलवुड ने 10 रन बनाए।

जडेजा ने बताया स्टोक्स के साथ हुई बहस का कारण

बर्मिंघम। रविंद्र जडेजा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के साथ हुई बहस का कारण बताया है। जडेजा ने कहा कि स्टोक्स मैच में मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने उनकी शिकायत अंपायर से कर रहे थे। इसके अलावा अन्य खिलाड़ी उनका साथ दे रहे थे। जडेजा के अनुसार मेजबान टीम के खिलाड़ियों का प्रयास भारतीय बल्लेबाजों की लय भंग करना था। इसी कारण वे उनपर कमेंट कर रहे थे। दूसरे दिन का खेल शुरू होने के कुछ देर बाद जब उन्होंने पानी मंगाया था तो भी इंग्लैंड के खिलाड़ी उन पर तंज कस कस रहे थे। इस मैच के पहले दिन बेन स्टोक्स की यशस्वी जायसवाल से झड़प हुई थी और फिर क्रिस वोक्स ने जडेजा के बारे में मैदानी अंपायरों से शिकायत की थी। इंग्लैंड के खिलाड़ियों का कहना था कि जडेजा पिच के डेंजर जोन में दौड़ रहे हैं, जिससे पिच में निशान बन रहे हैं। मेजबान टीम का कहना था कि जडेजा ऐसा योजना के तहत कर रहे हैं। इसी को लेकर स्टोक्स ने उन्हें रोका भी था।

Image tweeted by @JayShah

वहीं जडेजा ने कहा, लेकिन मैं यहीं से आ रहा था। मैं वैसे भी वहां गेंदबाजी नहीं करूंगा। मैं ऐसा क्यों करूंगा? मेरा ध्यान बल्लेबाजी पर है? जडेजा ने स्टोक्स के साथ मैदान पर हुई बातचीत को लेकर दावा किया कि उनका इरादा सतह पर खुरदरापन पैदा करने का नहीं था। दूसरे दिन के खेल के बाद जडेजा ने कहा कि वे बार-बार अंपायर से शिकायत कर हमारी लय तोड़ने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने कहा, स्टोक्स को लगता है कि मैं अपने लिए पिच को खुरदुरा बना रहा हूं। वहीं वे तेज गेंदबाजों का इस्तेमाल करके इसे और भी खराब बना रहे थे। मुझे इसे रफ बनाने की जरूरत नहीं थी। वे बार-बार अंपायर से कह रहे थे कि मैं विकेट पर दौड़ रहा हूं, लेकिन मेरा इरादा ऐसा नहीं था।

पीसीए ने शुभमन का पुराना वीडियो जारी कर कहा, आपका ताज सबसे अधिक चमक रहा

चंडीगढ़। इंग्लैंड के खिलाफ पहले दोनो टेस्ट मैच में शतक लगाने के साथ ही भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल छा गये हैं। इसके बाद से ही उन्हें बधाईयां मिल रही हैं। शुभमन ने पहले टेस्ट में शतक और अब दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक लगाया है। उनकी 269 रन की ऐतिहासिक पारी पर उनके गृह राज्य पंजाब क्रिकेट संघ ने एक बेहद प्यारा संदेश दिय है। इस इसमें कहा गया है कि ताज पहने नहीं, कमाए जाते हैं। आपका ताज सबसे अधिक चमक रहा है।

पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने उनके एक साक्षात्कार को सोशल मीडिया में साझा किया है। ये तक का वीडियो है जब गिल शुरुआती किशोरावस्था में थे। इस वीडियो के साथ पीसीए ने जो लिखा है, वो सबसे अहम है। पीसीए ने पोस्ट किया, ' शुभमन आपने सिर्फ नेतृत्व ही नहीं किया बल्कि राज किया। पंजाब के हृदय से लेकर भारतीय क्रिकेट की आत्मा तक। आपने दुनिया को दिखाया है कि मैदान पर राजसीपन कैसा होता है। सिर्फ कप्तान ही नहीं - एक ताकत, एक आग, एक सुनहरा भविष्य। ताज पहने नहीं जाते - उन्हें कमाया जाता है और आज, आपका ताज सबसे अधिक चमक रहा है।'

इस वीडियो में शुभमन टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी के बारे में किसी बहुत अनुभवी और परिपक्क हुए बल्लेबाज के तौर पर बातचीत करते दिख रहे हैं। वह कहते दिख रहे हैं कि टेस्ट क्रिकेट है, अगर आप जल्दी आउट हो गए तो पूरे दिन आपको बाहर बैठना पड़ता है। उस समय वह बता रहे हैं कि उनका असल लक्ष्य भारतीय टीम से खेलना है। ये साक्षात्कार तब का था जब उन्होंने मोहाली की तरफ से खेलते हुए अमृतसर के खिलाफ 351 रन बनाए थे। उस मैच में वह अपने साथी बल्लेबाज निर्मल सिंह के साथ मिलकर अंतर-जिला मैच में 587 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की थी।

शुभमन बोले, बेसिक्स पर लौटने से मिली लय

बर्मिंघम। भारतीय टेस्ट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल ने इस दौरे में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे टेस्ट में में दोहरा शतक लगाया है। इससे भारतीय टीम अपनी पहले पारी में 587 रन का बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। इसका पीछा करते हुए मेजबान इंग्लैंड की टीम ने अपनी पहली पारी में 77 रनों के अंदर ही तीन विकेट गंवा दिये। शुभमन ने इस मैच में अपनी इस रिकार्ड पारी का श्रेय (बेसिक्स) खेल की मूल बातों पर ध्यान देने को दिया है। साथ ही कहा कि इससे वह लय हासिल करने में सफल रहे हैं। इस बल्लेबाज ने कहा, कभी-कभी, जब आप धाराप्रवाह रन नहीं बना रहे होते हैं, तो आप अपनी बल्लेबाजी का आनंद लेना बंद कर देते हैं। आप रन बनाने की जरूरत पर बहुत ज़्यादा ध्यान देते हैं। मुझे लगा कि मैंने अपनी बल्लेबाजी में वह खो दी थी। मैं रनों को लेकर इतना बेसब्र था कि मैं अपनी बल्लेबाजी का उतना आनंद नहीं ले पा रहा था। वहीं खेल की मूल बातों पर लौटने से उन्हें लय हासिल करने में मदद मिली। उन्होंने कहा, मैंने मुख्य रूप से अपने शुरुआती मूवमेंट और अपने सेटअप पर काम किया। इससे पहले मुझे लगा कि मेरी बल्लेबाजी अच्छी चल रही है। मैं टेस्ट मैचों में लगातार 30-35-40 रन बना रहा था। उन्होंने कहा, मैंने बचपन की तरह बल्लेबाजी करने की कोशिश की। मैंने 35 से 40 रन तक पहुंचने या लंबी पारी खेलने के बारे में नहीं सोचा। मैं बस अपनी बल्लेबाजी का आनंद लेना चाहता था। गिल ने कहा, मुझे लगा कि गेंद थोड़ी नरम थी। पिछले मैच में मैं आराम से रन बना रहा था, लेकिन यहां यह आसानी से नहीं आ रहा था। फिर भी, मेरी मानसिकता यह थी कि अगर विकेट अच्छा है और मैं जम गया हूं, तो चाहे मैं कितनी भी देर तक बल्लेबाजी करूं, मुझे मैच बीच में नहीं छोड़ना चाहिए।

जोकोविच ने विंबलडन में अपना 99वां मैच जीता

इवांस को हराकर तीसरे दौर में पहुंचे

लंदन। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच विंबलडन टेनिस टूर्नामिंट के पुरुष एकल के तीसरे दौर में पहुंच गये हैं। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रहे जोकोविच ने दूसरे दौर में ब्रिटेन के डैन इवांस को 6-3, 6-2, 6-0 से हरा दिया। इसी के साथ ही जोकोविच ने विंबलडन में अपना 99वां मैच जीता इै। इसी के साथ ही वह तीसरे दौर में 19वीं बार पहुंचे हैं। ये ओपन युग में किसी पुरुष खिलाड़ी का अब तक का सबसे अच्छा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वहीं स्विटजरलैंड के दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर ने 18 बार तीसरे दौर में जगह बनायी। जोकोविच ने जीत के बाद कहा, '19 बार, यह एक शानदार आंकड़ा है। यह संख्या यानिक सिनर और कार्लोस अल्कारेज की उम्र के करीब है। गौरतलब है कि पिछले दो विंबलडन फाइनल में जोकोविच को 22 साल के अल्कारेज और 23 साल के सिनर ने हराया था। वहीं महिल एकल में सातवीं वरीयत प्राप्त मीरा आंद्रीवा और 10वीं वरीयता प्राप्त ऐमा नवारो ने सीधे सेट में जीत हासिल की। एक अन्य मैच में आंद्रीवा ने इटली की लूसिया ब्रोंजेटी को 6-1, 7-6 से पराजित किया जबकि नवारो ने वेरोनिका कुदरमेतोवा को 6-1, 6-2 से हराया। विंबलडन विजेता एलेना रिबाकिना ने मारिया सकारी को 6-3, 6-1 से पराजित किया। पुरुष एकल में एलेक्स डि मिनोर ने आर्थर केजॉक्स को 4-6, 6-2, 6-4, 6-0 से हराया जबकि ग्रेगोर दिमित्रोव ने कोरेनटिन मोटेट को 7-5, 4-6, 7-5, 7-5 से हराया।

राष्ट्रपति ने डूरंड कप फुटबॉल 2025 ट्रॉफी का अनावरण करने के साथ ही खेलों का महत्व बताया

अनुशासन, संकल्प और टीम भावना को मिलता है बढ़ावा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज एक भव्य समारोह में डूरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 की ट्रॉफियों का अनावरण किया। राष्ट्रपति ने इस दौरान खेलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इससे अनुशासन, संकल्प और टीम भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि खेलों में लोगों, क्षेत्रों और देशों को जोड़ने की ताकत है। इसी कारण हम इसे राष्ट्रीय एकीकरण का भी एक साधन मानते हैं। इसी कारण ओलंपिक या किसी भी अंतरराष्ट्रीय आयोजन में जब तिरंगा फहराया जाता है तो सभी नागरिक रोमांचित हो जाते हैं।

राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, डूरंड कप जैसे आयोजन न केवल खेल भावना को बढ़ावा देते हैं बल्कि इससे फुटबॉल खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को विकसित करने के लिए भी एक मंच मिलता है। जिसपर खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर आगे बढ़ते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि फुटबॉल का लाखों लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान है। यह सिर्फ एक खेल नहीं है; यह एक जुनून है। फुटबॉल का खेल रणनीति, धैर्य और एक साझा लक्ष्य की ओर मिलकर काम करने के बारे में बताता है।

डूरंड कप का 2025 संस्करण इसी माह 15 जुलाई से 23 अगस्त तक पांच राज्यों - पश्चिम बंगाल, असम, मणिपुर, मेघालय और झारखंड के छह स्थानों पर खेला जाएगा। असम के कोकराझार में लगातार तीसरे साल डूरंड कप होने जा रहा है । इस टूर्नामेंट ने 2019 में अपना घरेलू मैदान नई दिल्ली से कोलकाता में स्थानांतरित कर दिया था और लगातार छठे संस्करण के लिए यह बना रहेगा। डूरंड कप ने देश की प्रमुख प्रतियोगिता के रूप में स्थापित कर लिया है, तथा इसमें भाग लेने वाली टीमों की संख्या 16 से बढ़कर 24 हो गई है, जिसमें सभी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीमों की भागीदारी भी शामिल है। यह टूर्नामेंट इस मायने में खास है कि इसमें सेना की टीमें भारत के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल क्लबों के खिलाफ मुकाबला करती हैं और पिछले कुछ संस्करणों में पड़ोसी देशों की सेना टीमों के साथ विदेशी भागीदारी भी देखी गई है।

लीवरपूल के फुटबॉलर की कार हादसे में मौत , रोनाल्डों ने संवेदना जतायी

ज़मोरा। इंग्लैंड के लीवरपूल क्लब से खेलने वाले पुर्तगाल के एक फुटबॉलर की कार हादसे में मौत हो गयी है। लीवरपूल के फॉरवर्ड डिएगो की कार पुर्तगाली सीमा के करीब जमोरा प्रांत में हादसे का शिकार हो गयी। इस दौरान जोटा के साथ उनके छोटा भाई 26 साल के आंद्रे भी गाड़ी में थे। आंद्रे भी एक पेशेवर फुटबॉलर आंद्रे थे और पुर्तगाल की टीम पेनाफिल के लिए खेलते थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, स्पेन के ज़मोरा में स्थानीय फायर अधिकारियों ने बताया कि दो लोगों की हादसे में मौत हुई है। मृतकों की उम्र 28 और 26 साल थी। उनकी गाड़ी में आग लग गई थी। डिएगो जोटा के नाम 130 से ज्यादा गोल है, इस खिलाड़ी ने अंतिम गोल एवर्टन के खिलाफ मैच में किया था। अभी वह लिवरपूल से खेल रहे थे। उन्होंने अपने करियर का आखिरी गोल 2 अप्रैल को किया था। ये गोल एवर्टन और लिवरपूल के बीच खेले गए मुकाबले में बना था। लिवरपूल एफसी ने डियागो की मौत पर दुख जताते हुए कहा कि इस कठिन समय में हमारी हार्दिक संवेदनाएं डियोगो के परिवार के साथ हैं। साथ ही कहा कि। फुटबॉल ने एक चैंपियन खो दिया है जिसकी कमी हमेशा खलेगी। हम क्लब में अपने दोस्तों और सहकर्मियों का समर्थन करना जारी रखेंगे। एलएफसी ने सोशल मीडिया में लिखा, लिवरपूल फुटबॉल क्लब डियोगो के दुखद निधन से स्तब्ध है। वहीं पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी डियोगो के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उनकी परिवार के लिए अपनी संवेदनाएं जतायी हैं।

शुभमन इंग्लैंड में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी बने

बर्मिंघम। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में दोहरा शतक लगाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही वह इंग्लैंड में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गये हैं। अपनी 269 रनों की पारी के साथ ही शुभमन ने लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर के अलावा राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर को भी पीछे छोड़ दिया। शुभमन अब इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के नाम था, जिन्होंने 1979 में द ओवल में 221 रन बनाए थे।

इसके अलावा राहुल द्रविड़ ने 2002 में द ओवल में 217 रन बनाए थे। वहीं सचिन तेंदुलकर ने उसी साल लीड्स में 193 रनों की पारी खेली थी। रवि शास्त्री ने 1990 में द ओवल में 187 रन बनाए थे। वहीं शुभमन ने 269 रन बनाने के इन सभी को पीछे छोड़ दिया है। अब वह इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गये है।

शुभमन ने इस पारी के दौरान यशस्वी जायसवाल के साथ तीसरे विकेट के लिए 67 रन और ऋषभ पंत के साथ चौथे विकेट के लिए 47 रन जोड़े। इसके बाद रवींद्र जडेजा के साथ छठे विकेट के लिए 203 रनों की साझेदारी ने बड़ी साझेदारी कर भारतीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। इस दौरान जडेजा ने भी 89 रन बनाये।

शुभमन ने अपनी इस पारी के साथ ही कई अन्य अहम रिकार्ड बनाये हैं। वह इंग्लैंड में दोहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान बने हैं। इसके अलावा 25 साल के शुभमन गिल मंसूर अली खान पटौदी के बाद टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे सबसे युवा भारतीय कप्तान बन गए। वह सेना देशों (दक्षिण , अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड और इंग्लैंड) में दोहरा शतक लगाने वाले पहले एशियाई कप्तान और टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी बने हैं।

ब्रैथवेट ने रिचर्ड्स, लॉयड के क्लब में जगह बनायी

बारबाडोस । वेस्टइंडीज के क्रेग ब्रैथवेट यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए मैदान पर उतरने के साथ ही वेस्टइंडीज की ओर से 100 टेस्ट खेलने वाले 10वें क्रिकेटर बन गये। इस मैच में उतरने के साथ ही विव रिचर्ड्स, क्लाइव लॉयड, ब्रायन लारा और गॉर्डन ग्रीनिज जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के क्लब में आ गये हैं। पिछले कुछ साल में ब्रैथवेट सबसे लंबे प्रारूप में वेस्टइंडीज क्रिकेट के स्तंभ बनकर उभर हैं, उन्होंने अब तक 99 टेस्ट मैचों में 12 शतकों के साथ ही कुल 5943 रन बनाए हैं, उनमें से 39 में टीम का नेतृत्व किया है। साल 2011 में डेब्यू करने के बाद से इस क्रिकेटर ने पिछले एक दशक से शानदार प्रदर्शन किया है।

ब्रैथवेट ने कहा, 'जब मैं शायद 14 वर्ष का था तभी से मेरा लक्ष्य 100 टेस्ट खेलना था। अब मैं 18 साल बाद वेस्टइंडीज के लिए अपना सौवां टेस्ट खेल रहा हूं। मैं बहुत आभारी हूं, और मैं बस युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनना चाहता हूं। पाकिस्तान के खिलाफ डेब्लू मैच में ब्रैथवेट का प्रदर्शन अच्छा नहीं था और वह इस मैच में केवल 15 रन ही बना पाये थे। इसके बाद जब उन्हें लय मिली तो वह बेहतर होते गये। मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ अर्धशतक लगाने के बाद से ही उनके करियर में तेजी आई। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अगले चार मैचों में उन्होंने तीन और अर्धशतक लगाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों के खाते में लैपटॉप की राशि अंतरित की

बालाघाट जिले के 2587 विद्यार्थियों के खाते में जमा हुई 6.47 करोड़ रुपये की राशि

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 4 जुलाई को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रदेश के 94 हजार 234 विद्यार्थियों के खाते में सिंगल क्लिक के माध्यम से लैपटॉप की 235 करोड़ 58 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की हैं। इसमें बालाघाट जिले के 2587 विद्यार्थियों के खाते में जमा हुई 06 करोड़ 47 लाख 75 हजार रुपये की राशि भी शामिल है। भोपाल में आयोजित इस कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह और जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह भी मौजूद थे। भोपाल में आयोजित लैपटॉप वितरण राशि के इस कार्यक्रम का बालाघाट जिला मुख्यालय सहित विकासखंड मुख्यालयों पर भी सीधा प्रसारण दिखाया गया। उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के विद्यामूर्ति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विधायक एवं माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के सदस्य गौरव पारधी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर मृणाल मीणा ने की। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री रामकिशोर नानो कावरे, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत ठाकुर, जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य शरद ज्योतिषी,

विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाए, छात्र-छात्राए एवं पालकगण उपस्थित थे। इस अवसर पर लैपटॉप की राशि पाने वाले छात्र-छात्राओं को प्रतीक स्वरूप 25-25 हजार रुपये के चेक का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री गौरव पारधी ने इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में लैपटॉप पाने के लिए बधाई देते हुए कहा कि उपलब्धियों का यह क्रम रूकना नही चाहिए, बल्कि निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। लैपटॉप पाने वाले छात्र छात्राए आगे की पढाई में और बड़ी सफलता हासिल करने के लिए अथक परिश्रम करे और देश प्रदेश में जिले का नाम रौशन कर अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बने। विधायक श्री पारधी ने कार्यक्रम के दौरान बच्चों से सामान्य ज्ञान के प्रश्न किए और सही जवाब देने वालों को पुरूष्कार स्वरूप चॉकलेट का वितरण किया। उन्होंने बच्चों से कहा कि पढ़ाई के साथ अपने सामान्य ज्ञान पर भी विशेष ध्यान दे और समाचार पत्रों का नियमित रूप से अध्ययन करे। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सामान्य ज्ञान मजबूत होना चाहिए। विधायक श्री पारधी ने कहा कि आज उन्हें पहली बार उत्कृष्ट विद्यालय में आने का अवसर मिला है। उनके पिताजी इस विद्यालय के छात्र रहे है। अत: इस नाते उनका इस विद्यालय से एक अलग ही लगाव है। उन्होंने कहा कि वे आने वाले समय में नियमित रूप से इस विद्यालय में आएंगे और बच्चों के साथ सामान्य ज्ञान की प्रश्नोत्तरी भी करेंगे। पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे ने इस अवसर पर छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि वे अभी से अपने भविष्य के लिए सोचे और तय कर ले कि उन्हें आगे क्या बनना है। इसमें उन्हें गुरुजनों का मार्गदर्शन भी मिलेगा और वे आगे बढ़ने की सही राह बताएंगे। श्री कावरे ने कहा कि इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में सरकारी स्कूलों का परिणाम अच्छा रहा है। प्रदेश सरकार विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए अनेक सुविधाए दे रही है। स्कूल में प्रवेश लेने के साथ ही नि:शुल्क पाठ्यपुस्तके प्राप्त हो जाती है। कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रवेश लेने वाले बच्चों को साईकिल का वितरण किया जाता है। उन्होंने सभी छात्र छात्राओं से कहा कि पढ़ाई में खूब मेहनत करे और आने वाले वर्ष में इतने अधिक अंक लाये कि लैपटॉप पाने की पात्रता हासिल हो जाए। कलेक्टर मृणाल मीणा ने अपने सम्बोधन में कहा कि बालाघाट जिले में शिक्षा के प्रति अच्छी जागरूकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में यहॉ के विद्यार्थी सफलता हासिल कर रहे है। यह एक अच्छी बात है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ खेलकूद एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने छात्र छात्राओं से कहा कि वे अपने में हमेशा सीखने की प्रवृत्ति रखे। व्यक्ति जीवन भर एक विद्यार्थी ही रहता है और उसे नई चीजे सीखने का अवसर मिलता है। छात्र छात्राए जीवन में आगे बढ़ने के लिए निरंतर अच्छा करने का प्रयास करे। अपने मस्तिष्क को बंद न होने दे बल्कि अपने कौशल में निखार लाने के लिए प्रयासरत रहे। कार्यक्रम को नगर पालिका अध?यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने बताया कि प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना-2025 के अंतर्गत 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थी को लैपटॉप क्रय करने 25 हजार रुपये की राशि दी जा रही है। इस योजना में बालाघाट जिले के 2587 विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि मिली है, इसमें भी बालिकाओं ने बाजी मार ली है। जिले के 1667 बालिकाओं एवं 920 बालकों को लैपटॉप की राशि मिली है। इसमें विकासखंड बालाघाट के 686, कटंगी के 360, वारासिवनी के 298, लालबर्रा के 254, लांजी के 252, किरनापुर के 182, बैहर के 162, बिरसा के 155, खैरलांजी के 122 एवं परसवाड़ा विकासखंड के 116 विद्यार्थी शामिल है। कार्यक्रम में प्रतीक स्वरूप निकिता पटले, विशेष थोटे, सक्षम मिश्रा, तेजस बिसेन, संभव खरोले, लीशा हरिंद्रवार, योगेश लांजेवार, प्रियांशी पटले, यामिनी एवं अयान कुरैशी को 25-25 हजार रुपये के चेक प्रदान किये गए।

बैहर एसडीएम ने जारी किया प्रतिबंधात्मक आदेश

नदी, नाला, तालाब, झरने एवं पानी के ऊफान वाले स्थलों में आमजन का जाना प्रतिबंधित किया गया

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। वर्षा ऋतु में बाढ़, पानी में डूबने या बहने या भू-स्खलन होने जैसी दुर्घटनाओं में जन हानि की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आमजन की सुरक्षा को देखते हुए राजस्व अनुविभाग बैहर के अंतर्गत नदी, नाला, तालाब, झरने एवं पानी के ऊफान वाले स्थलों में आमजन का जाना प्रतिबंधित किया गया है। इस संबंध में जारी आदेश में कहा गया है कि 01 जुलाई से वर्षा ऋतु प्रारंभ हो गई है। इस दौरान अतिवर्षा होने पर नदी, नाले, तालाब, झरना तथा पानी के ऊफान वाले स्थलों पर बाढ़ आने की संभावना रहेगी। अत- राजस्व अनुभाग बैहर में बाढ़ एवं अतिवर्षा की स्थिति में नदी, नालों, तालाब, झरने एवं पानी के उफान वाले स्थलों पर आम जनों का जाना प्रतिबंधित रहेगा। कोई व्यक्ति भी बाढ़ की स्थिति में इन स्थलों के 100 मीटर के दायरे में प्रवेश नहीं करेगा। इसी प्रकार पहाड़ी स्थलों पर जहां भू-स्खलन या जमीन धसकने की संभावना हो, उसके 100 मीटर के दायरे में आमजन का प्रवेश वर्जित रहेगा। जन सुरक्षा की दृष्टि से किसी भी व्यक्ति के नदी, नाले, झरने, तालाब आदि में नहाने पर प्रतिबंध लगाया गया है । इस आदेश का उल्लंघन करने पर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

कृषि विभाग की परामर्शदात्री समिति की बैठक हुई संपन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास के सभाकक्ष में 04 जुलाई को परामर्सदात्री समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मप्र कृषि विस्तार अधिकारी संघ, मप्र राज्य कर्मचारी संघ के माध्यम से एजेण्डा उपलब्ध कराया गया। बैठक में उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय, सहायक संचालक कृषि विनय धुर्वे, जिला अध्यक्ष मप्र शासकीय कर्मचारी संघ डी.के.खंण्डेलकर, सुनील मेश्राम प्रान्तीय सचिव मप्र शिक्षक कांग्रेस, सजल मस्की जिला अध्यक्ष मप्र कर्मचारी कांग्रेस, जितेन्द्र नकाशे ब्लॉक अध्यक्ष राज्य.कर्म.संघ, श्री राजेश्वर पाटिल, पीके भालेराव कृ.वि.अधिकारी आदि उपस्थित रहें। बैठक में रबी वर्ष 2024-25 में वितरित चना प्रदर्शन, नगद बीज वितरण के अनुदान शीघ्र किसानों के खाते में डालने, कृषि विस्तार अधिकारियों की कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में परीक्षा में ड्यूटी न लगाने, पदोन्नति के लिए वरिष्ठता सूची को सहीं एवं सुधार करने के संबंध में, शेष कृषि विस्तार अधिकारियों के मोबाईल की शेष 04 हजार रुपये की राशि देने एवं जिन अधिकारियों को सिम प्राप्त नहीं हुई है उन्हें सिम उपलब्ध कराने के साथ ही वर्ष 2023-24 में कृषि विस्तार अधिकारियों की नियुक्ति हुई है उन्हें एरियर्स दिये जाने के संबंध में चर्चा की गयी। मप्र कर्मचारी कांग्रेस संघ के माध्यम से प्राप्त एजेण्डा में 01 अप्रैल 2025 की स्थिति में भृत्य, लिपिक, अधिकारी कर्मचारी की वरिष्ठता सूची अपग्रेड करने, अधिकारी कर्मचारी की सेवा पुस्तिका 01 अप्रैल 2025 की स्थिति में अपग्रेड करने के संबंध में एवं कार्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने के लिए निवेदन किया। उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय द्वारा सभी बिन्दुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी।

जल गंगा संवर्धन अभियान में बालाघाट जिले को मिले 03 पुरस्कार

खेत-तालाब निर्माण में बिरसा जनपद ने प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारण्टी परिषद भोपाल द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बालाघाट जिले को प्रदेश स्तर पर 03 पुरस्कारों में चयनित किया गया है। कलेक्टर मृणाल मीणा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में बालाघाट जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान का संचालन किया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ ने ग्रामीण क्षेत्रों में इस अभियान के क्रियान्वयन की सतत निगरानी की। जिसके फलस्वरूप बालाघाट जिले के इस अभियान में 03 पुरस्कार प्राप्त हुए है। जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश में 30 मार्च 2025 से प्रारंभ कर 30 जून 2025 तक चलाया गया है। इस अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण के लिए नवीन तालाबों का निर्माण, पुरानी बावड़ियों एवं जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार एवं साफ सफाई का कार्य किया गया है। इस अभियान में प्रदेश के सभी 55 जिलों में समग्र रूप से श्रेष्ठ कार्य करने में बालाघाट जिले ने 87.56 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया है। खण्डवा ने प्रथम एवं रायसेन ने द्वितीय स्थान हासिल किया है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत खेत तालाब निर्माण में श्रेष्ठ कार्य करने के लिए बी श्रेणी में बालाघाट जिले को प्रथम स्थान मिला है। बी श्रेणी में उन जिलों को शामिल किया गया है जिनमें 05 या उससे अधिक जनपद पंचायत है। 05 से कम जनपद पंचायत वाले ए श्रेणी के जिलों में अनूपपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विकासखंड स्तरीय पुरस्कार के अंतर्गत ए श्रेणी की जनपद पंचायतों में बालाघाट जिले की बिरसा जनपद पंचायत में प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। ए श्रेणी में उन जनपद पंचायतों को शामिल किया गया है जिनमें ग्राम पंचायतों की संख्या 70 या उससे कम है। 71 या उससे अधिक ग्राम पंचायतों वाली जनपद पंचायतों को बी श्रेणी में रखा गया था और इसमें अनूपपुर जिले की पुष्पराजगढ़ जनपद पंचायत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बालाघाट जिले को मनरेगा में 3900 खेत-तालाब निर्माण का लक्ष्य दिया गया था। इस लक्ष्य के विरूद्ध जिले में 4875 खेत-तालाब के कार्य शुरू करवाए गए है जो निर्धारित लक्ष्य का 125 प्रतिशत है। खेत तालाब निर्माण में 110 करोड़ रुपये की राशि व्यय की गई है। इसी प्रकार कूप रिचॉर्ज में 1200 का लक्ष्य दिया गया था, इस लक्ष्य के विरूद्ध 1400 कूप रिचॉर्ज का काम किया गया है और 03 करोड़ 23 लाख रुपये की राशि व्यय की गई है। जिले को इस अभियान में 25 अमृत सरोवर निर्माण का लक्ष्य दिया गया था, इसके विरूद्ध 36 अमृत सरोवर के कार्य कराए गए है। इस अभियान में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 4100 जलदूत नियुक्त करने का लक्ष्य दिया गया था। इस लक्ष्य के विरूद्ध जिले में 12 हजार जलदूत नियुक्त किये गए है। जल गंगा संवर्धन अभियान में खेत तालाब में 125 प्रतिशत, कूप रिचार्ज में 118 प्रतिशत, अमृत सरोवर में 144 प्रतिशत तथा जलदूत 295 प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने पर बालाघाट जिले को प्रदेश में 03 पुरस्?कार के लिए चयनित किया गया है।

सहकारिता में युवाओं के लिए अवसर व्याख्यान संपन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीणा के मार्गदर्शन में अंतराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत 04 जुलाई को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट, उपायुक्त सहकारिता बालाघाट, जिला सहकारी संघ बालाघाट के बैनर तले टैगोर मोंटेसरी इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल में सहकारिता क्षेत्र में युवाओ के लिए अवसर विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजेश उइके उपायुक्त सहकारिता बालाघाट, पी. जोशी प्र. मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बालाघाट, राजेश नागपुर फील्ड अधिकारी द्वारा सहकारिता क्षेत्र में युवाओ के लिए अवसर पर उपस्थित छात्र, छात्राओं को आवश्यक जानकारी से अवगत कराया गया। इस दौरान श्रीमती संध्या सिरसाठे प्राचार्य टैगोर मोंटेसरी स्कूल बालाघाट, मुकेश दुबे प्रबंधक जिला सहकारी संघ बालाघाट, नीरज बिसेन सहकारी प्रशिक्षु, स्कूल के छात्र छात्राएं एवं टीचर स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का आभार सारंग बिसेन बैंक कर्मचारी द्वारा किया गया।

जिला न्यायाधीश ने जिला जेल बालाघाट का किया निरीक्षण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण द्वारा 04 जुलाई को जिला जेल बालाघाट का निरीक्षण किया गया एवं वहॉ की व्यवस्था को देखा गया। इस दौरान जिला जेल बालाघाट के समस्त वार्डो में निरूद्ध बंदियों से चर्चा की गई तथा जेल में शौचालय, पेयजल व्यवस्था, बंदियों की भोजन व्यवस्था व उसकी गुणवत्ता का निरीक्षण किया गया। साथ ही बंदियों के लिए उपलब्ध चिकित्सीय सुविधा एवं जेल में उपलब्ध दवाईयों एवं वीडियो कान्फ्रेसिंग सुविधा के संबंध में जानकारी ली गई। प्रधा जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा महिला वार्ड में महिला बंदियों को जमानत संबंधी प्रावधानों के बारे में जानकारी भी दी गई। साथ ही भोजन वितरण के समय बंदियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता में सुधार किये जाने के निर्देश दिये गए। इस अवसर पर न्यायाधीश व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट सतीश शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट अविनाश छारी, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे एवं जेल अधीक्षक रामलाल सहलाम उपस्थित रहें।

यौमे आशुरा कल : याद किए जाएंगे इमाम हुसैन और उनके 72 जानिसार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। इस्लामी साल का पहला महिना, मोहर्रम कहलाता है, इस महिने की 10 तारीख को याने की कल 06 जुलाई को यौमे आशुरा का दिन है, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आशुरा के दिन का ऐतिहासिक महत्व है। यौमे आशुरा इस्लामिक तारीख के मुताबिक बहुत ही फजीलत और अजमत वाला दिन है, क्योंकि यौमे आशुरा के दिन ही हजरत आदम की दुआयें कबूल हुई, इसी दिन हजरत नूह की कश्ती जूदी पहाड़ी के किनारे लगी। इसी दिन हजरत इब्राहिम पर आग, गुलजार हुई और इसी दिन हजरत ईसा आसमान पर उठा लिये गये तथा इसी दिन हजरत ईमाम हुसैन की कर्बला में शहादत हुई थी।

विशेष नमाज अदा कर मांगी जाएगी दुवाएं

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मस्जिदो और घरो में यौमे आशुरा का पर्व मनाया जाएगा। जिसके तहत मस्जिदो और घरो में विशेष नमाज अदा की जाएगी और दुआये मांगी जायेगी। बालाघाट मुख्यालय के जामा मस्जिद और विभिन्न मस्जिदो में सुबह 10 बजे यौमे आशुरा की विशेष नमाज अदा की जाएगी और आशुरे की दुआ भी पड़ी जायेगी।

रोजाना किए जा रहे विभिन्न आयोजन

ज्ञात हो कि यौमे आशुरा के रोजे का भी अत्यंत महत्व हैं। इसलिए मुस्लिम धर्मावलंबी रोजे का ऐहेतमाम करते है और शहीदाने कर्बला की याद में शरबत तथा खिचड़ा सहित लंगर का भी जगह-जगह इंतजाम किया जाता है।गौरतलब हो कि मोहर्रम माह के एक तारीख से लेकर 10 तारीख तक शहर की जामा मस्जिद में धर्मगुरू द्वारा धर्मावलंबियों को शहीदाने कर्बला और हजरत ईमाम हुसैन की जीवनी से जुड़ी तकरीर दी जा रही है। मुस्लिम धर्म की मान्यता अनुसार यौमे आशुरा का पर्व परंपराओं एवं मान्यताओं के अनुसार हजरत ईमाम हुसैन के चाहने वाले अलग-अलग तरीकों से भी मनाते हैं, बहरहाल आशुरे के दिन को पूरी दुनिया में विशेष रूप से हजरत ईमाम हुसैन की याद के रूप में ही मनाया जाता हैं, जिन्होंने मानवीय मूल्यो तथा इस्लाम के अमन-शांति और भाईचारे के बचाने, अपनी जान कुर्बान कर दी। जिनके साथ परिवार के 6 माह के बच्चे अली असगर सहित 72 जानिसार शहीद हुए थे।उक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से देते हुए इमाम तंजीम के प्रदेश संगठन मंत्री हाजी शोएब खान ने यौमे-आशुरा पर्व के मौके पर प्रशासन से समुचित व्यवस्था किए जाने की मांग की है।

अब समय से पहले लोन चुकाने पर नहीं लगेगा चार्ज

आरबीआई का नया नियम 1 जनवरी 2026 से लागू होगा

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने लोन लेने वालों को राहत दी है। दरअसल, आरबीआई ने फ्लोटिंग इंटरेस्ट रेट वाले लोन पर प्री-पेमेंट चार्ज खत्म करने का फैसला किया है। रिजर्व बैंक का यह नया नियम 1 जनवरी 2026 से लागू होगा। अगर कोई व्यक्ति समय से पहले अपने लोन को थोड़ा या पूरा चुकाता है, तो बैंक ये चार्ज वसूलता था। नया नियम सभी बैंकों और नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों समेत रेगुलेटेड इंस्टीट्यूशंस के लिए अनिवार्य रहेगा। इससे करोड़ों लोन लेने वाले लोगों, खासकर होम लोन और एमएसई लोन लेने वालों को सीधा फायदा मिलेगा।

आरबीआई के इस फैसले का मतलब ये है कि अगर आपने फ्लोटिंग इंटरेस्ट रेट पर लोन (जैसे होम लोन) लिया है और आप उसे थोड़ा या पूरा तय समय से पहले चुकाना चाहते हैं, तो बैंक या फाइनेंशियल कंपनी आपसे कोई प्री-पेमेंट पेनल्टी नहीं वसूल पाएंगी। इसमें शर्त यह है कि लोन 1 जनवरी 2026 या उसके बाद मंजूर या रिन्यू हुआ हो। बैंक या कंपनी ग्राहकों पर यह चार्ज इसलिए लगाते थे, ताकि ग्राहक किसी और बैंक के सस्ते लोन पर स्विच न कर सकें या प्री-पेमेंट न करें। इससे उन्हें पूरा ब्याज कमाने का मौका मिलता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। इस फैसले से उन व्यक्तियों को फायदा मिलेगा, जिन्होंने नॉन कॉमर्शियल काम के लिए फ्लोटिंग रेट पर लोन लिया है। भले ही किसी व्यक्ति ने अकेले लोन लिया हो या को-ऑब्लिगेंट के साथ लोन लिया हो। ऐसे सभी लोन पर कोई भी बैंक या एनबीएफसी प्री-पेमेंट चार्ज नहीं वसूल सकेगा। इसके अलावा अगर किसी व्यक्ति ने बिजनेस के लिए लोन लिया है या किसी माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज ने लोन लिया है, तब भी कॉमर्शियल बैंक प्री-पेमेंट चार्ज नहीं लगाएंगे। हालांकि, यह छूट कुछ खास कैटेगरी के इंस्टीट्यूशंस पर लागू नहीं होगी।

50 लाख तक के लोन पर भी राहत

अगर किसी व्यक्ति या एमएसई को ऊपर दिए गए इंस्टीट्यूशंस से 50 लाख तक का लोन मिला है, तो उस पर भी प्री-पेमेंट चार्ज नहीं लगाया जा सकेगा। इसमें टियर-3 अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक, स्टेट और सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक और एनबीएफसी-अपर लेयर शामिल हैं। आरबीआई ने बताया कि जांच में यह बात सामने आई कि कई रेगुलेटेड इंस्टीट्यूशंस प्री-पेमेंट चार्ज को लेकर अलग-अलग पॉलिसी अपना रही थीं। इससे ग्राहकों में भ्रम और विवाद की स्थिति बन रही थी। इसके अलावा कुछ इंस्टीट्यूशंस लोन एग्रीमेंट में ऐसे रिस्ट्रिक्टिव क्लॉज शामिल कर रहे थे। जिससे ग्राहक कम ब्याज दर वाले ऑप्शन पर स्विच न कर सकें। आरबीआई ने कहा कि यह राहत लोन चुकाने के सोर्स पर निर्भर नहीं होगी। यानी चाहे लोन का पार्ट पेमेंट हो या पूरा लोन पेमेंट हो और फंड का सोर्स कोई भी हो, अब कोई चार्ज नहीं लगेगा। साथ ही किसी भी तरह का लॉक-इन पीरियड अनिवार्य नहीं होगा।

आरबीआई ने यह भी निर्देश दिया है कि प्री-पेमेंट चार्ज से जुड़े सभी नियमों की जानकारी लोन एक्सेप्टेंस लेटर, कॉन्ट्रैक्ट और की-फैक्ट्स स्टेटमेंट में दी जानी चाहिए। अगर्‌यस्न्स्‌ में कोई चार्ज पहले से मेंशन नहीं है, तो बाद में उसे वसूल नहीं किया जा सकता। यह फैसला ग्राहकों की ट्रांसपेरेंसी और कॉम्पिटेटिव बैंकिंग सर्विसेज की दिशा में एक बड़ा सुधार माना जा रहा है।

हाजी शोएब खान बने राष्ट्रीय अधिमान्य पत्रकार संगठन के जिलाध्यक्ष

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। जिले में सामाजिक सेवा के साथ ही उर्दू पत्रकारिता कर रहे, पत्रकार हाजी शोएब खान को राष्ट्रीय अधिमान्य पत्रकार संगठन का बालाघाट जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। साथ ही उन्हें जबलपुर संभाग का प्रभारी भी बनाया गया है।गौरतलब हो कि हाजी शोएब खान, विगत 15 वर्षो से उर्दू समाचार पत्र के अलावा हिन्दी समाचार पत्रो के लिए भी, स्वतंत्र पत्रकारिता करते आ रहे है। जिनके कार्यो को देखते हुए राष्ट्रीय अधिमान्य पत्रकार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पटेल की अनुमति से प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र प्रसाद मिश्रा ने हाजी शोएब खान को, संगठन का जिलाध्यक्ष और जबलपुर संभाग का प्रभारी नियुक्त किया है।राष्ट्रीय अधिमान्य पत्रकार संगठन में हाजी शोएब खान के जिलाध्यक्ष बनने पर उम्मेद लिल्हारे, महेश सहारे, धर्मेन्द्र कुरील, राजकुमार नागेश्वर, राकेश सिंगारे, अधिवक्ता राजा भिमटे, जुनेद खान, मो. अकबर खान, रिजवान खान सहित अन्य शुभचिंतकों ने बधाई दी है।

शहर के मेन रोड गुजरी बाजार सहित व्यस्ततम चौक चौराहों में यातायात व्यवस्था हुई बेपटरी

मेन रोड और शहर में अब नहीं दिख रहा यातायात का गश्त करता वाहन, नपा. भी भूली अतिक्रमण हटाने के बाद मॉनिटरिंग करना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। इन दिनों शहर के मेन रोड और गुजरी बाजार सहित शहर के प्रमुख चौक चौराहों पर यातायात बेपटरी होते जा रहा है। कालीपुतली चौक से हनुमान चौक के बीच दो पहिया से चौपहिया वाहन सड़कों पर खड़े दिखाई दे रहे हैं । गुजरी पहुंच मार्गो पर भी स्थानीय दुकानदारों द्वारा दुकान के नाम की तक्तीयां और टिन सेड बाहर निकाल दिए गए हैं , जिससे शहर में आवागमन को लेकर काफी दिक्कतें आ रही है । सड़कों पर चौपहिया वाहन खड़े होने से समय-समय पर जाम जैसे हालात भी शहर में बन जाते हैं । जिसका उदाहरण कई बार मेन रोड सहित अंबेडकर चौक , हनुमान चौक में भी देखने को मिलता है। इन दिनों शहर के मेन रोड में यातायात कर्मी भी नहीं दिखाई दे रहे हैं । नगर पालिका ने भी बीते दिनों अतिक्रमण हटाया था उसका भी प्रॉपर मॉनिटरिंग नहीं करने की वजह से आज हालात बिगड़ते जा रहे हैं।

आपको बता दे की इन दिनों शहर के प्रमुख व्यस्ततम मार्ग अवंतीबाई चौक से गुजरी बाजार , काली पुतली चौक से मेन रोड होते हुए हनुमान चौक और अंबेडकर चौक से कोतवाली, थाने तक के यह मार्ग काफी व्यस्ततम रहते हैं । इनमें दिन भर आवागमन शुरू रहता है , किंतु इन दिनों देखने मिल रहा है कि इन मार्गों पर यातायात विभाग का कोई नियंत्रण नहीं है । शहर की गुजरी बाजार सहित मेन रोड पर तो यातायात कर्मी भी इन दिनों नजर नहीं आ रहे हैं । राहगीरों द्वारा सामान खरीदते समय अपने दो पहिया सहित चौपहिया वाहनों को मेन रोड पर ही खड़ा कर दिया जाता है। जबकि पहले यातायात पुलिस द्वारा दिन के समय यातायात का वाहन शहर में भ्रमण कर यातायात की व्यवस्था बनाते दिखता था। किंतु इन दिनों इन मार्गों पर ना ही यातायात विभाग के कर्मचारी दिख रहे हैं और ना ही यातायात विभाग का वाहन इन मार्गों पर गश्त भी नही कर रहा है। जबकि चक्रचौराहा सहित मेन मार्गों पर चौपहिया वाहन साफ रोड पर खड़े दिखाई दे सकते हैं। वहीं कुछ स्थानीय व्यवसायियों द्वारा भी अपने दुकानों के नाम की तक्तियाँ रोड तक लगा दी गई है और बरसात का समय होने के कारण कई लोगों ने तो पूरी रोड पर ही त्रिपाल बांध कर कब्जा कर लिया है। जिससे दुर्घटना की संभावनाएं बन रही है । समय-समय पर दिन में कई बार इन मार्गों पर जाम की स्थिति भी बन जाती है । शाम होते ही अंबेडकर चौक पर स्कूल की छुट्टी के समय जाम का नजारा साफ देखने को मिलता है । गुजरी पहुंच मार्ग पर भी स्थानीय दुकानदारों द्वारा दोनों ओर थोड़ा-थोड़ा अतिक्रमण कर रोड को सकरी कर दिया गया है। जिस कारण यहां से वाहन निकालने में काफी परेशानी वाहन चालकों को होती है। नगर पालिका का भी इस ओर कोई ध्यान नहीं है। जबकि बीते दिनों नगर पालिका द्वारा इन मार्गों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। इन दिनों प्रॉपर मॉनिटरिंग नहीं होने के कारण पुनः हटाया गया अतिक्रमण जैसा का वैसा हो गया है । मार्ग अब धीरे-धीरे अतिक्रमणकारियों के साथ-साथ रोड पर वाहन पार्किंग करने से मार्ग सकरा होता जा रहा है। जिससे जाम जैसे हालात इन मार्गों पर बन रहे हैं ।

मेन रोड पर यातायात विभाग की गश्त हुई बंद

कुछ समय पहले यातायात विभाग सुबह , शाम और दोपहर के समय यातायात का वाहन और कुछ यातायात कर्मचारी शहर में दिन के समय गश्त करते नजर आते थे, किंतु इन दिनों शहर में यातायात विभाग की गाड़ी और मेन रोड पर यातायात विभाग के कर्मचारी भी दिखाई नहीं देते , जबकि यदि यातायात विभाग का वाहन शहर के प्रमुख व्यस्ततम गलियों और मेन मार्ग पर घूमेगी तो निश्चित ही सड़क पर खड़े होने वाले वाहनों पर कार्रवाई होगी और सड़कों पर अनावश्यक दो पहिया चौपहिया वाहन खड़े नहीं होंगे।

अतिक्रमण हटाने के बाद नपा. ने नहीं किया मॉनिटरिंग

बीते कुछ दिनों पहले नगर पालिका द्वारा मेन रोड सहित गुजरी के अंदर पहुंच मार्ग का काफी गहमागहमी के बीच अतिक्रमण हटाया गया था किंतु इन दिनों प्रॉपर मॉनिटरिंग नहीं होने के कारण पुनः हटाया गया अतिक्रमण जैसा का वैसा हो गया है पर स्थानीय व्यवसाययों द्वारा नगर पालिका की नालियों सहित सड़कों पर अतिक्रमण पुनः कर लिया गया है जिससे भी अव्यवस्था आवागमन को लेकर उत्पन्न हो रही है।

यातायात व्यवस्था हुई पूरी तरह से बेपटरी

शहर के अंदर यातायात के नियम कानून का कोई मतलब ही नहीं बचा है। वाहन चालकों का जहां पर मन होता है वहां पर वह वाहनों को खड़ा कर देते हैं। चौपहिया वाहनों के चालक अपने वाहन सड़क पर ही खड़ा करके चले जाते हैं। जिसके कारण प्रति दिन जाम से राहगीरों को गुजरना पड़ता है। शहर के प्रमुख चौराहा, बाजार चौक, बस स्टेंड रोड सहित अन्य स्थानों पर रोजाना जाम की स्थिति निर्मित होती है। इससे निपटने के लिए यातायात प्रभारी द्वारा कोई इंतजाम नहीं किए जा रहे है। इसके अलावा किसी राहगीर ने सड़क पर वाहन खड़ा करने का विरोध किया तो वाहन चालक झगड़ा करने पर उतर आते हैं। कुल मिलाकर ट्रैफिक पुलिस की उदासीनता से शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी होती जा रही है।

मोटरसाइकिल सहित गिरे युवक छोटा हाथी की चपेट में आने से घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़) । नगर समीप गोंदिया रोड पर स्थित ग्राम कोसमी पीपल चौक के पास मोटरसाइकिल फिसलने से मोटरसाइकिल सवार युवक छोटा हाथी की चपेट में आने घायल हो गया। घायल युवक बादल पिता हरिश्चंद्र मेश्राम 30 वर्ष ग्राम कटंगझरी थाना वारासिवनी निवासी है। 4 जुलाई को यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब यह युवक मोटरसाइकिल में किरनापुर जा रहा था। घायल इस युवक को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कटंगझरी निवासी बादल मेश्राम अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता है। 4 जुलाई को बादल मेश्राम मोटरसाइकिल में अपने गांव कटंगझरी से किरनापुर जाने के लिए निकला था। 11:00 करीब बालाघाट से रजेगाव की ओर जाते समय गोंदिया रोड ग्राम कोसमी पीपल चौक के पास बादल मेश्राम के सामने एक ऑटो चल रही थी। अचानक ऑटो वाले ने ब्रेक मारा। इसी के साथ ही बादल मेश्राम ने भी मोटरसाइकिल को ब्रेक मारा तभी मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और फिसल गई। बादल मेश्राम मोटरसाइकिल सहित गिर गया था। उसी समय नवेगांव की ओर से तेज रफ्तार से आ रही छोटा हाथी ने बादल मेश्राम को चपेट में ले लिया। बादल मेश्राम का बाया हाथ छोटा हाथी के पहियों में आ जाने से फैक्चर हो गया इसके अलावा बादल मेश्राम के शरीर के अन्य जगहों में चोटें आई छोटा हाथी की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल बेहोश बादल मेश्राम को तुरंत ही जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बादल मेश्राम को बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

चार लोगों ने एक महिला से की मारपीट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मानेगांव बैल बाजार के पास एक महिला ने चार लोगों के विरुद्ध मारपीट करने का आरोप लगाई। मारपीट में घायल महिला संगीता पति सुरेश यादव 40 वर्ष ग्राम टेकाड़ी थाना भरवेली निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संगीता यादव मजदूरी करती है 3 जुलाई को संगीता यादव के पति सुरेश यादव की तबीयत खराब हो गई थी 12:00 बजे संगीता यादव अपने पति सुरेश यादव को इलाज करवाने के लिए मानेगांव के डॉक्टर के पास लाई थी और इलाज करवा कर अपने गांव टेकाड़ी चले गए थे। रात्रि 8:00 बजे संगीता यादव ने अपने पति सुरेश यादव को इलाज करने के लिए बालाघाट लाई थी और बालाघाट से इलाज करवाने के बाद रात्रि 1:00 बजे दोनों पति-पत्नी बालाघाट से पैदल अपने गांव टेकाड़ी जा रहे थे। तभी मानेगांव बैल बाजार के पास चार व्यक्तियों ने उन्हें रोके और मारपीट करने लगे। मारपीट करने से संगीता यादव के हाथ पैर कमर पीठ में चोटे आई। मारपीट में घायल संगीता को उसके पति और लड़के ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

ग्रेसियस कॉलेज ऑफ फार्मेसी
आर.टी.ओ. आफिस के सामने, बरबसपुर रोड, कायदी, जिला - बालाघाट (म.प्र.)
73820-53000, 73820-54000
बी.फार्मा
4 Years
Eligibility - 12th(Bio/Maths)
Enroll Now
PCI APPROVED
डी.फार्मा
2 Years
Eligibility - 12th(Bio/Maths)
मान्यता एवं संबद्धता
• फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई, नई दिल्ली)
• राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल
• तकनीकी शिक्षा विभाग म.प्र. शासन
SC, ST, OBC वर्ग के विद्यार्थियों को म.प्र. शासन के नियमानुसार छात्रवृत्ति

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▶ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▶ MINING ENGINEERING
▶ CIVIL ENGINEERING
▶ MECHANICAL ENGINEERING
▶ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

JOB VACANCY
आवश्यकता है
PADMESH FIBERNET में
TECHNICAL ENGINEER
हम देंगे...
★ सम्मानजनक मानदेय ★ पेट्रोल खर्च अतिरिक्त
★ तेजी से विकास का मौका ★ नौकरी की सुरक्षा
पता- पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट 9752771444

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट